www.navpradesh.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 9 | छत्तीसगढ़

रायपुर, शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 | कृष्ण पक्ष-अमावस्या, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-15 | अंक- 241 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

सुप्रीम कोर्ट की केंद्र सरकार को दो टूक- सुरक्षा जरूरी, लेकिन जनता की परेशानी भी देखे सरकार

रेल और मेट्रो बंद नहीं कर सकते : सुको

■ प्रदर्शन से पहले ट्रेनें रद्द करने और 57 मेट्रो स्टेशनों पर पाबंदी को लेकर सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली/ए.। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रस्तावित बड़े विरोध प्रदर्शन से पहले रेल और मेट्रो सेवाओं पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को कड़ा संदेश दिया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर आम नागरिकों की आवाजाही को अनावश्यक रूप से बाधित नहीं किया जाना चाहिए। सुरक्षा के लिए प्रतिबंध लगाना और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह ठप कर देना अलग-अलग बातें हैं। अदालत ने सरकार से पाबंदियों की समीक्षा करने और ऐसा संतुलित रास्ता अपनाने को कहा, जिससे सुरक्षा व्यवस्था भी बनी रहे और यात्रियों को बेवजह परेशानी भी न उठानी पड़े। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रदर्शन को लेकर विपक्ष और दिल्ली पुलिस की तैयारी

- 9 से 12 अक्टूबर के बीच दिल्ली में करीब 23,000 सुरक्षाकर्मियों को तैनात किए जा सकते हैं।
- पुलिस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के सरकारी आवास और चुनाव आयोग के ऑफिस के आस-पास सुरक्षा बढ़ा दी है।
- कुमार को फिलहाल-प्लस कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई है, जिसमें दिल्ली पुलिस के 32 सुरक्षाकर्मी शामिल होते हैं।
- कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एहतियातन दिल्ली में शराब की सभी रिटेल दुकानें 9 और 10 अक्टूबर को बंद रहेंगी।
- दिल्ली हाईकोर्ट आज इंडियन यूथ कांग्रेस की याचिका पर सुनवाई कर सकता है, जिसमें जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन की इजाजत मांगी गई है

दिल्ली में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति- वेणुगोपाल

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा- हम आगे क्या कदम उठाएंगे, इसकी जानकारी आपको देंगे। जैसा कि हमने कल कहा था, हमारा आंदोलन जारी रहेगा। परसों तक हम अपने फैसले के मुताबिक आगे बढ़ते रहेंगे। दिल्ली में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति लागू है। सभी ट्रेनें और मेट्रो स्टेशन रोक दिए गए हैं। सरकार पूरी तरह डरी हुई है। लोकतांत्रिक देश में आंदोलन और जुलूस होते रहेंगे। सरकार को इन्हें उसी तरह संभालना चाहिए। लेकिन यह सरकार पूरी तरह तानाशाही तरीके से काम कर रही है।

सीजेपी के आंदोलन को नहीं मिली अनुमति

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन को पुलिस ने अनुमति देने से इनकार कर दिया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त नूपुर प्रसाद ने शुक्रवार को बताया कि प्रदर्शन के लिए कम से कम 10 दिन पहले आवेदन देना जरूरी है, जबकि सीजेपी ने महज तीन दिन पहले आवेदन किया। पुलिस ने पिछले प्रदर्शनों में नियमों के कथित उल्लंघन और कानून-व्यवस्था की स्थिति को भी अनुमति नहीं देने की वजह बताया।

प्रदर्शन से पहले लोगों को हिरासत में ले रहे : दीपके

दीपके ने बेंगलुरु में प्रदर्शन से पहले सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा- सत्ता आपके पास हो सकती है, लेकिन सड़कें हमारी हैं। यहीं से हम अपना लोकतंत्र वापस लेंगे। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने दावा किया कि 10 अक्टूबर के प्रदर्शन से पहले बड़ी संख्या में लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने लिखा- मोदी को लगता है कि लोगों को जेल में डालकर विरोध की आवाज को दबाया जा सकता है। जितने ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जाएगा, उतने ही ज्यादा लोग प्रदर्शन में शामिल होंगे।

38 मेल-एक्सप्रेस सहित 165 ट्रेनें रद्द

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि शनिवार को नयी दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन पहुंचने वाली 165 ट्रेनों में से 38 मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द किया गया है। उल्लेखनीय है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में गड़बड़ी के खिलाफ और मुख्य चुनाव के इस्तीफे की मांग को लेकर सीजेपी ने शनिवार को राजधानी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की घोषणा की है। हालांकि प्रशासन ने सीजेपी को इसकी इजाजत नहीं दी है।

'मक्खी मारने के लिए हथौड़ा नहीं चला सकते'

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने व्यापक पाबंदियों के औचित्य पर सवाल उठाते हुए प्रशासन को संतुलित कार्रवाई का संदेश दिया। अदालत ने इस बात पर चिंता जताई कि किसी संभावित कानून-व्यवस्था की समस्या से निपटने के लिए ऐसे कठोर कदम नहीं उठाए जाने चाहिए, जिनका असर बड़ी संख्या में निर्दोष नागरिकों पर पड़े। पीठ की टिप्पणी का मूल संदेश था कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन इसके लिए पूरे शहर की सामान्य गतिविधियों को बाधित करना उचित नहीं होगा।

भारतवंशी नवनीतम पिल्लै को शांति का नोबेल पुरस्कार

■ पेशे से वकील, दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के खिलाफ लड़ने में नेल्सन मंडेला की मदद की

ओस्लो/ए.। नॉर्वे की नोबेल समिति ने 2026 का शांति पुरस्कार भारतवंशी नवनीतम नवी पिल्लै को देने का ऐलान किया है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मीं पिल्लै ने रंगभेद के खिलाफ लड़ने वाले नेल्सन मंडेला समेत कई लोगों की वकील के तौर पर मदद की थी। उन्हें युद्ध अपराध और नरसंहार के दोषियों को सजा दिलाने और अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने के प्रयासों के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। नावी पिल्लै का जन्म दक्षिण अफ्रीका के डरबन में भारतीय तमिल मूल के परिवार में हुआ था।

5 अहम काम जिसके आधार पर मिला नोबेल

1. रंगभेद के खिलाफ लड़ाई: दक्षिण अफ्रीका में वकील रहते हुए उन्होंने रंगभेद की नीति का विरोध करने वाले कार्यकर्ताओं का बचाव किया। उन्होंने राजनीतिक कैदियों के अधिकारों के लिए भी काम किया।

2. महिलाओं के अधिकारों के लिए काम: 1985 में उन्होंने इक्वैलिटी नाऊ नाम के अंतरराष्ट्रीय संगठन की सह-स्थापना की। यह संगठन महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों के लिए काम करता है।

3. अंतरराष्ट्रीय अपराधों पर सुनवाई: 2003 में वे अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की जज बनीं। यहां नरसंहार, युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफअपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई होती है।

4. संयुक्त राष्ट्र में मानवाधिकारों की रक्षा: 2008 से 2014 तक उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार प्रमुख के तौर पर काम किया। इस दौरान उन्होंने दुनिया भर में मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाने और दोषियों की जवाबदेही तय करने पर जोर दिया।

5. दक्षिण अफ्रीका में इतिहास रचा: 1967 में वे नटाल प्रांत में वकालत शुरू करने वाली पहली महिला बनीं। बाद में वे दक्षिण अफ्रीका के हाई कोर्ट में जज बनने वाली पहली अश्वेत महिला भी बनीं।

रवांडा नरसंहार के मुकदमे में ऐतिहासिक भूमिका

पिल्लै के करियर का सबसे अहम पड़ाव रवांडा में नरसंहार से जुड़े मामलों की सुनवाई रहा। 1994 में रवांडा में बड़े पैमाने पर नरसंहार हुआ था। इसमें तुत्सी समुदाय के लोगों की बड़े पैमाने पर हत्या की गई। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने अपराधियों को सजा दिलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरण बनाया। 1995 में पिल्लै इस न्यायाधिकरण में न्यायाधीश नियुक्त हुईं। उन्होंने 1999 से 2003 तक इसकी अध्यक्ष के रूप में भी काम किया।

आज बेबाक

आजकल नये-नये नारे गढ़ने की होड़ लगी हुई है। ऐसा लगता है नाराजीवी लोग नारे उछाल कर ही देश के हालात बदल देंगे। जिसे देखो वही नया नारा ईजाद करने में लगा है। बड़के काकरोच अभिजीत दीपके ने नई बोतल में पुरानी शराब भरने वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस के नारे को नया रुप दिया है। वोट चोर गद्दी छोड़ की जगह उन्होंने नया नारा दिया है - वन, टू, थ्री, फोर, मोदी है वोट चोर...। बहरहाल अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इन नारों के जवाब में भाजपा चोर मचाए शोर टाइप कौन सा नया नारा देती है?

राष्ट्रपति ने वोट चोरी से इनकार नहीं किया, हमसे सबूत मांगे: राहुल

■ सोमवार को सुप्रीम कोर्ट जाएंगे; 4 दिन में तीसरा मार्च

नई दिल्ली (ए.)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी गठबंधन ने शुक्रवार को लगातार चौथे दिन प्रदर्शन और मार्च निकाला। सबसे पहले पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एक घंटे मीटिंग की।इसके बाद सांसदों ने संसद से राष्ट्रपति भवन तक पैदल मार्च किया। राहुल गांधी, ममता बनर्जी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत 10 सांसदों का डेलीगेशन राष्ट्रपति से मिला। बाकी सांसदों ने विजय चौक पर धरना दिया।मीटिंग से बाहर आकर राहुल गांधी ने कहा कि पूरा देश जानता है कि देश में वोट चोरी हो रही है। राष्ट्रपति ने भी इससे इनकार नहीं किया। अब हम सोमवार को सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

विपक्षी सांसदों ने पिछले 4 दिनों में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ तीसरा मार्च निकाला है। इससे पहले 6 अक्टूबर को सेव डेमोक्रेसी मार्च निकाला था। फिर 7 मार्च को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए गए थे। रास्ते में रोक दिया गया। 8 अक्टूबर को कनॉट प्लेस से राजघाट तक मार्च निकाला था।

ममता बनर्जी ने कहा- हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि वह इसकी जांच करेंगी और पूरी जानकारी देखेंगी। उन्होंने सबूत मांगें हैं, जिन्हें भेजने की बात हमने कही है। देश इस मुद्दे को लेकर बहुत चिंतित है। आप संविधान की संरक्षक हैं, इसलिए लोकतंत्र की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कहा कि वह मामले की जांच करेंगी।

राहुल ने कहा- राष्ट्रपति से मुलाकात अविश्वनीय रही। हमने इलेक्शन चोरी-वोट चोरी के बारे में बताया तो राष्ट्रपति ने इससे खंडन नहीं किया। उन्होंने कहा कि वे इसके बारे में सोचेंगी और एक्शन लेंगी। राष्ट्रपति ने हमसे सबूत मांगे हैं। ज्ञानेश कुमार ने भारत लोकतंत्र को तबाह किया है। ज्ञानेश ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नंदीग्राम में भाजपा की रिकॉर्ड जीत, शुभेंदु अधिकारी का 10 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली/ए.। चार राज्यों की छह सीटों पर हुए उपचुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की है। नंदीग्राम विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी हसीरानी रथ ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को 1,22,753 वोटों से हराकर नया रिकॉर्ड बनाया। हसीरानी को कुल 1,64,427 वोट मिले। उन्होंने शुभेंदु अधिकारी का वर्ष 2016 में बनाया गया 81,230 वोटों के अंतर से जीत का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

एमपी आरक्षण: हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, 27% आरक्षण रद्द

भोपाल/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने वाले 2019 के संशोधन कानून को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है। अदालत ने सरकारी भर्तियों में रोके गए 13 प्रतिशत पदों पर अनारक्षित वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया तीन महीने में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने वर्ष 2019 में ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने वाले संशोधन कानून को असंवैधानिक मानते हुए रद्द कर दिया है।

छत्तीसगढ़ के युवाओं को मिलेगा उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण, रोजगार के खुलेंगे नए रास्ते

■ टीसीएस, अडानी समूह और नांदी फाउंडेशन के सहयोग से बढ़ेगा कौशल विकास

■ आईटीआई-पॉलिटेक्निक में शुरू होंगे आधुनिक पाठ्यक्रम

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षित कर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में नई पहल कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के मार्गदर्शन में विभाग ने चार संस्थाओं के साथ एमओयू की पहल की है। इसके तहत युवाओं को आधुनिक तकनीक, व्यावहारिक कौशल और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाएगा। टीसीएस के सहयोग से इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को सीएसआर के तहत निःशुल्क प्रशिक्षण मिलेगा। वहीं अडानी समूह आईटीआई, पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों के विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण देगा। नांदी फाउंडेशन के माध्यम से युवाओं को अंग्रेजी संवाद, सॉफ्ट स्किल, इंटरव्यू और व्यक्तित्व ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती परीक्षा पर लगाई रोक, 2292 पदों पर होनी थी नियुक्ति

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में शिक्षक और सहायक शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को बड़ा झटका लगा है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने भर्ती विज्ञापन में दिव्यांग अभ्यर्थियों के आरक्षण से जुड़े विवाद पर सुनवाई करते हुए लिखित परीक्षाओं के आयोजन पर रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश कृष्णराम महापात्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले में राज्य शासन को नोटिस जारी कर विस्तृत जवाब मांगा है। इस आदेश के बाद 2292 पदों पर होने वाली भर्ती की प्रक्रिया प्रभावित हो गई है। वहीं, परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को अब आगामी आदेश का इंतजार है।

आरक्षण रोस्टर को लेकर हाईकोर्ट पहुंचे अभ्यर्थी

राज्य सरकार ने सहायक शिक्षक और शिक्षक के पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। भर्ती की शर्तों और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण रोस्टर की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कुछ अभ्यर्थियों ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता रूंगटा ने पक्ष रखते हुए दलील दी कि भर्ती प्रक्रिया में दिव्यांगों के आरक्षण से संबंधित नियमों का उचित तरीके से पालन नहीं किया गया है। याचिका में सामान्य प्रशासन विभाग और समाज कल्याण विभाग की ओर से जारी परिपत्रों तथा दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए भर्ती विज्ञापन में निर्धारित आरक्षण व्यवस्था पर आपत्ति जताई गई है।

जेवर एयरपोर्ट का नाम होगा नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट

लखनऊ/ए.। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लेते हुए जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। अब इसका नाम 'नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नोएडा-जेवर' होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बुनियादी ढांचे, औद्योगिक विकास और हवाई संपर्क के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

गरमा-गरम

बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और बस्तर में अहम बदलाव

18 आईपीएस अफसरों की बदली जिम्मेदारी

■ कई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों को मुख्यालय बुलाया

■ प्रशिक्षणरत अधिकारियों को भी मिली फील्ड पोस्टिंग

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार ने पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 18 पुलिस अधिकारियों की पदस्थापना बदल दी है। गृह (पुलिस) विभाग ने शुक्रवार को मंत्रालय से तबादला आदेश जारी किया। इस फेरबदल में नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग के जिलों से लेकर पुलिस मुख्यालय तक कई महत्वपूर्ण पदों पर नई नियुक्तियां की गई हैं। बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और जगदलपुर सहित अन्य जिलों में तैनात अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आदेश में वर्ष 2021 से 2024 बैच तक के अधिकारियों के नाम शामिल हैं। तबादला आदेश के अनुसार कई जिलों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत अधिकारियों को रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। वहीं नगर पुलिस अधीक्षक के पदों पर कार्यरत कुछ अधिकारियों को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। पुलिस मुख्यालय में एसआईबी, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कार्यमुक्त करने के भी निर्देश

गृह विभाग के सचिव हिम शिखर गुप्ता के हस्ताक्षर से जारी आदेश में संबंधित अधिकारियों को आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से नई पदस्थापना दी गई है। आदेश में संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ स्थानांतरित अधिकारियों को कार्यमुक्त करें, ताकि नई पदस्थापना पर कार्यभार ग्रहण किया जा सके।

बस्तर संभाग में बड़ा बदलाव कई अफसरों को नई जिम्मेदारी

नक्सल प्रभावित बीजापुर में तैनात डॉ. अमनकुमार रत्नकुमार को पुलिस मुख्यालय में पुलिस अधीक्षक (एसआईए) की जिम्मेदारी दी गई है। नारायणपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अजय कुमार को पुलिस अधीक्षक (एसआईबी) बनाया गया है। वहीं बीजापुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रवीन्द्र कुमार मीणा को पुलिस मुख्यालय में चिटफंड एवं महिला विरुद्ध अपराध शाखा का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। सुकमा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित कुमार शाह को बीजापुर स्थित 15वीं वाहिनी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कैरेट के नीचे छिपाया था 560 किलो गांजा महासमुंद पुलिस ने पकड़ी 2.95 करोड़ की खेप

महासमुंद/नवप्रदेश। ओडिशा से महाराष्ट्र गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क पर महासमुंद पुलिस ने करारा प्रहार किया है। ऑपरेशन निश्चय के तहत एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सिंघोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम ने 560 किलो गांजे के साथ महाराष्ट्र के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 2 करोड़ 80 लाख रुपए है, जबकि वाहन और मोबाइल समेत कुल 2 करोड़ 95 लाख 8 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आयशर माजदा वाहन क्रमांक एमएच 18 बीजी 7546 में गांजे की बड़ी खेप ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाई जा रही है। सूचना पर एनएच-53 स्थित रेहटीखोल चेकपोस्ट के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

महाराष्ट्र के दो तस्कर गिरफ्तार

पुलिस ने वाहन सवार अजय रविन्द्र पवार (30) और स्वराज महाजन (25), दोनों निवासी जिला जलगांव, महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपियों ने गांजा ओडिशा के बरहमपुर से लोड कर महाराष्ट्र के जलगांव ले जाने की जानकारी दी। पुलिस अब गांजे के स्रोत, खरीदारों और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

छत्तीसगढ़
में जनजातीय उत्थान
छत्तीसगढ़ शासन
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
तेंदूपत्ता संग्रहण दर ₹4000 से बढ़ाकर ₹5500 हजार प्रति मानक बोरा
तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए चरण पादुका वितरण योजना पुन: लागू
नियद नेल्ला नार योजना से दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार
पीएम जनमन योजना से कमजोर जनजाति समूहों के जीवन स्तर में तेजी से सुधार के प्रयास
जनजातीय उत्सव-पर्वों के आयोजन के लिए प्रोत्साहन राशि में बढ़ोत्तरी
आदिवासी बहुल क्षेत्रों में स्थानीय भाषा-बोलियों में स्कूली शिक्षा
जनजातीय समुदाय के संरक्षण- संवर्धन और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध
विष्णु देव सरकार
हमसे जुड़ने के लिए यह Q.R. Code स्कैन करें
S-49372
सुशासन से समृद्धि की ओर
Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने किया आईटीएमएस वार रूम का निरीक्षण, अफसरों को दिए निर्देश

राजधानी के समग्र विकास और बेहतर प्रबंधन के लिए तैयार होगी कार्ययोजना

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने शुक्रवार को रायपुर के जयस्तंभ चौक स्थित मल्टी लेवल पार्किंग के तीसरे माले में संचालित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) वार रूम का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के बाद उन्होंने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर शहर में यातायात प्रबंधन, महिला सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, अवैध निर्माण और खुदाई पर नियंत्रण तथा नागरिकों में नागरिक बोध (सिविक सेंस) विकसित करने से जुड़े विषयों की समीक्षा की।

उन्होंने इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए समन्वित कार्ययोजना तैयार करने और विभागीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। श्री बोरा ने आईटीएमएस वार रूम में तकनीकी संसाधनों, निगरानी व्यवस्था और उपलब्ध आंकड़ों के उपयोग के विभिन्न पहलुओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आईटीएमएस वार रूम को सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के रूप में विकसित करने शहरी प्रबंधन, विभागीय समन्वय और नागरिक सुविधाओं को अधिक प्रभावी बनाने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। यातायात व्यवस्था के लिए प्रमुख मार्गों का होगा आकलन बैठक में शहर के प्रत्येक प्रमुख मार्ग पर वाहनों की क्षमता, यातायात के दबाव और सड़क की उपलब्ध क्षमता का आकलन करने तथा नियमित निरीक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और यातायात संबंधी समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान की दिशा में काम करना है।

महिला सुरक्षा और आपदा प्रबंधन पर जोर

शहर में महिला सुरक्षा को मजबूत बनाने और आपात परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को बेहतर करने पर भी बैठक में चर्चा हुई। आईटीएमएस के माध्यम से उपलब्ध निगरानी व्यवस्था और तकनीकी संसाधनों के प्रभावी उपयोग की संभावनाओं पर विचार किया गया। आपदा प्रबंधन के लिए संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करने पर जोर दिया गया, ताकि आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

अवैध खुदाई और निर्माण पर प्रभावी निगरानी

बैठक में शहर में अवैध खुदाई और अवैध निर्माण की गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए निगरानी व्यवस्था मजबूत करने पर भी चर्चा हुई। निर्माण स्थलों पर निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने और सुरक्षा मानकों के बिना किए जा रहे निर्माण कार्यों पर रोक लगाने के लिए संबंधित विभागों को समन्वित कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य निर्माण गतिविधियों के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और सार्वजनिक स्थलों पर उत्पन्न होने वाली समस्याओं को रोकना है।

छठ महापर्व आयोजन समिति की आज बैठक

रायपुर/नवप्रदेश। छठ महापर्व आयोजन समिति महादेव घाट, रायपुर की बैठक कल शनिवार, अक्टूबर 10 को सुबह 10 बजे से बेबीलॉन टावर ग्राउंड फ्लोर वीआईपी चौक रायपुर में आगामी छठ पूजा की तैयारियों की चर्चा को लेकर आयोजित की जाएगी। बैठक आयोजन प्रमुख राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी।

रायपुर में 3 साल की बच्ची से यौन-शोषण का आरोप

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर के आमानाका थाना क्षेत्र की टाटीबंध में तीन साल की बच्ची से कथित यौन शोषण का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने परमानन्द ध्रुव नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। वह रायपुर एम्स में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करता था। जानकारी के मुताबिक, बच्ची पड़ोस में खेलने गई थी। इसी दौरान वह आरोपी के घर पहुंच गई, जहां उसके साथ कथित तौर पर यौन शोषण किए जाने का आरोप है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

डिग्री गर्ल्स कॉलेज के रिनोवेशन एवं सुविधाओं के विस्तार का प्रस्ताव

■ 60 साल पुराने मुख्य भवन के पुनरुद्धार और नई वेंडिंग मशीन लगाने उच्च शिक्षा संचालनालय की स्वीकृति का इंतजार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के प्रसिद्ध शासकीय दूधाधारी बजरंग महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में छात्राओं की सुविधाओं और परिसर के कायाकल्प को लेकर बड़ी पहल की जा रही है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.जया तिवारी द्वारा उच्च शिक्षा संचालनालय के अपर संचालक को प्रेषित किए गए प्रतिवेदन में परिसर की व्यवस्थाओं और भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई है।

प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय का मुख्य भवन लगभग 60 वर्ष पुराना हो चुका है, जिसे लोक निर्माण विभाग द्वारा डिस्मेंटल करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके साथ ही संस्थान की ओर से पूरे महाविद्यालय का विस्तृत रिनोवेशन कराने हेतु एक विशेष प्रस्ताव संचालनालय उच्च शिक्षा को भेजा गया है। छात्राओं की दैनिक सुविधाओं और हाइजीन का ध्यान रखते हुए कॉलेज प्रशासन कई स्तरों पर कार्य कर रहा है। परिसर में पेयजल के लिए 7 वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं, जिनमें से एक खराब वाटर कूलर की तत्काल मरम्मत कराई जा रही है। स्वच्छता और हाइजीन के मानकों को देखते हुए वाटर कूलर के पास गिलास नहीं रखे गए हैं। इसके अलावा, पुरानी सेनेटरी वेंडिंग मशीन के अनुपयोगी होने के बाद महिला एवं बाल विकास विभाग रायपुर के समन्वय से 03 नई वेंडिंग और डिस्पोजल मशीनें अति-शीघ्र स्थापित करने की योजना है।

कमरों में पर्याप्त पंखे व ट्यूबलाइट

महाविद्यालय में छात्राओं के अध्ययन और कक्षाओं के वातावरण को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी कमरों में पर्याप्त पंखे व ट्यूब लाइट उपलब्ध हैं, और किसी भी प्रकार की तकनीकी खराबी आने पर उन्हें तुरंत दुरुस्त किया जाता है। साथ ही पर्याप्त संख्या में मौजूद शौचालयों एवं कक्षाओं की नियमित साफ-सफाई के लिए सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई है। शैक्षणिक गतिविधियों को मजबूती देने के लिए कॉलेज का समृद्ध ग्रंथालय 60 हजार से अधिक पुस्तकों के साथ आधुनिक एसओवीएल 2.0 सॉफ्टवेयर एवं ओपेक सुविधा से लैस है, जहाँ छात्राओं के बैठने की समुचित प्रबंध है।

अतिक्रमण के खिलाफ हो रही सख्त कार्रवाई, तेलीबांधा में अवैध एंट्री बंद

रिंग रोड नंबर-1 के भाठागांव क्षेत्र में भी कार्रवाई, सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने पर जोर

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा अतिक्रमण एवं अनधिकृत प्रवेश मार्गों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में रिंग रोड नंबर-1 पर तेलीबांधा स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के पास की अवैध एंट्री को बंद कर दिया गया है। वहीं, रिंग रोड के भाठागांव क्षेत्र में भी अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों ने सार्वजनिक सड़कों को सुरक्षित और सुगम बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर अनधिकृत अतिक्रमण और प्रवेश मार्गों को हटाने की कार्रवाई लागू नियमों एवं सक्षम न्यायालयों के संबंधित निर्देशों के अनुरूप की जाती है।इस संबंध में एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और यातायात को सुगम बनाए रखना एनएचएआई की प्राथमिकता है।

गौ रक्षा के लिए निगम का घेराव : साधु-संतों, गौठान संचालकों ने खोला मोर्चा

सुरक्षा और व्यवस्था पर उठाए सवाल

रायपुर/नवप्रदेश। गौ माता के रख-रखाव, दाना-पानी और गौठानों की बदहाल स्थिति को लेकर साधु-संत, किन्नर अखाड़ा और गौठान संचालकों ने शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय का घेराव कर दिया।

घेराव करने वालों ने निगम के सामने गोबर लगाकर प्रदर्शन किया और कहा कि गौ माता कहीं सुरक्षित नहीं है। गौठानों में मौतें हो रही हैं और सड़कों पर मवेशी कुचले जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि आज वे गौ माता के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं और अधिकार लेकर ही रहेंगे। कई बार बातचीत हुई, लेकिन समाधान नहीं निकला है।

उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

संचालकों की प्रमुख समस्याएं लंबित भुगतान और सुविधाओं का अभाव हैं। फंड न मिलने से कर्मचारियों और चरवाहों का मानदेय तक नहीं दिया जा पा रहा। संचालकों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द बकाया भुगतान और व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे गौठान संचालन बंद करने और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने महापौर और निगम आयुक्त से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

गौ माता को लेकर हो रही राजनीति- सौम्या महामंडलेश्वर

किन्नर अखाड़ा की सौम्या महामंडलेश्वर ने कहा कि गौ माता को लेकर राजनीति हो रही है। हालात गंभीर हैं, कोई सुधार नहीं हो रहा है, हमें गौ माता के अधिकार चाहिए, चारा का अधिकार और रहने का अधिकार। कई बार आवेदन दिए गए, चर्चा हुई, लेकिन कोई सुधार नहीं हुई है। गौठानों की हालत सही नहीं है। 250 की क्षमता में कहीं 500 तो कहीं 800 से ज्यादा मवेशी हैं। सड़कों पर मौत हो रही है। कम जगह होने की वजह से गौठान सुरक्षित नहीं। हम सिर्फ सुरक्षित जगह और खाना चाहते हैं।

अंदर हो रही सारी रोटी- राजेश्वरानंद महाराज

छत्तीसगढ़ संत समाज के प्रदेश अध्यक्ष राजेश्वरानंद महाराज ने कहा कि पहली रोटी गाय को देनी चाहिए, लेकिन यहां सारी रोटी अंदर हो रही है। इसलिए आज हम आए हैं। यह अन्याय नहीं सहेंगे। नगर पालिक निगम रायपुर के अंतर्गत संचालित गौठानों की स्थिति दिनों-दिन बदतर होती जा रही है। शहर में घूमंतू मवेशियों का जमघट लगा है। वहीं गौठान संचालित करने वाली संस्थाएं बकाया भुगतान न मिलने से आर्थिक तंगी झेल रही हैं। पिछले कई महीनों से निगम द्वारा गौठान संचालकों को भुगतान नहीं किया गया है। इससे सूखा-हरा चारा, दाना और पानी की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है।

मानव | ग्रह | प्रगति

जिम्मेवार खनन और नवाचार के माध्यम से विकास को बढ़ावा

एनएमडीसी लिमिटेड की 68वीं वार्षिक आम बैठक में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

टर्नओवर
31,554 करोड़ रूपए

कर पश्चात लाभ
7,421 करोड़ रूपए

उत्पादन
53.16 मिलियन टन

बिक्री
50.24 मिलियन टन

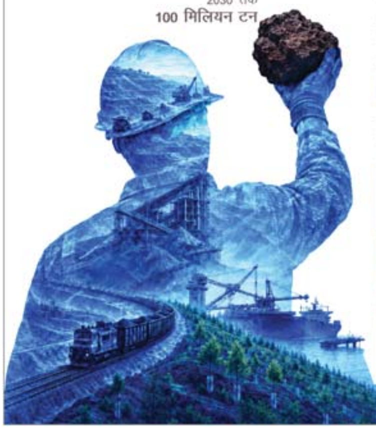

प्रिय शेयर धारकों,

मुझे एनएमडीसी लिमिटेड की वित्तीय वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है, एक ऐसा वर्ष जो मजबूत प्रदर्शन, महत्वपूर्ण माइलस्टोन और हमारी दीर्घकालिक विजन की दिशा में निरंतर प्रगति को चिह्नित करता है।

वर्ष 2026 ने हमारी राष्ट्रीय यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय चिह्नित किया है। वैश्विक आर्थिक और भू-राजनैतिक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारत की प्रगति स्थिर और निर्णायक बनी हुई है। वित्त वर्ष 26 में 7.7% की हमारी वास्तविक जीडीपी वृद्धि हमारी अर्थव्यवस्था की ताकत और निवेश गति को दर्शाती है। भारत प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक भागीदारी में भी नेतृत्व को सुनिश्चित कर रहा है।

एनएमडीसी के लिए यह 'यूरेका' क्षणों से भरा वर्ष रहा है, जहां हमने अपने जीवन के मूल उद्देश्यों की पहचान की और अपनी वास्तविक क्षमता का उपयोग करने के लिए गहन परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। वित्त वर्ष' 26 में, हम भारत में एक ही वर्ष में 50 मिलियन टन से अधिक लौह अयस्क का उत्पादन करने वाली पहली खनन कंपनी बन गए हैं और इतिहास रचते हुए 53.16 मिलियन टन का रिकॉर्ड उत्पादन और 50.24 मिलियन टन की बिक्री हासिल की। ये आंकड़े वर्ष-दर-वर्ष उत्पादन में 20.62% की वृद्धि और बिक्री में 13.15% की वृद्धि को दर्शाते हैं, जो कि वर्तमान उत्पादन और बिक्री उपकरणों और बुनियादी ढांचे की क्षमताओं और काबलियत को अनुकूलित और पार करके स्वाभाविक रूप से प्राप्त किया है। एनएमडीसी ने एक ही वर्ष में उत्पादन में इतनी बड़ी बढ़ोतरी करके अपनी क्षमता साबित की है, जो उद्योग में अभूतपूर्व और अद्वितीय है। इस सराहनीय प्रदर्शन के माध्यम से, एनएमडीसी ने भारत के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास की नींव को मजबूत करने में विशेष योगदान दिया है।

यह परिचालन उत्कृष्टता स्वाभाविक रूप से कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन में परिलक्षित हुई, जिसने कारोबार और अन्य वित्तीय पैरामीटर में नए शिखर दर्ज किए। परिचालन से राजस्व 33.31% बढ़कर 31,554 करोड़ रूपए हो गया, कर-पश्चात लाभ 10.88% बढ़कर 7,421 करोड़ रूपए दर्ज हुआ और नेटवर्थ 14.39% बढ़कर 33,836 करोड़ रूपए हुआ। एनएमडीसी ने वर्ष के दौरान पूंजीगत व्यय में 3,384 करोड़ रुपये का निवेश किया और शेयरधारकों को महत्व देते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 2.50 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया और 1 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव रखा, जो कि शेयरधारक अनुमोदन के अधीन है।

भारत में तेजी से हो रहे औद्योगीकरण के लिए सुरक्षित, विश्वसनीय और जिम्मेदारी से प्रबंधित खनिज संसाधनों की आवश्यकता है। इसलिए 100 एमटीपीए लौह अयस्क उत्पादन क्षमता प्राप्त करने की हमारी विजन 2030 केवल एक व्यावसायिक महत्वाकांक्षा नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक खनिज सुरक्षा और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान है।

विकास के आधार को मजबूत करना

एनएमडीसी की यात्रा का अगला चरण अपनी क्षमता और महत्वाकांक्षा को सुरक्षित, कुशल और भरोसेमंद संचालन में बदलने पर केंद्रित है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हमारा 60 एमटी का उत्पादन लक्ष्य, 100 एमटीपीए के मार्ग की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

हमारे एकीकृत खनन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई। किरंदुल-जगदलपुर रेल-लाइन के दोहरीकरण की 98% प्रगति हो चुकी है, जिसमें 140 किमी का काम पूरा हो चुका है और इसे चालू किया जा चुका है। साथ ही, 26 सितंबर, 2026 को कंपनी ने अपनी स्लरी पाइपलाइन परियोजना को कमीशन किया और इसके साथ नगरनार, छत्तीसगढ़ में अपने पेलेट प्लांट में फायर्ड पेलेट की पहली बैच का उत्पादन किया। यह उपलब्धि पूरे एसपीएल प्रणाली के सफल एकीकृत कमीशनिंग को चिह्नित करता है, जिसमें बचेली में लौह अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र (आईओपीपी), तीन जिलों को पार करने वाली 135 किमी लंबी स्लरी पाइपलाइन और नगरनार में 2.0 मिलियन टन पेलेट प्लांट शामिल हैं। ये परियोजनाएं निकासी क्षमता को बढ़ाएंगी और बैलाडीला मूल्य-श्रृंखला की समग्र दक्षता में सुधार करेंगी।

एनएमडीसी ने अपने घरेलू खनिज पोर्टफोलियो में विविधता लाना जारी रखा है। झारखंड में तोकिसूद नॉर्थ परियोजना ने जनवरी 2026 में खनन कार्य शुरू किया, जो घरेलू कोयला खनन में हमारी एंट्री को चिह्नित करता है।

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड के माध्यम से बैलाडीला लौह अयस्क डिपॉजिट-4 की शुरुआत फरवरी 2026 में वाणिज्यिक संचालन के साथ की गई थी। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बैलाडीला लौह अयस्क डिपॉजिट-13 के विकास में महत्वपूर्ण प्रगति की गई, जो एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड का ही एक हिस्सा है। इसके परिणामस्वरूप परवर्ती महीनों में इसका वाणिज्यिक संचालन शुरू हुआ।

मुझे यह बताते हुए भी गर्व हो रहा है कि एनएमडीसी ने अपने मानव पूंजी के अथक और समर्पित प्रयासों को सही मान्यता देते हुए वर्ष के दौरान नई आवास और सहायक सुविधाओं को चालू करके परियोजनाओं में अपने कर्मचारियों को गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करने के लिए वास्तविक प्रयास किए और बैलाडीला और दोणिमलै परिसरों के अपने टाउनशिप में कुछ अन्य ऐसी परियोजनाओं की शुरुआत की।

एक विश्व स्तरीय, वैश्विक खनिज दिग्गज कंपनी के रूप में उभरने के लिए दुबई, यूएई और सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में हमारे कार्यालयों के खुलने के साथ हमारी गंभीरतापूर्ण प्रयासों को एक बड़ी गति मिली है। इन कार्यालयों से विदेश में एनएमडीसी की खनिज विविधीकरण यात्रा में सहायता मिलने की उम्मीद है।

प्रौद्योगिकी, सुस्थिरता और लोग

अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और नवाचार एनएमडीसी के संचालन का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य परिचालन दृश्यता, निर्णय लेने, उत्पादकता और सुरक्षा में सुधार करना है। उठाए गए पहलों में डिजिटल प्रोजेक्ट मैनेजमेन्ट यूनिट, ऑटोमैटिक सैम्पलिंग, डिजिटल रूप से सक्षम ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग, रियल-टाइम मटेरियल विजिबिलिटी और इंटिग्रेटेड सस्टेनेबिलिटी डेटा सिस्टम शामिल हैं।

जिम्मेवारीपूर्ण विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता समान रूप से मजबूत बनी हुई है। एनएमडीसी अधिक ऊर्जा और संसाधन दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा उपयोग में वृद्धि, बेहतर जल और भूमि प्रबंधन और कम-कार्बन लॉजीस्टिक्स पर कार्य कर रहा है। हमारी नेट जीरो रणनीति और रोडमैप, हमारे संचालन के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए एक व्यवस्थित दिशा प्रदान करते हैं।

इस परिवर्तन के केंद्र में हमारे लोग हैं। सुरक्षा हमारी सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है, जो कौशल-विकास, नेतृत्व को बेहतर बनाने और डिजिटल क्षमताएँ बढ़ाने के माध्यम से मानव-पूंजी में विशेष रूप से निवेश कर रही है।

सीएसआर पहलों के माध्यम से एनएमडीसी स्वास्थ्य-देखभाल, शिक्षा, कौशल-विकास और सामुदायिक बुनियादी ढांचे में भी योगदान दे रहा है, विशेषकर हमारे प्रचालन के आस-पास के क्षेत्रों में।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस

कॉर्पोरेट गवर्नेंस एनएमडीसी की संगठनात्मक संस्कृति का मुख्य आधार है, जो हमारे काम-काज और निर्णय लेने के हर पहलू को मजबूती देता है। हम अपने सभी हितधारकों, जिनमें शेयरधारक, ग्राहक, आपूर्तिकर्ता, ऋणदाता, भारत सरकार, राज्य सरकारें, नियामक प्राधिकरण और वे समुदाय हैं, जिनकी हम सेवा करते हैं, उनके लिए स्थायी दीर्घकालिक मूल्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अखंडता और जवाबदेही के उच्चतम मानकों का पालन करते हुए, शब्दों और भावना दोनों में, हम लागू नियमों और विनियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। पारदर्शी शासन प्रथाओं, विवेकपूर्ण जोखिम प्रबंधन और जिम्मेदारी के साथ निर्णय लेने के माध्यम से, हम हितधारकों के विश्वास को मजबूत करते हैं और मूल्य- निर्माण को सुरक्षित रखते हैं।

भविष्य की राह

आने वाला वर्ष निष्पादन, समेकन और परिवर्तन का वर्ष होगा। हमारे उच्च उत्पादन आधार को स्थिर करना, 60 एमटी उत्पादन माइलस्टोन तक पहुंचना, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे वाली परियोजनाओं को पूरा करना और क्षमता-विस्तार के अगले चरणों को आगे बढ़ाना प्रमुख प्राथमिकताएं बनी रहेंगी।

100 एमटीपीए की ओर यात्रा के लिए परिचालन उत्कृष्टता, अनुशासित पूंजी आवंटन, मजबूत परियोजना निष्पादन, प्रौद्योगिकी अपनाने और सुरक्षा व स्थिरता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की आवश्यकता होगी। इसके साथ ही, एनएमडीसी भारत की विकसित हो रही खनिज-सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों में विविधीकरण के अवसरों का पता लगाना जारी रखेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि एनएमडीसी के पास आगे आने वाले अवसरों और चुनौतियों का सामना करने के लिए संसाधन, क्षमताएं और संस्थागत ताकत है। हम एक ऐसा उद्यम बना रहे हैं जो पैमाने में बड़ा, क्षमता में मजबूत, प्रौद्योगिकी के माध्यम से अधिक स्मार्ट और अपने कार्यों में अधिक जिम्मेदार है।

मैं भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय, खान मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अन्य सरकारी विभागों और राज्य सरकारों को उनके निरंतर मार्गदर्शन और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

मैं अपने कर्मचारियों और उनके यूनियनों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, साझेदारों, मेजबान समुदायों, नियामकों और शेयरधारकों को उनके निरंतर विश्वास और भरोसा जताने के लिए धन्यवाद देता हूं।

हम सभी मिलकर एनएमडीसी को विश्व-स्तर पर प्रतिस्पर्धी खनन उद्यम के रूप में विकसित करेंगे और एक मजबूत, अधिक आत्मनिर्भर और खनिज-सुरक्षित भविष्य की ओर भारत की यात्रा के केंद्र में बने रहेंगे।

जय हिन्द!

दिनांक : 28.09.2026
स्थान : हैदराबाद

अमिताभ मुखर्जी
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

एनएमडीसी
NMDC
जिम्मेवार खनन
वैज्ञानिक | सुस्थिर | खुशियां बिखेरते हुए

/nmdclimited | पंजीकृत कार्यालय : 10-3-311/ए, 'खनिज भवन', कैसल हिल्स, मासाब टैंक, हैदराबाद -500028 | वेबसाइट : www.nmdc.co.in | सीआईएन: L13100TG1958GOI001674
नोट : उपरोक्त कथन एनएमडीसी के 28.09.2026 को आयोजित 68वीं एजीएम की कार्यवाही का रिकॉर्ड होने का दावा नहीं करता है।

सुविचार

कोई मूर्ख व्यक्ति किसी विद्वान से उतना नहीं सीख सकता जितना बुद्धिमान व्यक्ति मूर्ख लोगों से सीख सकते हैं। - अज्ञात

आंदोलन के नाम पर अराजकता स्वीकार्य नहीं

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर पिछले तीन दिनों से कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन के सांसदों ने मोर्चा खोल रखा है। विपक्ष के इस आंदोलन के बाद अब कॉकरोच जनता पार्टी ने भी 10 अक्टूबर को जंतर मंतर पर बड़ा प्रदर्शन करने का एलान किया है। हालांकि नई दिल्ली में जंतर मंतर सहित कई क्षेत्रों पर धारा 163 लागू कर दी गई है। जिसके तहत वहां धरना प्रदर्शन प्रतिबंधित कर दिया गया है किन्तु सीजेपी धरना प्रदर्शन के निर्णय पर अडिग है। सीजेपी के नेता सौरभ दास ने कहा है कि हम जंतर मंतर पर प्रदर्शन जरूर करेंगे और इसके लिए हमें पुलिस से अनुमति लेने की कोई जरूरत नहीं है। यदि सीजेपी कार्यकर्ताओं को जंतर मंतर पर जाने से रोका गया तो वे पूरी दिल्ली को जंतर मंतर बना देंगे। सीजेपी को वापंथी छात्र संगठनों के अलावा किसान नेता राकेश टिकैत का भी समर्थन मिल गया है और कुछ संगठन उनके आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी भी सीजेपी के आंदोलन का समर्थन कर रही है। ऐसे में 10 अक्टूबर को नई दिल्ली में यह आंदोलन व्यापक रूप धारण कर सकता है। जिसके चलते अराजकता की स्थिति भी निर्मित हो सकती है। इसकी बड़ी वजह यह है कि सीजेपी ने पूर्व में जंतर मंतर पर नीट पेपरलीक मामले को लेकर तत्कालीन केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जो आंदोलन किया था वह अंतिम समय में अराजकता की भेंट चढ़ गया था उस समय पुलिस वालों पर अराजक तत्वों ने हमला भी किया था। यह बात अलग है कि सरकार ने पुलिस पर हुए हमले को लेकर दर्ज कराई गई सारी शिकायतें वापस ले ली थी और कोर्ट ने भी हमलावरों को बख्श दिया था। ऐसे में नई दिल्ली में सीजेपी के फिर से होने वाले आंदोलन में अराजकतत्वों की घुसपैठ हो सकती है और वे माहौल को खराब कर सकते हैं तथा एक बार फिर दिल्ली पुलिस को निशाना बना सकते हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में तीन दिनों तक हुए प्रदर्शन के दौरान ही यह देखा गया है कि प्रदर्शनकारियों के निशाने पर पुलिस ही थी। पुलिसकर्मियों को लात तक मारी गई थी और महिला पुलिस कर्मियों के साथ भी अभद्रता की सारी सीमायें लांघ दी गई थी। ऊपर से उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए पुलिस कर्मचारियों पर ही यह आरोप लगाया कि उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पिटाई की है जबकि दिल्ली पुलिस ने पूरा संयम बरता था और अपने अपमान के बावजूद उन्होंने कड़ी कार्रवाई नहीं की थी। यही नहीं बल्कि विपक्षी नेताओं ने पुलिस कर्मियों को खुलेआम यह धमकी भी दी थी कि उन सबके चेहरे याद रखे जाएंगे और उन्हें इसके लिए सबक सिखाया जाएगा। ऐसे में सीजेपी के आंदोलन के दौरान तो स्थिति और विस्फोटक होने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता। क्योंकि सीजेपी कार्यकर्ता कानून और व्यवस्था को पहले भी ठेंगा दिखा चुके हैं और इस बार भी वे किसी अप्रिय स्थिति को जन्म देने से पीछे नहीं हटेंगे। इस खतरे को पुलिस और सरकार ने भी भांप लिया है इसलिए सीजेपी को नई दिल्ली में आंदोलन की अनुमति नहीं दी गई है और उनके संभावित आंदोलन से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। नई दिल्ली में 23 हजार अर्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है और सभी पुलिस कर्मियों को बॉडी कैमरे से लैस किया गया है ताकि आंदोलनकारी उन पर झूठे आरोप न लगा सकें। इसके अलावा नई दिल्ली के 57 मेट्रो ट्रेनों को बंद कर दिया है और नई दिल्ली पहुंचने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा दिल्ली पहुंचने वाली बसों की भी जांच पड़ताल की जाएगी। जाहिर है इससे नई दिल्ली में न सिर्फ भारी ट्रैफिक जाम होगा बल्कि लाखों लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। गौरतलब है कि कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान भी हजारों कामकाजी लोगों की जाम की वजह से ट्रेनें छूट गई थी। 10 अक्टूबर को भी ऐसी ही स्थिति निर्मित हो सकती है। लोकतंत्र में विपक्षी पार्टियों को ही नहीं बल्कि हर नागरिक को अपनी जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने का अधिकार है। लेकिन ऐसा आंदोलन आराजक होना कतई स्वीकार्य नहीं है। दरअसल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडी गठबंधन और सीजेपी में प्रतिस्पर्धा चल रही है। सीजेपी ने पूर्व में आंदोलन कर धर्मेन्द्र को इस्तीफा देने के लिए बाध्य कर दिया था इसलिए इंडी गठबंधन चाहता है कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आंदोलन करके वह कॉकरोचों को क्रेडिट लेने से रोकें। 10 तारीख को इंडी गठबंधन भी आंदोलन कर सकता है। यदि ऐसा हुआ तो नई दिल्ली में कानून और व्यवस्था बनाये रखना दिल्ली पुलिस और सरकार के लिए एक बडी चुनौती होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि आंदोलनकारी दिल्ली में अराजकता फैलाने से बाज आएंगे क्योंकि दिल्ली पुलिस पूरी तैयारी में है। यदि आंदोलन के नाम पर गुंडागर्दी की गई तो पुलिस उन्हें इस बार जरूर सबक सिखाएगी। कोई बड़ी बात नहीं कि पुलिस की सहायता के लिए दिल्ली के बाशिंदे भी आगे हो जायें जो लगातार इस धरना प्रदर्शन से आजीज आ गये हैं।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1756 - ब्रिटिश गवर्नर जनरल रॉबर्ट क्लाइव ने कलकत्ता पर पुनः कब्जे के लिए मद्रास से कूच किया। 1846 - ब्रिटिश खगोलविद विलियम लासेल ने नेपच्यून के प्राकृतिक उपग्रह की खोज की। 1868 - क्यूबा ने स्पेन से स्वतंत्रता पाने के लिए विद्रोह किया। 1910 - वाराणसी में मदन मोहन मालवीय की अध्यक्षता में प्रथम अखिल भारतीय हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था। 1924 - शिकागो में स्थित लोयोला विश्वविद्यालय के लेक शोर परिसर में अल्फा डेल्टा गामा बिरादरी की स्थापना की गई। 1942 - सोवियत संघ ने आस्ट्रेलिया के साथ अपने राजनयिक संबंध की शुरुआत की। 1964 - टोकियो में हुए ग्रीष्मकालीन ओलंपिक का पहली बार दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण किया गया। 1970 - फिजी ने स्वतंत्रता हासिल की। 1971 - अमेरिका के एरिजोना के लेक हवासु शहर में लंदन ब्रिज को पुनर्निर्मित किया गया। इसे ब्रिटेन से ख़रीदकर तोड़कर अमेरिका लाया गया था। 1978 - रोहिणी खादिलकर राष्ट्रीय चेस प्रतियोगिता जीतने वाली प्रथम महिला बनी। 1986 - सैन सल्वाडोर में 7.5 तीव्रता वाले भूकंप में 1,500 लोगों की मौत। 1990 - अमेरिका का 67वां मानव अंतरिक्ष मिशन डिस्कवरी 11 अंतरिक्ष से लौटा। 1991 - भारत ने विश्व कैरम प्रतियोगिता का टीम खिताब जीता।

अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए न्याय और सुरक्षा को सुदृढ़ करना एक संवैधानिक गारंटी

रामदास अठावले

एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की नींव इस भरोसे पर टिकी होती है कि प्रत्येक नागरिक गरिमा, समानता और सुरक्षा के साथ जीवन यापन कर सके। अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के लिए यह प्रतिबद्धता मजबूत संवैधानिक सुरक्षा उपायों, प्रभावी कानूनों और उत्तरदायी संस्थाओं के माध्यम से ठोस रूप लेती है। इसलिए, भारत सरकार ने अत्याचारों की रोकथाम, पीड़ितों की सुरक्षा और समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए कानूनी और संस्थागत फ्रेमवर्क को लगातार मजबूत किया है। इस फ्रेमवर्क का आधार दो प्रमुख कानून हैं: नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 (PCR Act) और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (SC/ST (PoA) Act)। वर्षों से इन कानूनों को विधायी संशोधनों, बेहतर राहत और पुनर्वास प्रावधानों, विशेष न्यायिक तंत्रों, शिकायत-निवारण प्रणालियों तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता के जरिए सुदृढ़ किया गया है।

न्याय के लिए एक अधिक सशक्त कानूनी फ्रेमवर्क

जाति-आधारित अत्याचारों के प्रति संवेदनशील समुदायों की चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए एससी/एसटी (PoA) अधिनियम, 1989 में उल्लेखनीय विकास हुआ है। इस दिशा में एक बड़ा कदम 26 जनवरी 2016 से प्रभावी हुए संशोधनों के जरिए उठाया गया। इन संशोधनों में अपराधों की त्वरित सुनवाई के लिए अनन्य विशेष न्यायालयों (E&clusive Special Courts) की स्थापना और अनन्य विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति का प्रावधान किया गया। अधिनियम में कई नए प्रकार के अत्याचारों को भी शामिल किया गया, जिससे एससी और एसटी समुदायों को उपलब्ध कानूनी सुरक्षा का दायरा व्यापक हुआ। उतना ही महत्वपूर्ण पीड़ितों और गवाहों के अधिकारों से जुड़ा एक समर्पित अध्याय जोड़ना भी था। पीड़ितों, उनके आश्रितों और गवाहों के प्रति राज्य सरकारों की जिम्मेदारियों को और सुदृढ़ किया गया-यह स्वीकार करते हुए कि न्याय केवल मामले के पंजीकरण और मुकदमे की सुनवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें प्रभावित लोगों की सुरक्षा, गरिमा और पुनर्वास भी शामिल होना चाहिए।

इसके बाद, 14 अप्रैल 2016 को एससी/एसटी नियम, 1995 में संशोधन किए गए। इन संशोधनों ने राहत और पुनर्वास फ्रेमवर्क को मजबूत किया, अत्याचार के 47 अपराधों के लिए निर्धारित राहत राशि में वृद्धि की और पीड़ितों तथा उनके आश्रितों को समय पर वित्तीय सहायता के वितरण पर जोर दिया।

समय पर न्याय की उपलब्धता सुनिश्चित करना

20 अगस्त 2018 को एससी/एसटी (PoA) अधिनियम में किए गए संशोधन के माध्यम से और भी महत्वपूर्ण बदलाव पेश किए गए। इस संशोधन ने इस कानून के तहत मामलों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (स्नद्बक्र) दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया। इसके अलावा, अधिनियम के तहत अपराध के आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता को भी हटा दिया गया।

उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट था: प्रक्रियात्मक औपचारिकताएं एससी और एसटी के खिलाफ अत्याचार से जुड़े अपराधों के पंजीकरण, जांच और अभियोजन में बाधा नहीं बननी चाहिए। एससी/एसटी नियम, 1995 में 27 जून 2018 को भी संशोधन किया गया, जिसने मृत्यु, चोट, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, एसिड हमले, संपत्ति के नुकसान और कानून के दायरे में आने वाले अन्य अपराधों के मामलों में राहत प्रावधानों को और मजबूत किया। ये सुधार इस महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करते हैं कि कानून को केवल कागजों पर ही मजबूत नहीं होना चाहिए, बल्कि जब कोई पीड़ित सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाए, तब उसे सुलभ और संवेदनशील भी होना चाहिए।

त्वरित सुनवाई के लिए अनन्य विशेष न्यायालयों का सुदृढ़ीकरण

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, एससी/एसटी अधिनियम, 1989 के तहत अपराधों की सुनवाई के लिए 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 217 अनन्य विशेष न्यायालय स्थापित किए जा चुके हैं। यह अधिनियम संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से, उन जिलों में सत्र न्यायालयों को विशेष न्यायालय के रूप में नामित करने का भी प्रावधान करता है जहां मामलों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। अनन्य विशेष न्यायालयों की स्थापना और सुदृढ़ीकरण का उद्देश्य अधिनियम के तहत मामलों की त्वरित सुनवाई और प्रभावी निस्तारण को सुगम बनाना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि पीड़ितों की पहुंच विशेष न्यायिक तंत्र तक हो।

शिकायत निवारण को नागरिकों के निकट लाना

कानूनी सुरक्षा तभी सार्थक होती है जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और उचित सहायता प्राप्त कर सकें। इसे ध्यान में रखते हुए, 13 दिसंबर 2021 को एससी और एसटी पर अत्याचार के खिलाफ राष्ट्रीय हेल्पलाइन (NHAA) शुरू की गई, जिसे बाद में 'संबल' नाम दिया गया। टोल-फ्री नंबर 1800-202-1989 और शॉर्ट कोड हेल्पलाइन 14566 को एससी/एसटी अधिनियम के प्रावधानों के बारे में अधिक जागरूकता फैलाने और सूचना, मार्गदर्शन तथा शिकायत निवारण तंत्र तक पहुंच को आसान बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह अत्याचार से प्रभावित व्यक्तियों को अपने कानूनी अधिकारों और उपलब्ध उपायों को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम प्रदान करता है। जागरूकता और सुलभता को बढ़ाकर, यह हेल्पलाइन सुरक्षा और न्याय के व्यापक संस्थागत फ्रेमवर्क को मजबूती प्रदान करती है।

ज़मीनी स्तर पर कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाना

किसी भी कानून की प्रभावशीलता अंततः उसके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। इसलिए, सरकार ने हितधारकों तथा संबंधित मंत्रालयों और विभागों के साथ परामर्श के बाद पीसीआर अधिनियम, 1955 और एससी/एसटी (PoA) अधिनियम, 1989 के प्रभावी कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने के लिए योजना दिशानिर्देश जारी किए हैं।

ये दिशानिर्देश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सहायता प्रदान करने तथा रोकथाम, सुरक्षा, राहत, पुनर्वास और जागरूकता से संबंधित उपायों को मजबूत करने के लिए एक संरचित रूपरेखा तैयार करते हैं। सरकार ने कार्यान्वयन के दौरान सामने आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों का भी समाधान किया है। उदाहरण के लिए, एक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश से दूसरे में स्थानांतरित होने वाले पीड़ितों या आश्रितों को राहत प्रदान करने के लिए जिम्मेदार प्राधिकारी के संबंध में प्रश्न उठे थे।

नारी सशक्तिकरण का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ

भारत त्योहारों का देश है जहां हर पर्व का अपना एक विशेष महत्व और पौराणिक कथा होती है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पर्व है नवरात्रि । यह पर्व मां दुर्गा के नौ रूपों की उपासना और शक्ति आराधना का प्रतीक है। नवरात्रि मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है। जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातें। इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने - कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

वसन्त की शुरुआत और शरद ऋतु की शुरुआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फ्ल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

गांधी का टोपी और नाम बेचने वालों किसी भी आंदोलन या धरना-प्रदर्शन का एक धर्म और मर्यादा होता है जो गांधी के पूरे जीवन काल मे दिखता है जब असहयोग आंदोलन के समय 4फरवरी 1922 को चौरी-चौरा मे भीड हिंसक हुयी और थाने मे आग लगा दी तब गांधी ने बिना छड गवाये अपना आंदोलन वापस ले लिया था और रचनात्मक काम मे लग गये थे तत्कालीन कांग्रेस और नेताओ ने आंदोलन वापसी पर गांधी की आलोचना की थी ।
- एडवोकेट अरूण कुमार गुप्ता

? गौतम बुद्ध का शांत संदेश जिसने अपने मन को जीत लिया, उसे संसार में कोई नहीं हरा सकता। बुद्ध कहते हैं: क्रोध बुझाने से नहीं– समझने से खत्म होता है। दुख वही पाता है जो अतीत और भविष्य में उलझा रहता है। जो वर्तमान में जीता है, वही सच्ची शांति पाता है। मन को सरल बनाओ, जीवन अपने आप सहज हो जाएगा। आपका दिन मंगलमय हो। **- पितांबर श्रीवास्तव**

हर सुबह, एक नई आस, नया उजाला है प्रकृति ने क़रीने से हर कली,फूल को सँभाला हैआओ हम जीवन पथ पर, सत्कर्मों का ध्यान करें हर दिवस, नव ऊर्जा लिए,कर्तव्यों का निर्वाहन करें।।
- लक्ष्मी गौर थपलियाल

एक स्त्री, बच्चों के लिए सब कुछ होती है... जहाँ एक और शिक्षिका होती है वहीं दूसरी और अन्नपूर्णा भी होती है.... इन मासूम,अबोध बच्चों की सारी शिकायतें सुनने के बाद उनका समाधान करने वाली निर्णायक भी होती है और इनमें संस्कार का बीज डालने वाली एक ऐसी माली भी होती है जो आगामी समय में समाज को एक स्वस्थ व्यक्ति प्रदान कर सके... **- अल्का अग्रवाल**

अहंकार न स्नेह समझता है न ही सहनशीलता की मर्यादा रेखा की सीमा पहचानता है, न ही अपने दुर्व्यवहार के प्रति ग्लानि महसूस करता है। स्वयं को सर्वश्रेष्ठ स्थापित करने के लिए पुनः पुनः मिथ्या भाषण करके किसी को निम्न बताने से अपने थोथे अहम की तुष्टि करते रहने में ही जीवन की सार्थकता मान लेता है। श्रेष्ठ व्यक्ति इसे अनदेखा करके अपनी ऊर्जा और गरिमा बचाए रखते हैं। **- आरती तिवारी**

हर व्यवहार आजकल व्यापार है जी हाँ अब दुनिया,मीनाबाजार है बचपन से पचपन तक मीना बाजार कही भी लगा हो,दूर कई किलोमीटर से ये गाने की आवाज जरूर आती है क्यूंकि शीशा और दिल दिखते मजबूत है लेकिन टूटते जल्द है शुभ रात्रि।
- शत्रुंजय तिवारी

वो चुपके चुपके दिल पे, मेरे वार करता है। बेपनाह ये दिल फिर भी,उससे प्यार करता है।। पागल, दीवाना वो ,आशिक आवारा है। हर एक कली से देखो,इकरार करता है।। आँखों का बरसना कभी, इस दिल का तड़पना। दिल तोड़ना उसको, फक़त व्यापार लगता है।। नादान हैं फिर भी हम, उसी पे मरते हैं। दिल तोड़कर फिर भी, वो यार चलता है।। जाने है क्या ऐसा "ग़ज़ल" उसकी अदाओं में। पाने को एक झलक ,दिल बेकरार रहता है।।
- डॉ सविता वर्मा 'ग़ज़ल'

राशिफल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन आप अपने पराक्रम से लाभ कमाएंगे। आज जहां से कोई उम्मीद नही रहेगी वहां से भी कुछ ना कुछ प्राप्त कर लेंगे। कार्य क्षेत्र का वातावरण अस्त व्यस्त रहेगा सांझेदारो से अनबन होने की संभावना है।
वृष: आज के दिन आप अपनी विद्या बुद्धि से असम्भव को संभव करने में सफल रहेंगे आज जिस कार्य को करने के लिये सभी मना करेंगे आपको वही करने में आनंद आएगा।
मिथुन: आज का दिन मिलाजुला फल देगा आज भी दिन के आरंभ में घर मे पुराने विवाद के कारण परिजनों से मतभेद उभरेंगे लेकिन बीते कल की तुलना में आज धर्य रहने से इससे बचने का प्रयास करेंगे।
कर्क: आज का दिन आपके लिये लाभदायक रहने वाला है दिन के आरंभ में घर मे किसी से व्यर्थ की बात पर उलझेंगे लेकिन मध्यान के बाद स्वभाव में गंभीरता आएगी।
सिंह: आज के दिन आपका ध्यान एक साथ दो कार्यो से लाभ उठाने पर रहेगा धन की आमद तो आज अवश्य ही होगी लेकिन एक समय मे एक ही कार्य हाथ लेने से दुविधा में पड़ने से बचेंगे।
कन्या: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा आज आपकी मानसिकता सुखोपभोग की वस्तुओं के संग्रह की रहेगी इसपर खर्च भी करेंगे लेकिन भविष्य को ध्यान में रखकर ही चले।
तुला: आज का दिन भी विपरीत फलदायक बना है लेकिन आज कल की तुलना में कुछ राहत भी मिलेगी। दिन के पूर्वार्ध से ही किसी विशेष कार्य को लेकर चिंतित रहेंग।
वृश्चिक: आज के दिन आप अपने बुद्धि चातुर्य से हर जगह सम्मान पाएंगे मेहनत भी आज अन्य दिनों की तुलना में अधिक करनी पड़ेगी।
धनु: आज के दिन आपको अनुकूल फल मिलेंगे आपका ध्यान भविष्य को सुरक्षित बनाने पर रहेगा। आर्थिक कार्यो में रुचि अधिक रहेगी मन मे धन संबंधित तिकडम लगी रहेगी।
मकर: आज के दिन आप किसी मुसीबत से बचने के लिये धर्म का सहारा लेंगे मन मे आध्यात्मिक भाव रहेंगे लेकिन स्वार्थ सिद्धि मात्र ही।
कुंभ: आज का दिन प्रतिकूल रहेगा पूर्व में बरती लापरवाही के कारण सेहत में विकार आने से प्रातः काल से ही अनमने से रहेंगे कार्य करने का मन करेगा लेकिन उत्साह की कमी हर कार्य मे विलंब कराएगी।
मीन: आज का दिन शुभफलदायक रहेगा घर मे माता अथवा अन्य स्त्री से संबंधों में कटुता आएगी।

QUIZ TIME

1. हाथी को रेल पटरियों से दूर रखने के लिए किसके द्वारा प्लान बी तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है?
2. हाल ही में लॉन्च किया गया सूर्य भारत का पहला स्वदेशी रूप से निर्मित फ्लीट सपोर्ट शिप, मुख्य रूप से किसके लिए इस्तेमाल किया जाता हे?
3. मार्च 2023 में जन्मी, भारत की प्रथम क्लोनित गाय गंगा किस नस्ल की है?
4. महिलाओं में यौवनारंभ के दौरान पहला मासिक धर्म के रूप में जाना जाता है?
5. सूर्या कृष्णमूर्ति का हाल ही में देहांत हो गया, वह क्या थे?

उत्तरमाला-
(1) पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (2) समुद्र में सामान की आपूर्ति करना (3) गिर (4) रजोदर्शन (5) वैज्ञानिक

RamaQuiz

पहेली

शब्द सामर्थ्य -185

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे
1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

1		■	2	■	3		4	■
	■	5				■	6	
7	8		■	■	9		■	■
■	10		■	■	■	■	11	■
12		■	13	■	14			■
	■	15		16		■	17	18
	■		■	19		20	■	
21	22		23		■		■	
■	24			■	25			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 184 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

नवपदस्थ एसडीएम पीयूष तिवारी की पहल: कुरूद में सामाजिक संगठनों के साथ समन्वय बैठक

जन प्रयास पोर्टल पर बना रोडमैप

कुरूद/नवप्रदेश। प्रशासन और सामाजिक संगठनों के बीच समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत कुरूद के सभागार में बैठक हुई। नवपदस्थ एसडीएम (राजस्व) पीयूष तिवारी ने सामाजिक संगठनों और जन प्रयास से जुड़े प्रतिनिधियों से परिचय लिया और उनके कार्यों की जानकारी ली। बैठक में सामाजिक प्रयासों को एक साझा मंच से जोड़ने और जन प्रयास पोर्टल के क्रियान्वयन की कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

एसडीएम तिवारी ने कहा कि जनहित के कार्यों में प्रशासन और समाज की सहभागिता महत्वपूर्ण है। संगठनों और स्वयंसेवकों को एक नेटवर्क से जोड़कर उनके अनुभव, संसाधन और क्षमताओं का बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

बैठक के प्रमुख बिंदु

:संगठित नेटवर्क: सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों का सामूहिक नेटवर्क बनाया जाएगा, जिसमें आपसी सहयोग, अनुभव साझा करना, समस्या समाधान तथा कला और सामाजिक गतिविधियों में संयुक्त भागीदारी शामिल होगी।

जन प्रयास पोर्टल: जिला प्रशासन द्वारा विकसित इस पोर्टल पर स्वयंसेवक अपनी रुचि के अनुसार पंजीकरण कर सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़ सकेंगे।

एकीकृत पंजीकरण: आगामी कार्यक्रमों की जानकारी, पंजीकरण और आवश्यक सूचनाएं एक ही मंच पर मिलेंगी। आईटी टीम पर निर्भरता घटाने के लिए स्वचालित पोस्टर निर्माण जैसी सुविधा पर भी बात हुई।

प्रोत्साहन व्यवस्था: स्वयंसेवकों के लिए डिजिटल प्रमाण-पत्र और पहचान-पत्र प्रस्तावित हैं। कार्यों के आधार पर पॉइंट सिस्टम से मूल्यांकन और स्तर तय करने की योजना है, साथ ही उल्लेखनीय योगदान देने वालों को सम्मानित करने का प्रस्ताव है।

स्थायी डिजिटल रिकॉर्ड: सामाजिक गतिविधियों का केंद्रीकृत और पारदर्शी डेटा सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि अधिकारियों के स्थानांतरण के बाद भी पूर्व के कार्यों की जानकारी उपलब्ध रहे। पोर्टल के निरंतर संचालन और डेटा अपडेट में स्थानीय संस्थाओं की भागीदारी पर भी चर्चा हुई।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में वंदे मातरम परिवार के अध्यक्ष भानु चंद्राकर, राइस एसोसिएशन के संरक्षक अनिल चंद्राकर, राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष हितेंद्र केला, शांति समिति के अध्यक्ष राहुल महावर, हनुमान समिति के मालक राम साहू, गोकुल राम साहू, मोहन साहू, रिजवान रिजवी, प्रकाश धीवर और संतोष साहू सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए। कुरूद प्रेस क्लब अध्यक्ष मूलचंद सिन्हा, जनपद पंचायत सीईओ अमित सेन और नगर पालिका अधिकारी महेंद्र गुप्ता सहित अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

महासमुंद संसदीय क्षेत्र में 5 नए महतारी सदनों को मंजूरी

महासमुंद, गरियाबंद और धमतरी के 4 विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में 1.50 करोड़ रुपए से होगा निर्माण

महासमुंद/नवप्रदेश। संसदीय क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए 5 नए 'महतारी सदनों' के निर्माण को वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। छत्तीसगढ़ शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की महतारी सदन योजना के तहत महासमुंद, गरियाबंद और धमतरी जिले के 4 विकासखंडों की 5 ग्राम पंचायतों के लिए कुल 1.50 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है।

जिले के पिथौरा विखं की ग्रापं कौहाकुड़ा और बसना विकासखंड की ग्राम पंचायत सागरपाली में 30-30 लाख रुपए की लागत से महतारी सदन बनाए जाएंगे। वहीं गरियाबंद जिले के देवभोग विकासखंड की ग्राम पंचायत झाखरपारा में 30 लाख रुपए की लागत से निर्माण होगा। धमतरी जिले के धमतरी विकासखंड की ग्राम पंचायत रुद्री और सांकरा में भी 30-30 लाख रुपए की लागत से महतारी सदन स्वीकृत किए गए हैं।

इन सभी निर्माण कार्यों के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों को ही कार्य एजेंसी बनाया गया है। निर्माण निर्धारित प्राक्कलन के अनुसार कराया जाएगा। तकनीकी अधिकारियों को निर्माण कार्य के मार्गदर्शन, अनुश्रवण और मूल्यांकन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के साथ महतारी सदनों की स्थापना से ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के लिए बेहतर अवसर मिलेंगे। स्वीकृति पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों और ग्रामीणों ने सांसद रूपकुमारी चौधरी एवं राज्य सरकार के प्रति आभार जताया है।

महिला समूहों को मिलेगा स्थायी परिसर

सांसद एवं भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और संगठनात्मक विकास के लिए उपयोगी केंद्र बनेंगे। यहां स्व-सहायता समूहों की बैठक, प्रशिक्षण और आजीविका संबंधी गतिविधियों के लिए स्थायी परिसर उपलब्ध होगा। साथ ही महिला जागरूकता कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों के संचालन में भी सुविधा मिलेगी।

धमधा-खैरागढ़ मुख्य मार्ग परसबोड़ चौक की घटना, एक छात्रा घायल

नशे में स्कूल वाहन चलाने का आरोप यात्री प्रतीक्षालय से टकराई गाड़ी

■ शराब दुकान के पास,स्कूल वाहनों पर बच्चों की आवाजाही की सुरक्षा पर उठे सवाल

धमधा/नवप्रदेश। धमधा-खैरागढ़ मुख्य मार्ग परसबोड़ चौक के पास बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब स्कूली बच्चों से भरी एक वाहन यात्री प्रतीक्षालय से जा टकराई। हादसे में छात्रा नेहा साहू के घायल होने की जानकारी सामने आई है, जिसका तत्काल उपचार के लिए धमधा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ रचना अग्रवाल के निर्देश में सभी बच्चों के स्वास्थ्य का जायजा लिया गया । जबकि वाहन में सवार अन्य बच्चे सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

स्कूल वाहनों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

स्थानीय लोगों के अनुसार यह क्षेत्र में स्कूल वाहनों से जुड़ी पहली दुर्घटना नहीं है। इससे पहले भी स्वामी आत्मानंद स्कूल, धमधा से बच्चों को लाने-ले जाने वाले वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल के आसपास शराब दुकान होने के कारण भी क्षेत्र में आए दिन विवाद और सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति बनी रहती है।

मिली जानकारी के अनुसार वाहन क्रमांक छ्त्त 04 ।।क्क7637 स्वामी आत्मानंद स्कूल, धमधा के बच्चों को लेकर जा रहा था। आरोप है कि वाहन चालक संतानु यादव निवासी धरमपुरा पूर्णरूप से नशे की हालत में वाहन चला रहा था। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर परसबोड़ चौक स्थित यात्री प्रतीक्षालय में जा घुसा। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायल छात्रा को उपचार के लिए ले जाया गया।

ठेलका चौक से धमधा तक मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहनों के कारण दुर्घटनाओं की घटनाएं होने की बात भी स्थानीय लोगों ने कही है। लोगों ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल वाहनों की नियमित जांच, चालकों की मेडिकल जांच तथा शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

घटना को लेकर पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि दुर्घटना के वास्तविक कारण क्या थे और चालक की स्थिति क्या थी। वही थाना धमधा प्रभारी महेश कुमार ध्रुव तत्काल मामले में संज्ञान लेते हुए वहां चालक की खोज चालू कर दी है।

बेलसोंडा में बंदर का आतंक छह दिन में नौ लोगों पर हमला

जनपद उपाध्यक्ष ने कलेक्टर और वन विभाग से तत्काल रेस्क्यू की मांग की

महासमुंद/नवप्रदेश। बेलसोंडा के स्टेशन पारा में एक आक्रामक नर बंदर का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले छह दिनों में बंदर नौ लोगों पर हमला कर चुका है। लगातार हो रहे हमलों के बावजूद बंदर को पकड़ने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में भय और नाराजगी है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती हुलसी चंद्राकर ने कलेक्टर विनय कुमार लंगेह और वन विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, बंदर ने महादेव ध्रुव, प्रभात धीवर, नंदलाल निषाद सहित कई लोगों को अपना निशाना बनाया है। रात में इलाज के लिए पहुंचे लोगों और सामान पहुंचाने आए दो व्यक्तियों पर भी बंदर ने हमला किया। बुधवार को वाहन पर चढ़कर बंदर ने जामवंत राव पर हमला कर दिया, जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, सुनील यादव के घर के पास काम कर रहा एक श्रमिक भी बंदर के हमले में घायल हुआ।

स्कूल-आंगनबाड़ी जाने से डर रहे बच्चे

स्टेशन पारा में प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित हैं। बंदर के आतंक के कारण अभिभावक बच्चों को स्कूल और आंगनबाड़ी भेजने से डर रहे हैं। सुरक्षा को देखते हुए आंगनबाड़ी केंद्र पिछले चार दिनों से बंद है। इससे बच्चों की पढ़ाई के साथ नियमित गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं।

चंद्राकर ने कहा कि बंदर को केवल भगाना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उसे सुरक्षित तरीके से पकड़कर उपयुक्त स्थान पर पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने प्रशासन और वन विभाग से तत्काल रेस्क्यू टीम भेजने की मांग करते हुए कहा कि लगातार हो रहे हमलों के बीच किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए। ग्रामीणों और बच्चों की सुरक्षा के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाना आवश्यक है।

खंडहर मकान में चला रहा था महुआ शराब की भट्ठी, 75 लीटर शराब जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना पुलिस ने अवैध शराब निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से करीब 75 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब बरामद की है। पुलिस ने शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भी जब्त की है। जब्त शराब की कीमत करीब 15 हजार रुपए बताई गई है।

पुलिस के अनुसार 7 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि वार्ड क्रमांक 12 निवासी संजय चतुर्वेदी (36) अपने घर के सामने स्थित खंडहर मकान में अवैध रूप से महुआ शराब का निर्माण कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदेही से पूछताछ की। तलाशी के दौरान ड्रम में भरी करीब 75 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब, शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली दो एल्युमीनियम गंजी और एक नीला खाली प्लास्टिक ड्रम बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पिथौरा में भी 6 लीटर महुआ शराब जब्तः इसी तरह पिथौरा पुलिस ने लाखागढ़ बस्ती स्थित दुर्गा मंदिर के पास रहने वाले रवि शंकर प्रजापति के घर से 6 लीटर महुआ शराब बरामद की। जब्त शराब की कीमत करीब 1,200 रुपए बताई गई है। आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

हरनादादर में 10 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। बागबाहरा पुलिस ने ग्राम हरनादादर में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के कब्जे से 10 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की है। जब्त शराब की कीमत करीब 2 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार ग्राम हरनादादर निवासी सिंह टोंडेकर (35) के घर की बाड़ी में शराब रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर तलाशी ली, जहां से कुल 10 लीटर देशी महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब जब्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

नदी किनारे चल रहा था खड़खड़िया जुआ, पुलिस की छापामार कार्रवाई

तीन गिरफ्तार, 5100 रुपए नकद समेत 1.35 लाख की सामग्री और वाहन जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। सांकरा पुलिस ने ग्राम अंसुला में नदी किनारे संचालित खड़खड़िया जुआ अड्डे पर छापामार कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से जुआ खेलने की सामग्री, 5,100 रुपए नकद, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और छह मोटरसाइकिल जब्त की हैं। जब्त सामान और वाहनों की कुल कीमत करीब 1 लाख 35 हजार 100 रुपए बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, 8 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम अंसुला में नदी किनारे कुछ लोग खड़खड़िया जुआ खिला रहे हैं। सूचना मिलते ही सांकरा पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और छापामार कार्रवाई की। पुलिस को देखकर कुछ लोग मौके से भाग निकले, जबकि जुआ खिलाने के आरोप में तीन लोगों को पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ग्राम गबौद निवासी चिंतामणि साहू (35), बल्दीडीह निवासी खेमराज डड़सेना (26) और अंसुला निवासी मयंक साहू (30) के रूप में हुई है।

जुआ सामग्री और छह बाइक जब्त

पुलिस ने मौके से एक पर्दा, छह गोटियां, बांस की एक टोकरी, एक चटाई और 5,100 रुपए नकद बरामद किए। इसके अलावा दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और छह मोटरसाइकिल भी जब्त की गईं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 की धारा 6(क) के तहत कार्रवाई की है।

शासकीय नेहरू महाविद्यालय में दीक्षारम्भ समारोह आयोजित

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को दिया उज्ज्वल भविष्य का संदेश

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। शासकीय नेहरू महाविद्यालय में आयोजित दीक्षारम्भ समारोह में भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष सौमित्र सोनी शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और जीवन में शिक्षा, अनुशासन, संस्कार तथा निरंतर परिश्रम के महत्व पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

समारोह में विद्यार्थियों के महाविद्यालयीन जीवन की नई शुरुआत को लेकर उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास करने, नई जानकारियां प्राप्त करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया गया। महाविद्यालय में प्रवेश विद्यार्थियों के जीवन का एक

महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहां से उनके ज्ञान, अनुभव और भविष्य की दिशा निर्धारित होने लगती है।

कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सुनील जैन, नगर पालिका सभापति एवं जनभागीदारी समिति के सदस्य सुमित ताम्रकार, मनीष सोनी, उपकार साहू, अविनाश टेंबुरकर, विधायक प्रतिनिधि कृष्ण गुप्ता तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप जाम्बुलकर सहित महाविद्यालय परिवार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

दीक्षारम्भ समारोह का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना और उन्हें अध्ययन के प्रति प्रेरित करना है। महाविद्यालयीन जीवन विद्यार्थियों के लिए केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि अपने भीतर आत्मविश्वास, जिम्मेदारी, अनुशासन और सामाजिक चेतना विकसित करने का भी महत्वपूर्ण अवसर होता है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए संदेश दिया गया कि वे शिक्षा को अपने जीवन का आधार बनाएं और अपनी प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग समाज तथा राष्ट्र के विकास में करें। नियमित अध्ययन, शिक्षकों के मार्गदर्शन का पालन और लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास विद्यार्थियों को सफलता की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दीक्षारम्भ समारोह ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालयीन जीवन की नई यात्रा का शुभारंभ किया।

सिमगा थाने में शांति समिति की बैठक, एसडीएम और पुलिस अधिकारियों ने पार्किंग, यातायात व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

दामाखेड़ा-खंडवा मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, हुड़दंगियों पर रहेगी पैनी नजर

सिमगा/नवप्रदेश। सिमगा अनुविभागी अधिकारी अतुल सेठे एसडीएम, सीएमओ, शशिभूषण श्रीवास्तव,थाना प्रभारी, परिवेश तिवारी,जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सुरक्षा व शांति व्यवस्था हेतु बनी रणनीति।

दामाखेड़ा एवं खंडवा मेला में उमड़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने आमजनों से की शांति, सौहार्द एवं आपसी समन्वय के साथ त्यौहार मनाने की अपील

पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार- भाटापारा गौरव राय (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन, में जिले में आगामी त्यौहारों को सुरक्षित व शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज दिनांक 08.10.2026 को थाना सिमगा परिसर में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिकः- बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों के रूप में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व/एसडीएम) सिमगा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी/सीएमओ नगरपालिका सिमगा एवं थाना प्रभारी सिमगा मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही क्षेत्र के 20 ग्रामों के सरपंचगण, सिमगा के सम्मानित गणमान्य नागरिक, पत्रकार बंधु तथा दामाखेड़ा एवं खंडवा के सामाजिक प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बैठक के प्रमुख बिंदु एवं जारी निर्देश/अपील

दामाखेड़ा एवं खंडवा मेला हेतु विशेष सुरक्षा प्रबंधः दशहरा के पावन अवसर पर ग्राम दामाखेड़ा एवं खंडवा में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध मेला कार्यक्रमों में जुटने वाली विशाल जनसभा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, सुगम यातायात, बैरिकेडिंग एवं पार्किंग के पुख्ता इंतजाम करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

पंडालों में सुरक्षा एवं सीसीटीवी कैमरेः क्षेत्र की समस्त दुर्गा पूजा एवं गरबा समितियों को निर्देश दिए गए कि वे पंडालों में श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा हेतु पर्याप्त संख्या में वॉलंटियर्स तैनात करें तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगवाएं। ध्वनि विस्तारक यंत्रों एवं समय सीमा का पालनः- माननीय उच्चतम न्यायालय एवं शासन के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए निर्धारित समय एवं ध्वनि सीमा के भीतर ही लाउडस्पीकर का उपयोग करने हेतु निर्देशित किया गया।

साफ-सफाई व मूलभूत सुविधाएंः नगरपालिका एवं स्थानीय निकायों को मेला स्थलों व मुख्य मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश (लाइटिंग), पेयजल तथा साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा गया।असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर व आपसी समन्वयः पर्व के दौरान शांति भंग करने वाले, शराब पीकर हुड़दंग करने वाले या अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई। पुलिस ने ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक के अंत में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक प्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने पुलिस-प्रशासन को आगामी सभी त्यौहारों एवं मेला आयोजनों को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने हेतु पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

नूतन इस्पात के विस्तारीकरण की जनसुनवाई ने बढ़ाई ग्रामीणों की चिंता

■ उरला-सिलतरा जैसे हालात की आहट से जरोदा में दहशत

धरसीवा/नवप्रदेश। धरसीवा विधानसभा के ग्राम जरौदा में प्रस्तावित मेसर्स नूतन इस्पात एंड पॉवर प्रा. लि. के बड़े विस्तार की लोक सुनवाई की तारीख जैसे ही घोषित हुई है, ग्रामीणों की चिंता कई गुना बढ़ गई है।

कलेक्टर कार्यालय रायपुर द्वारा 09 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11 बजे से जरौदा में जनसुनवाई तय की गई है। इस प्लांट में स्पंज आयरन का उत्पादन फर्नेस क्षमता कई गुना बढ़ाने का प्रस्ताव है। साथ ही पावर प्लांट और रोलिंग मिल का भी बड़ा विस्तार होगा।

ग्रामीणों का कहना है - पहले से ही परेशान हैं: धरसीवां विधानसभा के ,जरौदा रायखेड़ा सिलतरा कन्हरा के किसान और ग्रामीण मौजूदा प्लांटों के भारी प्रदूषण से ही पहले से परेशान है गांव में राख, धुएं और भारी वाहनों की धूल से जीना मुश्किल हो गया है। खेतों में काली राख की परत जम जाती है, फसल उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

सांस, आंखों में जलन और चर्म रोग की शिकायतें बढ़ती जा रही हैं।

भूजल नीचे जा रहा है और दूषित होता जा रहा है।

उरला से लगा कन्हरा गांव इसका जीता जागता उदाहरण है जहां उद्योगों के बाद से हालात इतने बदतर हो गए कि ग्रामीण केमिकल युक्त पानी आने से पेयजल को तरसने लगे उन्हें पड़ोसी गांव कुम्हारी से पेयजल की आपूर्ति होती है

दिन-रात चलने वाले हैवी ट्रकों से सड़कें भी अल्प समय में जर्जर होती रहती हैं और धूल प्रदूषण से पूरा गांव परेशान रहता है।

सिमगा में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, मुख्य निर्वाचन आयुक्त का फूंका पुतला

सिमगा/नवप्रदेश। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे एवं नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित 'वोट बचाओ, देश बचाओ' आंदोलन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ कथित बलपूर्वक कार्रवाई और लाठीचार्ज के विरोध में सिमगा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा काला दिवस के रूप में विरोध प्रदर्शन किया गया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सिमगा में रैली निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन भी किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की मांग करते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।

इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता तहसीलदार कार्यालय की ओर ज्ञापन सौंपने के लिए आगे बढ़े, लेकिन पुलिस द्वारा रास्ते में बैरिकेड लगाकर उन्हें बलपूर्वक रोकने का प्रयास किया गया। इससे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कुछ देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। बाद में कांग्रेस नेताओं ने सिमगा तहसीलदार अनुराग भट्ट को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुनील माहेश्वरी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता के वोट का सम्मान सर्वोपरि है। यदि चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो सरकार और निर्वाचन आयोग को पारदर्शिता के साथ जनता के सामने जवाब देना चाहिए। कांग्रेस लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई लगातार जारी रखेगी।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू भाटिया, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रमेश धृतलहरे, वरिष्ठ नेता कुबेर यदु, पूर्व पालिका अध्यक्ष भागवत सोनकर, महंत जगमोहन मार्कण्डेय,पूर्व जनपद उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल,पूर्व पार्षद सुनीता यादव, मो अय्यूब खान, मंडल अध्यक्ष अशोक देवांगन, भिखारी गहरे, श्याम लाल देवांगन, पार्षद परदेसी सोनकर, पूर्व पार्षद राहुल शर्मा, कान्हा यदु, विष्णु कोसले, अजीत भट्ट, विक्की मानिकपुरी, यश शर्मा, दौलत बंजारे,सोनू भोसले, कृष्णा कुंजाम,हिम्मत शर्मा, हेमदास कोसले, ढेलू साहू , लाला वर्मा, हितेश साहू,लल्लू पाटकर, पप्पू राजपूत, जिनेन्द्र भारती,तुले साहू, मोहन यदु,दाऊ यदु, योगेश खंडेलवाल, नागेश साहू, रूपेश साहू,तुमेश कोसले, नरेंद्र सोनवानी अधिक संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट के विरोध में युकां ने निकाला लालटेन मार्च

अंधेरे में शहर, सड़क पर बैठी गायें और बढ़ती दुर्घटनाओं को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

डोंगरगांव/नवप्रदेश। शहर के मुख्य मार्ग पर करीब दो माह पहले लगाए गए विद्युत खंभों की लाइट अब तक चालू नहीं होने के विरोध में गुरुवार को युवा कांग्रेस ने लालटेन मार्च निकालकर नगर प्रशासन और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

मार्च कांग्रेस भवन से शुरू होकर राजीव गांधी चौक और फव्वारा चौक होते हुए वापस कांग्रेस भवन पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका प्रशासन, पीडब्ल्यूडी और भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए। युवा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मुख्य मार्ग पर अंधेरा रहने और सड़क पर मवेशियों के बैठे होने से वाहन चालकों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है। लाखों रुपये खर्च कर लगाए गए बिजली के खंभे शोपीस बनकर रह गए हैं, जबकि शहरवासी अब भी रोशनी का इंतजार कर रहे हैं।

टिकेश साहू ने प्रशासन पर उठाए सवाल : ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष टिकेश साहू ने कहा कि मुख्य मार्ग पर दो माह से खंभे लगे हैं, लेकिन लाइट चालू नहीं हुई।

टीबी मुक्त घोषित ग्राम पंचायत सकरी को कलेक्टर ने किया सम्मानित

कोलिहा (लवन)/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बलौदा बाजार के ग्राम पंचायत सकरी को भारत सरकार द्वारा टीबी मुक्त घोषित होने पर जिला प्रशासन ने सम्मानित किया है। कलेक्टर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर कुलदीप शर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल उपाध्यक्ष पवन कुमार साहू जिला सीओ सु दिव्या अग्रवाल जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक वर्मा ने सकरी के सचिव हरिकिशन वर्मा को प्रशस्ति पत्र और महात्मा गांधी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया।

दरअसल भारत सरकार के टीबी मुक्त पंचायत अभियान के तहत वर्ष 2025 के लिए सकरी पंचायत ने सभी मानकों को पूरा किया है। जिला चिकित्सालय बलौदा बाजार के सिविल सर्जन डॉ अशोक वर्माने बताया कि टीबी मुक्त पंचायत घोषित होने के लिए 6 पैरामीटर जरूरी होते हैं - 1000 की आबादी पर 30 से अधिक जांच, 1000 पर 1 से कम मरीज, 85त्न से अधिक ट्रीटमेंट सक्सेस रेट, 60त्न से अधिक छ्रस्ञ्ज टेस्ट, शत-प्रतिशत मरीजों को निक्षय पोषण योजना का लाभ और निक्षय मित्रों द्वारा पोषण किट का वितरण। सकरी ने इन सभी में बेहतर प्रदर्शन किया।

पिछले एक साल में सकरी में स्वास्थ्य विभाग और पंचायत की संयुक्त टीम ने घर-घर जाकर 2 हजार से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की। संदिग्धों के सैंपल लेकर जांच की गई और चिन्हित 4 मरीजों का पूरा इलाज कराकर स्वस्थ किया गया। पंचायत में निक्षय मित्र बने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मरीजों को हर माह पोषण किट, फल और दवाइयों के लिए सहयोग दिया। कलेक्टर ने कहा कि यह उपलब्धि सरपंच, सचिव हरिकिशन वर्मा सहित पूरी टीम, मितानिन, सीएचओ और ग्रामवासियों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। सकरी की यह सफलता जिले की अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा है।

नायब तहसीलदार के पत्र में क्रेता का नाम नहीं होने से उलझा मामला, पुलिस ने मांगा स्पष्ट प्रतिवेदन और अभिमत

आदिवासी सेवा भूमि के कथित फर्जीवाड़े में किसे बचाया जा रहा? कार्रवाई ठप, उठे सवाल

नायब तहसीलदार लवण मंडन की भूमिका पर उठे सवाल

नवापारा-राजिम/नवप्रदेश। नवापारा से लगे ग्राम कुर्रा की आदिवासी सेवा भूमि के कथित फर्जी हस्तांतरण और खरीद-बिक्री का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई और पुलिस की भूमिका तक पहुंच गया है। अभनपुर एसडीएम की जांच में भूमि हस्तांतरण से संबंधित गंभीर कमियां और विसंगतियां सामने आने के बाद संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की अनुशंसा की गई। इसके बावजूद अब तक मामला कार्रवाई के बजाय पत्राचार में उलझा हुआ है।

मामले में नया मोड़ तब आया, जब 18 सितंबर 2026 को नायब तहसीलदार कार्यालय की ओर से थाना प्रभारी गोबरा नवापारा को भेजे गए पत्र क्रमांक 275/तह./वाचक-1/2026 में विवादित भूमि का खसरा नंबर और रकबा तो दर्ज किया गया, लेकिन क्रेता का नाम स्पष्ट नहीं किया गया। इसके बाद पुलिस ने तहसील कार्यालय से स्पष्ट जांच प्रतिवेदन और अभिमत मांगा कि आखिर एफआईआर किन व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज की जानी है।

इस घटनाक्रम ने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि जांच में भूमि हस्तांतरण को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं और एफआईआर की अनुशंसा भी की गई है, तो संबंधित व्यक्तियों की पहचान स्पष्ट करते हुए पुलिस को आवश्यक जानकारी क्यों नहीं दी गई? क्या अधूरी जानकारी के कारण कार्रवाई में देरी हो रही है या इसके पीछे कोई अन्य वजह है? फिलहाल इन सवालों के जवाब सामने आना बाकी है।

अधूरे पत्र से पुलिस के सामने असमंजस

राजस्व विभाग से मिले आवेदन और दस्तावेजों के परीक्षण के बाद पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज करने के लिए संबंधित व्यक्तियों की भूमिका स्पष्ट करने की जरूरत जताई। पुलिस के अनुसार, प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए यह जानना जरूरी है कि कथित भूमि हस्तांतरण में किन व्यक्तियों की भूमिका सामने आई है और किसके विरुद्ध कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

उच्च अधिकारियों और 'माननीय' के कहने पर नाम हटाने का दावा : इस संबंध में जब संवाददाता ने नायब तहसीलदार लवण मंडन से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया, तो उनके हवाले से यह बात सामने आई कि उच्च अधिकारियों और क्षेत्र के एक 'माननीय' के कहने पर क्रेता का नाम विलोपित किया गया।

विक्रेताओं के बयान और दस्तावेजों को लेकर भी सवाल

विक्रेताओं ने संवाददाता को बताया कि उन्होंने क्रेता को पहले ही जानकारी दे दी थी कि वे आदिवासी वर्ग से संबंधित हैं। उनके अनुसार, क्रेता ने पूरी जिम्मेदारी स्वयं लेने की बात कही थी। विक्रेताओं का यह भी दावा है कि उन्होंने आदिवासी होने संबंधी नोटरी शपथपत्र प्रस्तुत किया था, लेकिन बाद में तहसील कार्यालय के अभिलेखों में उक्त शपथपत्र नहीं मिला। विक्रेताओं ने अपने पास उपलब्ध शपथपत्र की प्रति संवाददाता को भी उपलब्ध कराई है।

करोड़ों की बताई जा रही जमीन, इसलिए मामला गंभीर

ग्राम कुर्रा की विवादित भूमि की वर्तमान कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट स्थित होने के कारण भी इस जमीन का महत्व बढ़ जाता है।

राजनीतिक दबाव के आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

विवादित भूमि के क्रेता का परिवार सत्ताधारी दल से जुड़ा बताया जा रहा है। परिवार का एक सदस्य वर्तमान में नगर पालिका में पार्षद है। इसी राजनीतिक संबंध के आधार पर आरोप लगाया जा रहा है कि प्रशासनिक कार्रवाई प्रभावित हो रही है।

पैसे वापस मांगने पर युवक से मारपीट, आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज

महासमुंद/नवप्रदेश। बसना थाना क्षेत्र में लेनदेन के विवाद को लेकर युवक से गाली-गलौज और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार वार्ड क्रमांक 11 फोकटपारा निवासी राजेंद्र दास 7 अक्टूबर की सुबह करीब 9.30 बजे काम पर जा रहा था। इसी दौरान सरस्वती शिशु मंदिर बसना के पास मोहल्ले के बिसन दास ने उसे रोककर पैसे वापस क्यों नहीं कर रहे हो, कहते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने राजेंद्र के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 115(2), 296, 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

जीआईएस संपत्ति सर्वे निरस्त कर फिर होगा सर्वे जनता पर नहीं पड़ेगा अतिरिक्त टैक्स का बोझ

नए पालिका भवन और बस स्टैंड निर्माण का रास्ता साफ

महासमुंद/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद की विशेष परिषद बैठक में अध्यक्ष निखिलकांत साहू की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं से जुड़े 12 एजेंडों पर विस्तार से चर्चा हुई। सभी प्रस्तावों पर परिषद ने सर्वसम्मति से सहमति जताई। बैठक में सबसे अहम निर्णय जीआईएस आधारित संपत्ति सर्वे को लेकर लिया गया। परिषद ने सर्वे में त्रुटियों का हवाला देते हुए इसे निरस्त कर पुनः सर्वे कराने तथा बढ़ते क्रम में संपत्तिकर निर्धारण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने पर सहमति दी। बैठक की शुरुआत सीएमओ सौरभ शर्मा के स्वागत उद्बोधन और एजेंडों की जानकारी से हुई। अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने कहा कि सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों से ही शहर का समुचित विकास संभव है। सभी पार्षदों और अधिकारियों को टीम भावना से काम करते हुए स्वच्छ, सुंदर और सुविधायुक्त आदर्श शहर बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

नए पालिका भवन और बस स्टैंड का रास्ता साफ

पुराने एसडीएम बंगले की जमीन पर कार्यालय भवन निर्माण और नवीन बस स्टैंड निर्माण के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। अध्यक्ष साहू ने बताया कि नए पालिका भवन और बस स्टैंड के लिए एनओसी प्राप्त हो चुकी है। नए पालिका भवन की आर्किटेक्ट से ड्राइंग-डिजाइन भी तैयार करा ली गई है। बैठक में भवन का प्रतीकात्मक मॉडल/फोटो दिखाते हुए उन्होंने बताया कि जल्द ही शासन को प्रस्ताव भेजकर टेंडर प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। इससे शहर को आधुनिक पालिका भवन के साथ व्यवस्थित बस स्टैंड की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान परिषद का गठन

नगरी/नवप्रदेश। शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय नगरी में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक जागरूकता एवं राजनीतिक विषयों के प्रति रुचि विकसित करने के उद्देश्य से राजनीति विज्ञान परिषद का गठन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 7 अक्टूबर को राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. आर.आर. मेहरा एवं अतिथि व्याख्याता डॉ. ममता सौरज के मार्गदर्शन में किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. आर.आर. मेहरा ने विद्यार्थियों को परिषद के उद्देश्यों एवं कार्यों की जानकारी देते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक जागरूकता के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, अतिथि व्याख्याता डॉ. ममता सौरज ने बताया कि परिषद के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, तार्किक चिंतन तथा समसामयिक राजनीतिक एवं सामाजिक विषयों की समझ विकसित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

पदाधिकारियों का चयन : राजनीति विज्ञान परिषद में एमए तृतीय सेमेस्टर के अमनराज को अध्यक्ष, एमए प्रथम सेमेस्टर के आशीष साहू को उपाध्यक्ष तथा एमए तृतीय सेमेस्टर की ज्योति मरकाम को सचिव बनाया गया।

धान का दाम 3358 रुपए क्विंटल और तीन साल की अंतर राशि देने की मांग

किसान कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

महासमुंद/नवप्रदेश। धान की खेती में लगातार बढ़ रही लागत और किसानों को उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने के मुद्दे पर किसान कांग्रेस ने राज्य सरकार के सामने मोर्चा खोल दिया है। महासमुंद जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष मानिक साहू ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर धान का दाम बढ़ाकर 3358 रुपए प्रति क्विंटल करने, समर्थन मूल्य की अंतर राशि का भुगतान करने और किसानों को कानूनी रूप से समर्थन मूल्य की गारंटी देने की मांग की है। किसान कांग्रेस ने लंबित राजीव गांधी किसान न्याय योजना की चौथी किस्त का भुगतान भी तत्काल करने की मांग उठाई है।

तीन साल की अंतर राशि का हो भुगतान : किसान कांग्रेस ने ज्ञापन में वर्ष 2024-25 की 117 रुपए प्रति क्विंटल और वर्ष 2025-26 की 186 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य अंतर राशि किसानों को देने की मांग की है। साथ ही वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य में होने वाली बढ़ोतरी का पूरा लाभ किसानों को दिलाने की बात कही गई है।

मानिक साहू ने कहा कि खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और मजदूरी समेत खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। ऐसे में केवल समर्थन मूल्य घोषित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि किसानों को उनकी उपज का वास्तविक लाभकारी मूल्य मिलना जरूरी है।

15 नवंबर तक खरीदी पर स्थानीय परिस्थितियों का ध्यान जरूरी : ज्ञापन में धान खरीदी की समय-सीमा को लेकर भी व्यावहारिक समस्या सामने रखी गई है। किसान कांग्रेस के अनुसार महासमुंद जिले के बागबाहरा समेत कई इलाकों में अक्टूबर के अंतिम सप्ताह तक धान की फसल कटने की स्थिति में आ जाती है। ऐसे में किसानों के लिए कटी हुई फसल को लंबे समय तक सुरक्षित रखना मुश्किल हो सकता है।

मौसम में बदलाव, बारिश और नमी के साथ ही सीमित भंडारण व्यवस्था किसानों के लिए परेशानी बढ़ा सकती है।

छोटे उरला की शराब दुकान को बंद करने एसडीएम को दिया गया ज्ञापन

अभनपुर/नवप्रदेश। 8 अक्टूबर को 2026 को छोटे उरला (अभनपुर) में स्थित शराब दुकान तत्काल बंद करने की मांग को लेकर आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन को ज्ञापन दिया गया। जिसमें तत्काल कार्यवाही हेतु रायपुर कलेक्टर को लिखित आदेश दिया गया।

हमने बात रखी कि ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन, अभनपुर ब्लॉक कमेटी द्वारा लागातार पिछले चार वर्षों से तहसीलदार अभनपुर, स्ष्ठरू अभनपुर कलेक्टर महोदय रायपुर व छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री के नाम उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा जा चुका है और इस सम्बंध में विभिन्न आंदोलनात्मक कार्यक्रम भी लिया जा चुका है और अभी भी हमारा आंदोलन जारी है। आज के समय में देशभर में शराब और नशीले पदार्थों के कारण अपराध, हिंसा, चोरी, बलात्कार जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। युवाओं और बच्चों में इनकी बढ़ती लत से सामाजिक ढांचा बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। यह दुर्भाग्य की बात है कि छोटे उरला जैसे ग्रामीण क्षेत्र में माध्यमिक विद्यालय, अस्पताल तक नहीं है, लेकिन शराब दुकान खुली हुई है रास्ते मे लोग बैठे रहते है जिससे महिलाओं और बच्चों को आने जाने में समस्या होती है और असुरक्षा का माहौल रहता है और क्षेत्र में असामाजिक घटनाएं बढ़ रही है। शराब के कारण हुई सड़क दुर्घटनाओं में 125 से अधिक मौतें दर्ज हुई हैं और अपराध भी बढ़ रहा है, जबकि न जाने कितने परिवार शराब के चलते बर्बाद हो रहे हैं। सरकार का कार्य देश और समाज को सशक्त बनाना है विडंबना यह है कि जहाँ छोटे उरला में अस्पताल, स्कूल और कॉलेज बच्चों के लिये गार्डन, जिम होना चाहिए वहां शराब दुकान स्थित हैं, जो समाज के लिए अत्यंत घातक है। हमारा संगठन छोटे उरला (अभनपुर) की शराब दुकान को बंद कराने के लिये लगातार आंदोलन कर रही है। इसी क्रम में 14 नवंबर 2025 को आबकारी आयुक्त व ए.डी.एम. (रायपुर) से मुलाकात किये थे जिसमें आश्वासन मिला था कि जल्द से जल्द कार्यवाही होगी परंतु अभी तक इसमें कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को बनाए रखना मेरी पहली प्राथमिकता : मोगरा धीवर

कोलिहा (लवन)/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की लोककला, संस्कृति और परंपराओं को वंत बनाए रखने में लोक कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी भावना को लेकर पंडवानी गायिका मोगरा धीवर लगातार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। उनका कहना है कि ÷छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को बनाए रखना मेरी पहली प्राथमिकता है।÷ ग्राम कोलिहा में डॉ हरिकिशन वर्मा परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम कार्यक्रम के दौरान चर्चा करने पर मोगरा धीवर ने बताया कि

पंडवानी छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोकगाथा गायन परंपरा है, जिसमें महाभारत के प्रसंगों को लोकभाषा, संगीत, अभिनय और भावपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया जाता है। मोगरा धीवर अपनी प्रस्तुति के माध्यम से इस लोकविधा की गरिमा और परंपरागत स्वरूप को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं।कार्यक्रम के दौरान उनकी आकर्षक पंडवानी प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। पारंपरिक वेशभूषा, वाद्ययंत्र और लोकभाषा के सुंदर समन्वय ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी संस्कृति की अनूठी झलक प्रस्तुत की। उनकी प्रस्तुति में लोकवन, धार्मिक एवं पौराणिक प्रसंगों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की मिट्टी से जुड़ी भावनाएं भी दिखाई दीं।

मोगरा धीवर ने कहा कि आधुनिक दौर में नई पीढ़ी का अपनी लोक संस्कृति और परंपराओं से जुड़ाव बनाए रखना बेहद जरूरी है। यदि लोककलाओं को प्रोत्साहन मिलेगा और युवा कलाकार आगे आएंगे, तो छत्तीसगढ़ की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सकेगी। उन्होंने कहा कि पंडवानी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी लोक स्मृति, संस्कार और परंपरा को संजोने वाली महत्वपूर्ण कला है। इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए कलाकारों, समाज और शासन सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने मोगरा धीवर की पंडवानी प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। मोंगरा धीवर को संगीत में सहयोग करने के लिए रागी सविता नायक संचालक ओमप्रकाश धीवर तबला वादक श्यामू साहू नाल वादक हीराराम साहू आर्गन नरेंद्र साहू बैंजो थानेश्वर धीवर एवं गजेंद्र दास मानिकपुरी का विशेष भूमिका रहा है।

रायपुर जोन ने जीती ओवरऑल चैंपियनशिप

महासमुंद/नवप्रदेश। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में महासमुंद जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। 3 से 6 अक्टूबर तक जिला बलौदाबाजार में आयोजित चार दिवसीय प्रतियोगिता में बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, सरगुजा और रायपुर संभाग की टीमों ने हिस्सा लिया। करीब 500 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में रायपुर जोन की टीम ने ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया।

प्रतियोगिता के दौरान 14 वर्ष आयु वर्ग टच रग्बी बालक-बालिका, 19 वर्ष नेटबॉल बालक-बालिका तथा 14, 17 और 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिका कुराश मुकाबले आयोजित किए गए। रायपुर जोन की टीम में शामिल महासमुंद जिले के खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया।

रग्बी में तीन खिलाड़ियों ने दिलाया स्वर्ण : बागबाहरा के तुसदा हायर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। 14 वर्ष बालिका टच रग्बी वर्ग में रजनी खड़िया और निशा खड़िया तथा 14 वर्ष बालक वर्ग में मितेश खड़िया ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रायपुर जोन की टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

कवर्धा के बाद बोड़ला में भी पत्रकार से दुर्व्यवहार

बोड़ला/नवप्रदेश। कल किसान आंदोलन में कवर्धा में पत्रकार राहुल सोनकर के साथ झूमाझटकी की खबरों के बाद आज बोड़ला में भी चक्काजाम के दौरान नईदुनिया के पत्रकार जीवन यदु के साथ किसान संघ के एक पदाधिकारी द्वारा कथित दुर्व्यवहार का मामला सामने आया। सवाल यह है कि किसानों की आवाज बुलंद करने वाले पत्रकार ही अगर आंदोलन के दौरान दुर्व्यवहार का सामना करेंगे, तो जनसमस्याएं शासन-प्रशासन तक कैसे पहुंचेंगी? आंदोलन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन पत्रकारों को डराना या उनके काम में बाधा डालना किसी भी सूरत में उचित नहीं। विरोध अपनी जगह है, मगर पत्रकारों का सम्मान और सुरक्षा भी जरूरी है।

अंडर-16 क्रिकेट टीम के लिए चयन ट्रायल 11 अक्टूबर को

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिला क्रिकेट एसोसिएशन राजनांदगांव द्वारा अंडर-16 आयु वर्ग की जिला क्रिकेट टीम के गठन के लिए आगामी 11 अक्टूबर, रविवार को दिग्विजय स्टेडियम में चयन ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया सुबह 9 बजे से प्रारंभ होगी। इस ट्रायल में वही खिलाड़ी भाग लेने के पात्र होंगे, जिनका जन्म 1 सितंबर 2011 से 31 अगस्त 2013 के बीच हुआ है। चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए पात्र खिलाड़ियों का ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य है। जिन खिलाड़ियों का पूर्व में पंजीयन नहीं हुआ है, वे शाम 4 से 6 बजे के बीच दिग्विजय स्टेडियम में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर पंजीयन करा सकते हैं।

तहसील कार्यालय में भृत्य पद पर मिली अनुकम्पा नियुक्ति

बेमेतरा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिष्ठा ममगाई ने अनुकम्पा नियुक्ति के तहत दो आश्रितों को शासकीय सेवा में नियुक्ति आदेश जारी की है।जारी आदेश के अनुसार मोतिम भारती पति ओंकार सिंह भारती, ग्राम पतोरा जिला दुर्ग को तहसील कार्यालय, बेमेतरा में तथा प्रशांत नौरंगे पिता बिसेलाल नौरंगे, ग्राम अछोली, जिला रायपुर को तहसील कार्यालय, साजा में भृत्य के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया गया है। दोनों को पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स लेवल 1 के तहत वेतनमान रूपये 15600-49400 प्रतिमाह एवं शासन द्वारा स्वीकृत महंगाई भत्ता देय होगा।

जल्दी पकने वाला धान तैयार, देर से पकने वाली फसल को अभी इंतजार

बेमेतरा/नवप्रदेश। अंचल में इन दिनों धान की फसलें लहलहा रही हैं। खेतों में धान की बालियां निकल चुकी हैं, वहीं जल्दी पकने वाली धान की किस्में अब कटाई के लिए तैयार हो गई हैं। किसानों ने साठिया धान की कटाई भी शुरू कर दी है। दूसरी ओर, देर से पकने वाली धान की फसल को तैयार होने में अभी समय लगेगा।गौरतलब है कि इस वर्ष बेमेतरा जिले के अन्य ब्लॉकों की तुलना में बेमेतरा क्षेत्र में कम बारिश हुई थी। हालांकि, 24 और 25 सितंबर को चक्रवात के प्रभाव से हुई बारिश ने काफी हद तक पानी की कमी को पूरा किया। इससे खेतों में नमी बढ़ी और धान की फसल को अच्छी बढ़त मिली।

जल्दी पकने वाली धान की किस्म साठिया अब पककर तैयार हो गई है। किसान इसकी कटाई में जुट गए हैं। वहीं, सरना सहित देर से पकने वाली धान की अन्य किस्मों को तैयार होने में अभी समय लगेगा। किसानों को उम्मीद है कि दीपावली के बाद अधिकांश धान की फसलें पककर तैयार हो जाएंगी। इसके साथ ही खेतों में कटाई का काम भी तेजी से शुरू हो जाएगा।

धमकी देने वाले फरार दो आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/नवप्रदेश। घर में घुसकर गाली-गलौज, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने वाले फरार दो आरोपी अजय दुबे एवं संतोष साहू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है7 ग्राम पण्डरभटठा निवासी डोमेश साहू ने 27 अगस्त 2026 को दोनों के खिलाब रिपोर्ट दर्ज कराया था पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक में धारा 333, 296, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है7

लंबे समय से फरार 2 स्थायी वारंटी गिरफ्तार

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा पुलिस द्वारा स्थायी वारंटियो को पकडने हेतु अभियान चलाया जा रहा हैं। इसी क्रम में थाना बेमेतरा पुलिस टीम ने न्यायालय द्वारा जारी स्थायी वारंट में प्रकरण क्रमांक 144381/22, 690/2021, धारा 138 एनआई एक्ट भादवि के प्रकरण में फरार चल रहे 2 स्थायी वारंटियों 1 रजनीश कांत सिंह पिता कृष्णा कुमार, विनोद उम्र 55 वर्ष, निवासी दुर्ग कसारी डीह, थाना व जिला दुर्ग, 2 तुलसी राम साहू पिता रोतिराम साहू उम्र 35 वर्ष, निवासी लोलेसरा, थाना व जिला बेमेतरा को पकड़ा गया। जिसे न्यायालय में स्थाई वारंट तामील कर प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बेमेतरा सोनल ग्वाला, प्रधान आरक्षक अशरफ खान, आरक्षक कुसुम लाल कोशले सहित थाना बेमेतरा के समस्त पुलिस स्टाफका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

गर्भवती होने और प्रसव की कहानी निकली झूठी, एसपी ने किया खुलासा

महिला के विरूद्ध हुई कार्रवाई

बेमेतरा/नवप्रदेश। नवागढ़ के ग्राम जेवरा-एस में गर्भवती होने एवं प्रसव के बाद दो अज्ञात महिलाओं द्वारा नवजात शिशु को ले जाने की झूठी कहानी रची गई थी पुलिस बारीकी से छानबीन किया तो मामले का खुलासा हुआ7 महिला ने अपने घर वालों से गर्भवती होने की झूठी बात कही थी

एसपी त्रिलोक बंसल ने बताया कि पुलिस के लगातार प्रयास, घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण करने एवं गठित टीम की मदद से प्रकरण में विवेचना के दौरान सामने आया कि विवाह के पश्चात प्रार्थिया तीजन वर्मा पति पुनेश्वर वर्मा उम्र 20 साल दो बार गर्भवती हुई थी, लेकिन दोनों बार गर्भपात हो गया था। इसके बाद फरवरी 2026 में तीसरी बार गर्भ ठहरने तथा पुनः गर्भपात होने के कारण परिवार के लोग उसे गलत न समझें, इस आशंका से उसने स्वयं को गर्भवती होना बताया था। परिवार वालों को गर्भवती होने का

विश्वास दिलाने के लिए वह साड़ी को दोहरा मोड़कर पहनती थी, जिससे उसका पेट गर्भवती महिला की तरह दिखाई दे। परिवार के सभी सदस्यों के घर से बाहर होने पर तीजन वर्मा ने अपने शरीर पर आलता-माहुर रंग डालकर प्रसव होने जैसी स्थिति दर्शाई। पति के घर लौटने पर उसने बताया कि पेट में दर्द होने के कारण वह गली के दरवाजे के पास गई थी, जहां एक अज्ञात महिला खड़ी थी। उसके द्वारा मदद के लिए बुलाने पर उक्त महिला एक अन्य अज्ञात महिला के साथ आई और दवा पिलाकर प्रसव कराने के बाद बच्चे को अपने साथ ले गई। इस प्रकार उसने परिजनों को दो अज्ञात महिलाओं द्वारा प्रसव कराकर बच्चा ले जाने की झूठी कहानी बताई तथा इसी आधार पर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रकरण में विवेचना के दौरान एवं परीस्थितिजन्य साक्ष्य के अधार पर प्रकरण में परिजन एवं आसपास के लोगो से पुछताछ की गई। मौके पर लगातार पुलिस टीम की मौजूदगी एवं दो अज्ञात महिला आरोपियों के बारे में पूछताछ करने पर अन्य कई ऐसी बाते उजागर हुई जो संदेह को जन्म देती थी। पुलिस ने चिकित्सकीय परीक्षण एवं आवश्यक जांच कराई। चिकित्सकीय रिपोर्ट के अनुसार, घटना दिनांक 03 अक्टूबर 2026 से लगभग 04-05 सप्ताह पूर्व तक गर्भवती होने अथवा प्रसव होने की पुष्टि नहीं हुई। चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर स्पष्ट हुआ कि प्रार्थिया ने स्वयं को गर्भवती बताने तथा प्रसव के बाद दो अज्ञात महिलाओं द्वारा नवजात शिशु को ले जाने की झूठी कहानी गढ़कर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पूछताछ के दौरान महिला ने अपनी गलती स्वीकार की। महिला द्वारा झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने पर उनके विरूद्ध बीएनएस के धारा 217 में कार्यवाही की गई है।

पहली रेल यात्रा में राष्ट्रीय मंच तक पहुंचीं बैगा महिला उद्यमी, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की प्रदर्शनी में पारंपरिक आभूषणों का कर रहीं प्रदर्शन

जंगल और परंपराओं से बेंगलुरु तक पहुंचा बैगा हुनर, श्रीबाई बैगा ने बनाई नई पहचान

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के वनांचल में संजोई गई बैगा समुदाय की पारंपरिक कला अब बेंगलुरु तक अपनी पहचान बना रही है। कबीरधाम जिले की बैगा महिला उद्यमी श्रीबाई बैगा अपने हाथों से तैयार पारंपरिक आभूषणों को अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में आयोजित प्रदर्शनी के माध्यम से व्यापक मंच पर प्रस्तुत कर रही हैं। कभी स्थानीय परंपराओं और समुदाय की सांस्कृतिक पहचान तक सीमित रहने वाला उनका हुनर अब नए लोगों तक पहुंच रहा है। खास बात यह है कि बेंगलुरु तक का यह सफर उनकी पहली रेल यात्रा भी है। मेहनत, आत्मविश्वास और अपनी कला के प्रति लगन के साथ आगे बढ़ रहीं श्रीबाई बैगा की यह यात्रा आदिवासी महिलाओं के हुनर को आजीविका और उद्यमिता से जोड़ने की प्रेरक कहानी है।

पहली रेल यात्रा, नई संभावनाओं की ओर कदम

श्रीबाई बैगा के लिए यह यात्रा केवल एक शहर से दूसरे शहर तक पहुंचने का सफर नहीं है, बल्कि अपने हुनर को व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम है। पहली बार रेल यात्रा कर बेंगलुरु पहुंचना उनके लिए एक नया अनुभव है। यहां अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित प्रदर्शनी में वे अपने हाथों से तैयार पारंपरिक आभूषणों का प्रदर्शन कर रही हैं। इस प्रदर्शनी के जरिए उनके उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाने और बैगा समुदाय की पारंपरिक शिल्पकला को पहचान दिलाने का अवसर मिल रहा है।

पारंपरिक आभूषणों में झलकती है बैगा संस्कृति

बैगा समुदाय भारत के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) में शामिल है। इस समुदाय की अपनी विशिष्ट परंपराएं, सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक ज्ञान है। श्रीबाई बैगा इसी विरासत को अपने हस्तनिर्मित आभूषणों के माध्यम से सहेजने और आगे बढ़ाने का काम कर रही हैं। उनके हाथों से तैयार आभूषणों में बैगा समुदाय की परंपराओं और स्थानीय शिल्पकला की झलक दिखाई देती है। बिरन के माध्यम से वे अपने पारंपरिक हुनर को आजीविका से जोड़ रही हैं। बेंगलुरु की प्रदर्शनी में सहभागिता से उन्हें अपने उत्पादों को नए लोगों के सामने प्रस्तुत करने, उनकी पहचान बढ़ाने और संभावित बाजारों से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।

पारंपरिक कला से आत्मनिर्भरता की राह

बिरन पारंपरिक ज्ञान, आदिवासी हस्तशिल्प और स्थानीय कौशल को आजीविका एवं उद्यमिता के अवसरों से जोड़ने की पहल है। इसके माध्यम से पारंपरिक शिल्प से जुड़ी महिलाओं को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर मिल रहा है। उनकी सहभागिता न केवल बैगा समुदाय की सांस्कृतिक विरासत को सामने लाती है, बल्कि अन्य आदिवासी महिलाओं को भी अपने कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने मास्टर ट्रेनरों को प्रशस्ति-पत्र देकर किया सम्मानित

बेमेतरा/नवप्रदेश। जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 पर आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन दृष्टि सभा कक्ष जिला कार्यालय बेमेतरा में हुआ।इसमें जिला एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारियों-कर्मचारियों को आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों, आवेदन प्रक्रिया, प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं जन सूचना अधिकारी की भूमिका, समय-सीमा में जानकारी प्रदाय करने तथा अधिनियम की बारीकियों पर मास्टर ट्रेनरों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया गया था। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी मास्टर ट्रेनरों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित की। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम लोकतंत्र को मजबूत करने और प्रशासन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही लाने का सशक्त माध्यम है। मास्टर ट्रेनरों ने जिस लगन से प्रशिक्षण दिया है, उससे जिले के सभी विभागों में आरटीआई के मामलों का त्वरित एवं नियमानुसार निराकरण होगा। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एवं सूचना का अधिकार अधिनियम के जिला नोडल अधिकारी प्रीतम चौहान उपस्थित रहे।

जिला मुख्यालय पहुँचे डीजीपी, पुलिस लाइन और एसपी कार्यालय का किया निरीक्षण

खैरागढ़/नवप्रदेश। पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, एक दिवसीय प्रवास पर जिला मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान आईजी अजय कुमार यादव, एसपी लक्ष्य शर्मा उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान डीजीपी गौतम ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, खैरागढ़ के निरीक्षण के दौरान विभिन्न शाखाओं, डीएसबी, वेतन शाखा, फंड शाखा, स्थापना शाखा, ओ.एम. शाखा एवं एस.आर.सी. शाखा मे पहुँच कार्यप्रणाली एवं अभिलेखों के संधारण की समीक्षा की। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता, दक्षता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने दिशा-निर्देश दिए। पुलिस महानिदेशक ने जिला साइबर लैब का निरीक्षण कर उपलब्ध तकनीकी संसाधनों, साइबर अपराधों की विवेचना एवं डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर साइबर अपराधों के प्रभावी रोकथाम एवं विवेचना में आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग पर विशेष बल दिया। जिले के पुलिस थानों में संचालित विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों एवं डिजिटल पुलिसिंग प्रणालियों का पर्यवेक्षण कर उन्होंने पोर्टलों पर दर्ज सूचनाओं, प्रकरणों के अद्यतनीकरण तथा डिजिटल अभिलेखों के संधारण की समीक्षा करते प्रणालियों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारियों, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस एवं उप पुलिस अधीक्षकों से लंबित अपराधों, शिकायतों के निराकरण, विवेचना की प्रगति एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कीं । पुलिस महानिदेशक ने लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण, विवेचना में तकनीकी साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग तथा आम नागरिकों की शिकायतों पर संवेदनशीलता एवं तत्परता से कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा।

मरका उप स्वास्थ्य केंद्र में नवजात की मौत से आक्रोश, परिजनों और ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

बेमेतरा/नवप्रदेश।। बेमेतरा तहसील के मरका उप स्वास्थ्य केंद्र में नवजात शिशु की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। स्वास्थ्य केंद्र में कथित लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों सहित ग्रामीणों ने चक्काजाम कर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग उठाई है।

घटना के बाद क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों को समय पर समुचित उपचार मिलना बेहद जरूरी है। नवजात की मौत के मामले में उपचार के दौरान क्या परिस्थितियां बनीं और कहीं लापरवाही हुई या नहीं, इसकी निष्पक्ष जांच कर वास्तविकता सामने लाई जानी चाहिए।

कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन

नवजात की मौत से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आगे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की है।

साजा में रक्तदान शिविर आयोजित

बेमेतरा/नवप्रदेश। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर भवन, साजा में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 25 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया आयोजन का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा आम नागरिकों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना था।इस अवसर पर खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अश्विन कुमार वर्मा ने सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का सर्वोत्तम माध्यम है।

संगीत विवि की कुलपति से चर्चा के बाद छात्रों ने समाप्त किया प्रदर्शन

खैरागढ़/नवप्रदेश। संसाधनो की कमी सहित अन्य मांगो को लेकर संगीत विवि मे संगीत संकाय के छात्रो का धरना प्रदर्शन देर शाम कुलपति प्रो डा लवली शर्मा के साथ विधिवत चर्चा के बाद समाप्त हो गया । संगीत विवि के संगीत संकाय के छात्रो ने गुरूवार को संकाय मे वादय यंत्रो की कमी, अधिष्ठाता नियुक्ति मे गडबड़ी सहित अन्य मांगो को लेकर जमकर प्रदर्शन किया था । दिनभर चले प्रदर्शन के दौरान विवि के कई प्रशासनिक अधिकारी और प्रोफेसर मौके पर छात्रो को समझाने पहुँचे थे । लेकिन बात नही बनी थी । शाम तक चले धरना प्रदर्शन के बाद आखिरकार कुलपति शर्मा ने छात्रो को मुलाकात के लिए बुलाया था ।

कलेक्टर ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम के जीर्णोद्धार कार्यों का किया निरीक्षण

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पहुंचकर जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर श्री मधुसूदन यादव उपस्थित थे। कलेक्टर ने स्टेडियम में किए जा रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आरके नगर में प्रस्तावित ऑडिटोरियम निर्माण स्थल का भी अवलोकन किया और निर्माण कार्य से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने डिजिटल लाइब्रेरी का निरीक्षण कर वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों से लाइब्रेरी में उपलब्ध अध्ययन सामग्री, सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली।

इतवारीबाजार मे 51 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन

तीन दिवसीय गरबा उत्सव के साथ शुरू होगा नगर दशहरा

खैरागढ़/नवप्रदेश। शहर मे नगरपालिका द्वारा आयोजित होने वाले नगर दशहरा उत्सव की शुरूआत 13 अक्टूबर को तीन दिवसीय गरबा उत्सव के रंगारंग शुभारंभ के साथ होगी ।

9 दिवसीय नगर दशहरा उत्सव पर्व पालिका द्वारा बांके बिहारी मंदिर परिसर मे रविवार को दुर्गा प्रतिमा स्थाना के साथ शुरू होगी । दशहरा उत्सव की प्रमुख शान बन चुकी तीन दिवसीय गरबा उत्सव की शुरूआत 13 अक्टूबर से फ्तेह मैदान मे होगी । 13 से 15 अक्टूबर तक होने वाले गरबा उत्सव मे प्राथमिक स्तर से हाई स्कूल हायर सेंकेड्री सहित महाविद्यालयीन और विवि के छात्रछात्राएं भी बड़ी संख्या मे हिस्सा लेंगे । दशहरा उत्सव समिति द्वारा आयोजित गरबा उत्सव मे रोजाना प्रतिभागियो को पुरस्कार सहित अंतिम दिन विजेता टीमो को भी पुरस्कृत किया जाएगा । पालिकाध्यक्ष गिरजा चंद्राकर ने बताया कि गरबा उत्सव मे हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ।

19 को सांस्कृतिक प्रस्तुति, 20 को रावण का दहन

नगर दशहरा उत्सव समिति द्वारा गरबा उत्सव के बाद 19 अक्टूबर को फ्तेह मैदान मे ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा । इस दौरान छग के जस सम्राट दिलीप षढगी़ द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी । कार्यक्रम मे जिले भर के जनप्रतिनिधि जुटेंगे । 20 अक्टूबर को दशहरा पर्व के दौरान बांके बिहारी मंदिर परिसर मे दुर्गा प्रतिमा के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी । जो गोलबाजार, मस्जिद चौक, बख्शीमार्ग, ईतवारीबाजार होते रावण भाठा पहुँचेगी । जहाँ 51 फीट विशालकाल रावण का दहन किया जाएगा । शोभायात्रा मे राऊत नाच, धुमाल के साथ राम लक्ष्मण हनुमान सहित वानर सेना शामिल होगी । रावण दहन पूर्व ईतवारीबाजार मे आकर्षक आतिशबाजी भी की जाएगी ।

आज उदयाचल प्रांगण में सजेगा अग्रसेन आनंद मेला

बाइक रैली से होगा नगर भ्रमण

राजनांदगांव/नवप्रदेश। भगवान श्री अग्रसेन जी की जयंती महोत्सव के अंतर्गत अग्रवाल समाज में उत्साह और उमंग का माहौल है। अग्रवाल सभा, अग्रवाल नवयुवक मंडल एवं अग्रवाल महिला मंडल के संयुक्त प्रयासों से 4 से 11 अक्टूबर तक विविध कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज शनिवार को बाइक रैली के साथ नगर भ्रमण और उदयाचल प्रांगण में अग्रसेन आनंद मेले का आयोजन होगा। वहीं गुरुवार को आयोजित बहुप्रतीक्षित अग्रसेन म्यूजिकल अंताक्षरी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने गीत-संगीत से समां बांध दिया।

बाइक रैली के बाद सजेगा आनंद मेला

अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष चैतन्य अग्रवाल , सचिव हर्षित अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष राहुल लोहिया ने बताया कि शनिवार 10 अक्टूबर को दोपहर 4 बजे अग्रसेन भवन से बाइक रैली निकाली जाएगी। जिसके प्रभारी अखिल भारतीय अग्रवाल युवा सम्मेलन है । बाइक रैली नगर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए उदयाचल प्रांगण पहुंचेगी, जहां शाम 7 बजे से अग्रसेन आनंद मेले का आयोजन होगा।

श्रेष्ठ कर्म ही जीवन की सच्ची पूंजी, अच्छे विचारों से मिलता है सुख और शांति का मार्ग

भाटापारा/नवप्रदेश। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भाटापारा द्वारा पत्रकारों के सम्मान में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। द्वीप प्रज्वलन के माध्यम से ज्ञान, शांति और सकारात्मकता का संदेश दिया गया। जिस प्रकार एक दीपक स्वयं जलकर चारों ओर प्रकाश फैलाता है, उसी प्रकार पत्रकार भी अपने श्रेष्ठ विचारों की कलम से समाज एवं मनुष्यों में प्रेम, सद्भाव और खुशियों का प्रकाश फैलाता है। कार्यक्रम में सभी पत्रकार राजकुमार मल, संतोष साहू, श्याम पुरोहित, शंकरलाल सोनी, संतोष अग्रवाल,भूपेश दिवान,सत्तू पटेल, आयसा खान, मधु सोनी,मुकेश शर्मा, किशोर गुप्ता, बिरेंद्र उपाध्याय, संजय तिवारी, अजय यादव, राजीव तिवारी, गुम्बर जी , सीमा मल, राज गुप्ता, कैलाश जायसवाल, लक्ष्मी नारायण सोनी,

गुरमीत सिंह गुम्बर, वाई. पी. सोनी, ललित तिवारी,रवि साहू,तुलसी जायसवाल,उमाशंकर साहू के साथ सभी क्षेत्रीय पत्रकार शामिल हुए।

इसी तारतम्य में सेंटर इंचार्ज बी.के. मंजू दीदी ने अपने वकतव्य में अच्छे कर्मो, सकारात्मक विचारों और आध्यात्मिकता के महत्व को सरल एवं भावनात्मक शब्दों में समझाया की मनुष्य जीवन में जो कुछ भी करता है, उसके संस्कार और कर्म ही उसके भविष्य का निर्माण करते हैं। इसलिए जीवन में धन-दौलत के साथ-साथ अच्छे विचारों, प्रेम, शांति और पुण्य कर्मों की पूंजी जमा करना भी जरूरी है। साथ ही बताया गया कि यदि धन को सार्थक बनाना है, तो उसे ईमानदारी से कमाकर अच्छे कार्यो में लगाना चाहिए। मन को स्वस्थ रखना है, तो व्यर्थ की चिंताओं से दूर रहकर सकारात्मक सोच और मेडिटेशन को अपनाना चाहिए। रिश्तों में मिठास बनाए रखने के लिए प्रेम, सम्मान और सहयोग जरूरी है। जब हमारे विचार अच्छे होंगे, व्यवहार मधुर होगा और कर्म श्रेष्ठ होंगे, तभी जीवन में सच्चे सुख और शांति का अनुभव होगा। हमारा हर विचार, हर शब्द और हर कर्म जीवन के खाते में जमा होता रहता है। जैसे बीज बोने पर उसी के अनुरूप फल मिलता है, वैसे ही अच्छे कर्म जीवन में सुख, शांति और संतोष का अनुभव कराते हैं। इसलिए हमें दूसरों के प्रति शुभभावना रखनी चाहिए और अपने जीवन को श्रेष्ठ कर्मो से सजाना चाहिए। इस अवसर पर शंकर लाल सोनी ने कहा कि पत्रकारिता की कलम में समाज को नई दिशा देने की शक्ति होती है। पत्रकारिता का उद्देश्य केवल समाचार देना ही नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों को जागरूक करना, अच्छे विचारों को आगे बढ़ाना और लोगों को सकारात्मक दिशा दिखाना भी है। वहीं, वरिष्ठ पत्रकार संतोष अग्रवाल ने संस्था के प्रति अपनी शुभभावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने संस्था के आध्यात्मिक एवं सामाजिक प्रयासों के प्रति सद्भावना प्रकट करते हुए ऐसे आयोजनों को समाज में अच्छे संस्कार, सकारात्मक सोच और आपसी प्रेम बढ़ाने वाला बताया।

बच्ची के थप्पड़ कांड में एक्शन, डीईओ ने बनाई तीन सदस्यों की जांच समिति

राजिम/नवप्रदेश। प्राथमिक शाला भेंडरी स्कूल में गणित का सवाल हल न कर पाने पर आठ साल की मासूम छात्रा को शिक्षक थप्पड़ जड़ दिए। बच्ची के गाल पर चोट के निशान दिख रहे हैं और वह इस घटना डरी सहमी है। थप्पड़ मारने वाला शिक्षक राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित है। उन्होंने अपनी गलती भी मान ली है और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न होने की बात कही है। फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम भेंडरी ग्रामीणों ने शिक्षक पर की कार्रवाई की मांग स्थित प्राथमिक शाला में गणित के सवाल का जवाब नहीं दे पाने पर शिक्षक भागचंद चतुर्वेदी ने बच्ची के गाल और कान के पास थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद बच्ची के चेहरे पर चोट के निशान अभी भी स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। परिजनों का कहना है कि बच्ची इतनी भयभीत हो गई है कि ठीक से खाना भी नहीं खा रही है और रात में सोने में परेशानी हो रही है। घटना बुधवार, की बताई जा रही है। आठ वर्षीय छात्रा साधना रोज की तरह स्कूल गई थी। इसी दौरान शिक्षक ने उससे गणित का सवाल पूछा। बच्ची सवाल का जवाब नहीं दे पाई तो शिक्षक ने गुस्से में आकर उसकी पिटाई कर दी। बच्ची के अनुसार उसके गाल के नीचे कान के पास कई थप्पड़ मारे गए। पीड़ित छात्रा के पिता वेदव्यास ने संबंधित शिक्षक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं होना चाहिए। बार-बार गणित का सवाल समझाने के बाद भी जब बच्ची उसे नहीं समझ पाई तो उन्होंने गुस्से में उसे एक-दो थप्पड़ मार दिए। मैं माफी मांग रहा हूं। भविष्य में मेरे द्वारा ऐसा दोबारा कभी नहीं होगा। जिला शिक्षा अधिकारी गरियाबंद राजेश चंद्राकर के द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए जॉच समिति गठित किया हैं।

कांग्रेस भवन से तिरंगा चौक तक निकाला पैदल मार्च,पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच हुई झूमाझटकी

'वोट चोरी' के मुद्दे पर कांग्रेस का प्रदर्शन

तिरंगा चौक पर फूंका चुनाव आयोग का पुतला

गरियाबंद/नवप्रदेश। मतदाता सूची में कथित कटौती और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े सवालों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत आज दिवस को कांग्रेस पार्टी काला दिवस मानते हुए सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला कांग्रेस भवन में एकत्र हुए।यहां सभा के बाद कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे लेकर पैदल मार्च करते हुए तिरंगा चौक पहुंचे।

तिरंगा चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार, चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद चुनाव आयोग और ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया। पुतला दहन के दौरान पुलिस जवानों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी भी हुई। इस दौरान कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हाथ और कपड़े आग की चपेट में आने से झुलस गए।

लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा का दावा

पुतला दहन से पूर्व जिला कांग्रेस भवन में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ला ने कहा कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सवालों को लेकर कांग्रेस लगातार अपना विरोध दर्ज कराती रहेगी। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर पार्टी द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं। यह संघर्ष निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर आगे भी जारी रहेगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में देशभर में लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा की लड़ाई लड़ी जा रही है। इसी कड़ी में गरियाबंद में कांग्रेस कार्यकर्ता एकजुट होकर सड़क पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका को लेकर जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उनका जवाब देश की जनता चाहती है। भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस का यह आंदोलन जनता की आवाज को मजबूती से उठाने का माध्यम है। कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतंत्र की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे।वही बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव ने कहा कि ज्ञानेश कुमार के कूट रचना के चलते बीजेपी देश में सत्ता चला रहे है,ऐसे लोगो का पर्दाफाश हमारे वरिष्ठ नेता राहुल गांधी मल्लिकार्जुन खटके और प्रियंका गांधी ने किया।

पूरे देश में ये आंदोलन चलाया जा रहा है, जिसका समर्थन देश का हर पार्टी कर रहा है। इस प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा, पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ला, विधायक जनक ध्रुव, जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम, युगल पांडे, सेवन पुजारी,जिला उपाध्यक्ष रमेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष पुष्पा साहू, हेमलता सिन्हा, राजेश साहू आदि उपस्थित रहे।

9 लाख रुपए के अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त

इको कार से गांजे का अवैध परिवहन करते हुए महिला-पुरुष गिरफ्तार

गरियाबंद/ नवप्रदेश। ऑपरेशन निश्चय अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर एवं अति. पुलिस अधीक्षक कर्ण कुमार उके के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध परिवहन एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार प्रभावी एवं सख्त कार्यवाही के निर्देश प्राप्त हुआ है जिस पर थाना देवभोग पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के परिवहन के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान के तहत अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट पर एक सफेद रंग की ईको कार से 18 किलो 100 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (गांजा) बरामद कर एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

घटना का संक्षिप्त विवरणः दिनांक 08/10/2026 को शाम लगभग 18:10 बजे उप निरीक्षक अजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा खूंटगांव चेक पोस्ट नाका (NH-130C) पर एमसीपी (MCP) चेकिंग की जा रही थी।

चेकिंग के दौरान धरमगढ़ (ओडिशा) की ओर से देवभोग (छत्तीसगढ़) आ रही एक सफेद रंग की पुरानी ईको कार (क्रमांक छत्त 25 ह 8089) को रोककर तलाशी ली गई। कार की डिक्की की जांच करने पर सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में भरा हुआ गांजा मिला। स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में विधिवत कार्रवाई करते हुए कार सवार दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया।

स्थानीय प्रशासन का निर्णय, अवैध पटाखा दुकानों पर सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

भाटापारा में इस बार लोकोत्सव मैदान में लगेगा पटाखा बाजार

भाटापारा/नवप्रदेश। शहर की बढ़ती आबादी और जनसंख्या घनत्व को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने इस बार दीपावली के अवसर पर पटाखा बाजार के स्थल में बदलाव किया है। अब लाइसेंसधारी पटाखा व्यापारियों को रामलीला मैदान के स्थान पर लोकोत्सव मैदान में दुकानें लगाने के लिए निर्धारित किया गया है। नगर पालिका के इस निर्णय को

जनसुरक्षा की दृष्टि से सराहनीय पहल माना जा रहा है।

गली-मोहल्लों में अवैध पटाखा बिक्री पर नियंत्रण जरूरी: दीपावली के दौरान शहर के विभिन्न गली-मोहल्लों में बिना लाइसेंस के पटाखों की दुकानें संचालित होने और बड़ी मात्रा में पटाखों की बिक्री किए जाने की शिकायतें सामने आती हैं। पटाखे विस्फोटक प्रकृति की सामग्री होने के कारण इनके भंडारण और बिक्री में थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। ऐसे में प्रशासन द्वारा केवल निर्धारित बाजार में ही नहीं, बल्कि शहर के अन्य क्षेत्रों में भी निगरानी रखना आवश्यक है।

नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि त्योहार के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

गरियाबंद में किसानों की 12 सूत्रीय मांगों को लेकर भारतीय किसान संघ ने निकाली रैली

गरियाबंद/नवप्रदेश। भारतीय किसान संघ जिला गरियाबंद इकाई ने प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर किसानों की विभिन्न समस्याओं और 12 सूत्रीय मांगों को लेकर रैली निकाली। रैली के बाद किसान संघ के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर किसानों से जुड़े मुद्दों के शीघ्र निराकरण की मांग की।

रैली की शुरुआत गांधी मैदान से हुई, जहां भगवान बलराम और मां भारती की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी और कार्यकर्ता रैली के रूप में कलेक्टोरेट पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

किसान संघ की प्रमुख मांगों में वर्ष 2022-23 के किसानों के लंबित बोनस का भुगतान शामिल है। किसान संघ का कहना है कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों के लिए करीब 1700 करोड़ रुपये का बोनस लंबित था। वर्तमान सरकार ने किसानों को यह बोनस देने का वादा किया था, लेकिन अब तक किसानों को इसका भुगतान नहीं हुआ है। संघ ने लंबित बोनस राशि शीघ्र किसानों के खातों में दिए जाने की मांग की।

11 अक्टूबर से गूंजेंगे माता रानी के जयकारे

आस्था के ज्योत से जगमगाएंगे देवी दरबार

कोलिहा लवन/नवप्रदेश। नवरात्र का पावन पर्व 11 अक्टूबर से शुरू होने जा रहा है। शक्ति, भक्ति और उपासना के इस महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। नौ दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक पर्व में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। देवी मंदिरों में आस्था के ज्योत प्रज्वलित किए जाएंगे, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। नवरात्र के आगमन को

लेकर क्षेत्र के देवी मंदिरों में साफ सफाई, रंग-रोगन और सजावट की तैयारियां की जा रही हैं। मंदिर परिसरों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। वहीं, श्रद्धालु अपने घरों में भी पूजा-अर्चना की तैयारियों में जुटे हुए हैं। मनोकामना ज्योत प्रज्वलित कराने के लिए भक्तों में विशेष उत्धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्र शक्ति की आराधना का विशेष पर्व है। इन नौ दिनों में श्रद्धालु उपवास रखकर मां दुर्गा की पूजा करते हैं और परिवार की सुख-समृद्धि, शांति तथा खुशहाली की कामना करते हैं। नवरात्र का पर्व बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश भी देता है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जगह-जगह माता के पंडाल सजाए जाते हैं। शाम होते ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगती है और माता रानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठता है।

बरसाटोला में कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग का खेल

अधिकारियों की मिलीभगत का आरोप, अब देखना होगा अधिकारी क्या कार्रवाई करते हैं

चिखलाकसा / बालोद/नवप्रदेश। नगर पंचायत चिखलाकसा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरसाटोला में स्थित खसरा नंबर 1356/1 से 1356/10 तक की लगभग 4.8320 हेक्टेयर कृषि भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर बिक्री करने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि यह सब खेल अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा है।

जानकारी के अनुसार उक्त कृषि भूमि पर हजारों की संख्या में कीमती इमारती लकड़ी के पेड़ लगे हुए थे, मगर अधिकारियों के प्रतिवेदन में गिनती के पेड़ दिखाकर

रजिस्ट्री के परिवेदन में खानापूर्ति कर दी गई है। कागजों में पेड़ों की संख्या कम दिखाना और मौके पर हजारों पेड़ों का होना यह भी देखने वाला सबसे अहम मामला है।

वहीं दूसरी ओर यही छोटे किसान जब अपनी जमीन के लिए अधिकारियों के पास प्रतिवेदन बनवाने जाते हैं, तो उन्हें बहुत नियम-कानून बताकर इतना हरेस कर दिया जाता है कि वे अपनी जमीन बेच भी नहीं पाते।

मनरेगा का सभी कार्य पारदर्शिता के साथ पूर्ण करें टी रविंद्र कुमार

कोलिहा (लवन)/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बलौदा बाजार क्षेत्र अंतर्गत 40 ग्राम पंचायत में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत वर्ष 2025 26 में कराया गए सभी कार्यो का सामाजिक मूल्यांकन के पश्चात निकासी बैठक का आयोजन अनुभागीय अधिकारी टी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में मुख्य कार्यपालन अधिकारी फकीर चरण पटेल तहसीलदार निवेश कुरैटी कार्यक्रम अधिकारी ललित कुमार वर्मा की उपस्थिति में जनपद सभा कक्ष में आयोजित की गई इसमें सभी कार्यो का बारीकी से अवलोकन किया गया मनरेगा के अंतर्गत संचालित सभी कार्यो को पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश एसडीएम टी. रविन्द्र कुमार ने दिए।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री ने गरियाबंद जिले को किया पुरस्कृत

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के कर.कमलों से गरियाबंद जिले को श् साइबर जागृति अभियान श् के तहत किए गए बेहतरीन कार्यो और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित व पुरस्कृत किया गया है।

यह पुरस्कार प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा राज्य पुलिस मुख्यालयध्गरियाबंद पुलिस के विशेष अभियान के मूल्यांकन के दौरान प्रदान किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक गरियाबंद की ओर से इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर पूरे जिले की जनता और पुलिस टीम के

प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

अभियान की मुख्य विशेषताएं और सफलता के बिंदु : व्यापक जन.जागरूकतारू गरियाबंद पुलिस द्वारा जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक स्कूलए कॉलेजए हाट.बाजारों ए पर्यटन स्थलो और ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर लगाकर लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया।

डिजिटल फ्रॉड से बचाव की शिक्षाः आम नागरिकों को ऑनलाइन ठगीए एटीएम फ्रॉडए सोशल मीडिया पर होने वाले अपराधों और फेक कॉलध्लिंक्स से बचने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए।

त्वरित कार्रवाई

साइबर सेल गरियाबंद द्वारा तकनीकी रूप से मुस्तैद रहकर ठगी का शिकार हुए पीड़ितों की राशि होल्ड कराने और अपराधियों को पकड़ने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की गई। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के कहा यह पुरस्कार गरियाबंद पुलिस के हर एक अधिकारीए जवान और जिले के जागरूक नागरिकों की सहभागिता का परिणाम है। साइबर अपराध वर्तमान समय की एक बड़ी चुनौती है। मुख्यमंत्री द्वारा मिला यह सम्मान हमारी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है। हम भविष्य में भी आधुनिक तकनीक और जागरूकता के समन्वय से जिले को साइबर.सुरक्षित बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

पेज 1 का शेष...

रेल और मेट्रो बंद...

पीठ ने यह टिप्पणी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव एमए बेबी सहित अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से उठाए गए मामले की सुनवाई के दौरान की। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि प्रदर्शन की आशंका के चलते दिल्ली आने वाली ट्रेनों को रद्द करना, मेट्रो स्टेशनों पर रोक लगाना और प्रमुख सड़कों पर बैरिकेडिंग करना लाखों लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित कर सकता है। अदालत ने सुरक्षा उपायों की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए इस बात पर विशेष जोर दिया कि प्रशासन की कार्रवाई खतरे के अनुपात में होनी चाहिए।

लाखों यात्रियों की मुश्किलों पर कोर्ट ने जताई चिंता

अदालत ने गुरुग्राम, ग्रेटर नोएडा, पूर्वी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली से प्रतिदिन सफर करने वाले यात्रियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। पीठ ने कहा कि नौकरीपेशा लोग, विद्यार्थी, वरिष्ठ नागरिक और अन्य आवश्यक कार्यों से आने-जाने वाले लोग मेट्रो तथा रेल सेवाओं पर निर्भर हैं। ऐसे में व्यापक बंदी का असर केवल प्रदर्शनकारियों पर नहीं, बल्कि आम जनता पर भी पड़ता है। अदालत ने सार्वजनिक सुविधाओं पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाने के बजाय नियंत्रित संचालन की आवश्यकता पर बल दिया।

जस्टिस बागची की टिप्पणी– नियमन करें, पूरी तरह बंद नहीं

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि जरूरत पड़ने पर मेट्रो ट्रेनों की आवाजाही और उनकी आवृत्ति को नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन सेवाओं को पूरी तरह रोकना अत्यधिक कठोर कदम हो सकता है। अदालत ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी उपायों और नागरिकों की आवागमन संबंधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने पर जोर दिया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को आश्वासन दिया कि वह संबंधित अधिकारियों से परामर्श करेंगे और प्रतिबंधों को परिस्थितियों के अनुरूप रखने पर विचार किया जाएगा।

हिंसा की आशंका का हवाला, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी : केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने पूर्व में हुए प्रदर्शनों और कानून-व्यवस्था संबंधी चिंताओं का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि संभावित अव्यवस्था को रोकने के लिए प्रशासन को आवश्यक कदम उठाने पड़ते हैं। वहीं, प्रदर्शन से पहले दिल्ली के संवेदनशील इलाकों में पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाई गई है। जंतर-मंतर और आसपास के क्षेत्रों में बैरिकेडिंग तथा प्रवेश मार्गों पर निगरानी की व्यवस्था की गई है।

प्रदर्शन की अनुमति पर भी सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल

सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति का मुद्दा भी उठाया। पीठ ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका इस्तेमाल कानून के दायरे में होना चाहिए। अदालत ने आयोजकों की भूमिका और प्रदर्शन में संभावित भीड़ की जानकारी को भी जरूरी बताया। इसके साथ ही स्पष्ट किया कि प्रस्तावित प्रदर्शन और आम नागरिकों की आवाजाही से जुड़े सवालों को अलग-अलग पहलुओं से देखने की आवश्यकता है।

मेट्रो के 57 स्टेशनों पर पाबंदी से बढ़ी चिंता : प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो के 57 स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार बंद करने तथा कुछ रेल सेवाओं को रद्द करने की योजना सामने आई थी। इससे रोजाना दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सफर करने वाले बड़ी संख्या में यात्रियों के प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई। अदालत के हस्तक्षेप के बाद अधिकारियों पर अब प्रतिबंधों की समीक्षा कर सार्वजनिक सुविधाओं को यथासंभव सुचारु रखने की जिम्मेदारी है।

राष्ट्रपति ने वोट चोरी...

कुमार वोट चोरी करा रहे हैं।

गौरव गोगोई बोले- वोट का अधिकार बचाना जरूरी

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, हम यह हर व्यक्ति के वोट के अधिकार को बचाने के लिए कर रहे हैं, चाहे उसकी विचारधारा कुछ भी हो। चाहे वह हमारा समर्थक हो या आलोचक। मेरा मानना है कि जो लोग हमारी पूरी चुनावी प्रक्रिया को बदनाम करने और उसमें गंदगी फैलाने का काम कर रहे हैं, वे देशद्रोही हैं।

खेड़ा बोले- राष्ट्रपति भवन लोकतंत्र का आखिरी प्रहरी

कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा, राष्ट्रपति भवन लोकतंत्र का आखिरी प्रहरी है। हम अपनी गुहार इसी आखिरी प्रहरी तक ले जा रहे हैं और उनसे इसे बचाने की अपील कर रहे हैं। लोकतंत्र और संविधान अपनी आखिरी सांसें गिन रहे हैं। अब इन्हें बचाने की जिम्मेदारी राष्ट्रपति की है।

छत्तीसगढ़ के युवाओं को...

विकास का प्रशिक्षण मिलेगा। पिछले वर्ष संस्था ने छह हजार से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया था। प्रदेश के आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम भी शुरू किए जा रहे हैं। वहीं पॉलिटेक्निक संस्थानों की गुणवत्ता सुधारने के लिए क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया से थर्ड पार्टी मूल्यांकन कराया गया है। इसके अलावा डिजिटल रोजगार पोर्टल को स्किल मार्केट के रूप में विकसित करने की तैयारी है। इससे युवा अपनी योग्यता के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे और उद्योगों को प्रशिक्षित अभ्यर्थी उपलब्ध हो सकेंगे।

18 आईपीएस अफसरों ...

एसआईए, एएनटीएफ तथा चिटफंड एवं महिला विरुद्ध अपराध जैसी शाखाओं में भी नई पदस्थापना की गई है।

सुकमा, नारायणपुर और कोंडागांव में नए अतिरिक्त एसपी

रायगढ़ के नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा को सुकमा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी मिली है। राजनांदगांव में पदस्थ वैशाली जैन को जगदलपुर, कोरबा के नगर पुलिस अधीक्षक विमल कुमार पाठक को नारायणपुर तथा दुर्ग के नगर पुलिस अधीक्षक हर्षित मेहर को कोंडागांव में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। सरगुजा में पदस्थ राहुल बंसल को बीजापुर भेजा गया है।

मुख्यालय में एसआईबी और एएनटीएफ की कमान में बदलाव

पुलिस मुख्यालय में भी कई अधिकारियों को महत्वपूर्ण शाखाओं में जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांकेर में पदस्थ आकाश श्री श्रीमाल को सहायक पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। अजय प्रमोद सबदा को पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक (योजना/प्रबंध) तथा दुर्ग में पदस्थ आकाश कुमार शुक्ला को सहायक पुलिस महानिरीक्षक (एएनटीएफ) नियुक्त किया गया है।

बस्तर संभाग में बड़ा ...

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में सेनानी बनाया गया है। इसी तरह अन्य जिलों में भी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों की पदस्थापना बदली गई है।

विश्वविद्यालयों में बनेंगे 'एनईपी सेल', संभाग व जिला स्तर पर होंगी कार्यशालाएं

कागजों से निकलकर ज़मीनी स्तर पर दिखे शिक्षा नीति : उच्च शिक्षा मंत्री

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को धरातल पर उतारने छत्तीसगढ़ सरकार की बड़ी पहल

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के सुचारू, सुदृढ़ और प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शासन स्तर पर प्रशासनिक एवं अकादमिक कसरत तेज हो गई है। राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में एनईपी-2020 को बिना किसी व्यावहारिक बाधा के लागू करने और पिछले दो वर्षों के अनुभवों के आधार पर आई चुनौतियों को दूर करने के उद्देश्य से मंत्रालय में एक उच्चस्तरीय अंतर-विभागीय समीक्षा सह ट्रांसफॉर्म समिति की पहली महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, श्रीमती रीता यादव, प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण तथा समिति के अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में मंत्री टंक राम वर्मा ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा के स्तर को उन्नत करने, विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने तथा नई शिक्षा नीति को राज्य में पूरी सुदृढ़ता के साथ धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री वर्मा ने इस बात पर विशेष बल दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का लाभ तभी संभव है जब यह केवल कागजी निर्देशों, बैठकों और प्रशासनिक फाइलों तक सीमित न रहकर ज़मीनी स्तर पर प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' और मुख्यमंत्री के 'विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने में इस नई शिक्षा नीति की अत्यंत निर्णायक भूमिका होगी। प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण, जमीनी निगरानी और त्वरित सूचना प्रसार को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सरकार ने एक नया ढांचा तैयार करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश के प्रत्येक विश्वविद्यालय में एक समर्पित नोडल अधिकारी तथा दो विद्यार्थी ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किए जाएंगे।

भारतीय ज्ञान परंपरा और अनिवार्य इंटर्नशिप पर जोर

विद्यार्थियों के अध्ययन और परीक्षा की प्रक्रिया को सहज बनाने के लिए बैठक में कई महत्वपूर्ण शैक्षणिक सुधारों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जनरल इलेक्टिव विषयों के पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्रों को अधिक सरल, व्यावहारिक और लचीला बनाया जाएगा, ताकि विषय चयन और परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा या मानसिक दबाव न झेलना पड़े।

संभाग और जिला स्तर पर प्रशिक्षण

पिछले दो वर्षों में एनईपी–2020 के क्रियान्वयन के दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामने आई व्यावहारिक चुनौतियों, क्रेडिट सिस्टम एवं विषय चयन से जुड़े भ्रम पर गहराई से मंथन किया गया। नई शिक्षा नीति की बारीकियों और प्रावधानों से प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को पूरी तरह अवगत कराने के लिए प्रत्येक विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र के हर सेमेस्टर की शुरुआत में विशेष निर्देश मंत्री श्री वर्मा ने दिए।

मैट्स विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। मैट्स विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत एवं आपसी परिचय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रायपुर के जेल रोड स्थित होटल बेबीलॉन इन में आयोजित होगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मनोरंजन, खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलेगा। आयोजन का उद्देश्य नए विद्यार्थियों का विश्वविद्यालय परिवार में स्वागत करना तथा उनके बीच आपसी सहयोग, मित्रता और सकारात्मक वातावरण को प्रोत्साहित करना है।

आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी सदस्यों से दोपहर 2:30 बजे तक आयोजन स्थल पर पहुंचने का आग्रह किया गया है, ताकि वे विभिन्न मनोरंजक खेलों और डीजे कार्यक्रम का भरपूर आनंद ले सकें। फ्रेशर्स पार्टी विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन और यादगार अनुभव प्राप्त करने का अवसर बनेगी। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने सभी आमंत्रित सदस्यों से कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की है।

व्यापारियों और उद्योगों की समस्याओं को राष्ट्रीय स्तर पर रखने का मिलेगा अवसर

जीएसटी प्रशासन में छत्तीसगढ़ के तकनीकी नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली सराहना

देश के 12 प्रमुख राज्यों में छत्तीसगढ़ को मिला प्रतिनिधित्व,

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में जीएसटी प्रशासन को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में किए जा रहे नवाचारों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। नई दिल्ली में आयोजित जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ द्वारा कर प्रशासन में सुधार के लिए अपनाई गई तकनीकी पहलों को देश के अन्य राज्यों के साथ साझा किया गया। इसके साथ ही वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी की पहल पर छत्तीसगढ़ को जीएसटी परिषद की स्टैंडिंग कमेटी फॉर ऑफिसर्स (लॉ कमेटी) में भी महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व मिला है। इससे प्रदेश के व्यापारियों, उद्यमियों और उद्योग जगत की समस्याओं एवं सुझावों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। जीएसटी परिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व वित्त मंत्री श्री चौधरी ने किया। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जीएसटी प्रशासन को अधिक सरल, सटीक और परिणामोन्मुख बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। राज्य में मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन, डेटा एनालिटिक्स और अन्य डिजिटल तकनीकों के माध्यम से कर प्रशासन की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में विभिन्न पहल की गई हैं।इन तकनीकी नवाचारों का उद्देश्य कर संबंधी आंकड़ों का बेहतर विश्लेषण करना, कर अनुपालन में सुधार लाना, संभावित कर अनियमितताओं की समय पर पहचान करना तथा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना है। आधुनिक तकनीक के उपयोग से कर प्रशासन को अधिक जवाबदेह बनाने के साथ करदाताओं को सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किए गए छत्तीसगढ़ के नवाचार जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ में लागू तकनीक आधारित सुधारों पर तैयार प्रस्तुतीकरण राजस्व सचिव द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रीय जीएसटी लॉ कमेटी में छत्तीसगढ़ को मिली जिम्मेदारी

जीएसटी व्यवस्था को अधिक सरल, व्यावहारिक और व्यापार अनुकूल बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर एक और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी की पहल के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ को जीएसटी परिषद की स्टैंडिंग कमेटी फॉर ऑफिसर्स (लॉ कमेटी) में शामिल किया गया है।देश के 12 प्रमुख राज्यों में छत्तीसगढ़ को इस समिति में प्रतिनिधित्व मिलने से जीएसटी कानूनों और प्रक्रियाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले विचार-विमर्श में राज्य की भागीदारी मजबूत होगी।

इस प्रस्तुतीकरण को देश के सभी राज्यों के साथ भी साझा किया गया।प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि किस प्रकार मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन और डेटा विश्लेषण जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से कर प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ाई जा सकती है। साथ ही उपलब्ध आंकड़ों का बेहतर उपयोग कर कर अनुपालन को मजबूत बनाने, संभावित अनियमितताओं की पहचान करने और करदाताओं के लिए प्रक्रियाओं को अधिक सरल एवं सुविधाजनक बनाने में सहायता मिल सकती है।छत्तीसगढ़ की इन पहलों की सराहना करते हुए अन्य राज्यों को भी राज्य के अनुभवों से सीख लेने तथा अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप इन तकनीकी नवाचारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

रायपुर के गुरु तेग बहादुर हाल में रेशम और सिल्क कपड़ों का बाजार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित गुरु तेग बहादुर हॉल में शुक्रवार, 9 अक्टूबर को भारत के सबसे बड़े सिल्क एक्सपो 'सिल्क वीव एक्सपो' का भव्य शुभारंभ हुआ। फेस्टिव शॉपिंग स्पेशल के तहत आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने किया। इस अवसर पर शहर के गणमान्य नागरिकों, महिलाओं और फैशन प्रेमियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आए अनुभवी बुनकरों और कारीगरों द्वारा तैयार की गई आकर्षक सिल्क साड़ियों एवं पारंपरिक वस्त्रों का विशाल संग्रह उपलब्ध कराया गया है। इसमें बनारसी, कांजीवरम, कोसा सिल्क, बेंगलुरु सिल्क, जामदानी और बेजिंग स्पेशल साड़ियों सहित कई लोकप्रिय किस्में लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इसके साथ ही शॉल, स्टोल, लिनेन, वेडिंग एथनिक परिधान और अन्य हस्तनिर्मित उत्पाद भी प्रदर्शित किए गए हैं। आयोजकों के अनुसार, सिल्क और कॉटन के आकर्षक परिधानों पर 60 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।

देशभर के कारीगरों के उत्पाद एक ही छत के नीचे

सिल्क वीव एक्सपो में कोलकाता, वाराणसी, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा और असम सहित देश के विभिन्न राज्यों के बुनकरों एवं कारीगरों ने भाग लिया है। इन राज्यों की पारंपरिक बुनाई, रंगों और डिजाइन की विविधता प्रदर्शनी को खास बना रही है। यहां ग्राहकों को अलग-अलग क्षेत्रों की प्रसिद्ध सिल्क साड़ियों और हस्तनिर्मित वस्त्रों को एक ही स्थान पर देखने और खरीदने का अवसर मिल रहा है।

प्रारूप- (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं राजीव गुप्ता (RAJIIV GUPTA) (पुराना नाम) सुपुत्र श्री भोला प्रसाद गुप्ता, आयु 51 वर्ष निवासी- मकान नं.- ए-025 सड़क- 18, सी.एस.आई.डी.सी. प्लाट, गोरव पथ अम्रपाली, वनांचल सिटी, औद्योगिक क्षेत्र भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) ने अपना नाम राजीव गुप्ता (RAJIIV GUPTA) (पुराना नाम) से बदल कर राजीव कुमार गुप्ता (RAJEEV KUMAR GUPTA) (नया नाम) रख लिया है।

हस्ताक्षर
नाम- राजीव गुप्ता
(RAJIIV GUPTA)

निवासी- मकान नं.- ए-025 सड़क- 18, सी.एस. आई.डी.सी. प्लाट, गौरव पथ अम्रपाली, वनांचल सिटी, औद्योगिक क्षेत्र भिलाई, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)

NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, **SIMPI D/O RAKESH MANI TRIPATHI,** resident of **Iris 249, Green Valley, Junwani Road, Bhilai, District Durg (C.G.),** solemnly declare that I have abandoned my old name and adopted the new name **SIMPI TRIPATHI D/O RAKESH MANI TRIPATHI.** Hence, from today onwards, I shall be known by my new name **SIMPI TRIPATHI D/O RAKESH MANI TRIPATHI** in all government, semi-government and other documents.

SIMPI TRIPATHI
Iris 249, Green Valley,
Junwani Road, Bhilai
District-Durg (C.G)

प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं मोहनी साहू (MOHANI SAHU) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) पति टेलू राम साहू (TELU RAM SAHU), उम्र 48 वर्ष, निवासी मकान नं. 404, वार्ड नं. 56, उरला दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) ने अपना पुराना नाम मोहनी साहू (MOHANI SAH) पति टेलू राम साहू (TELU RAM SAHU) (पुराना नाम) बदल कर जोहनी बाई (JOHANI BAI) पति टेलू राम साहू (TELU RAM SAH) (नया नाम) रख लिया है।

हस्ताक्षर (पुराने नाम से)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID - rmczone3@gmail.com

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. **36065** रायपुर, दिनांक **08.10.2026**
वार्ड का नाम - **31 - नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **31** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328S00088** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **ASHOK KUMAR CHATURVEDI S/O RADHA RAMAN CHATURVEDI , POOJA CHATURVEDI W/O ASHOK KUMAR CHATURVEDI** पिता / पति श्री/श्रीमती **1.S/O RADHA RAMAN CHATURVEDI , 2. W/O ASHOK KUMAR CHATURVEDI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **श्रीमती नेहा व्यास** पिता/पति श्री/श्रीमती **श्री सुधांशु व्यास** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID - rmczone3@gmail.com

ईश्तहार

नामांतरण प्र.क्र. **36085** रायपुर, दिनांक **08.10.2026**
वार्ड का नाम - **31 - नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **31** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR229D00150** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **MR. KARTIKRAM** पिता / पति श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **1. श्री हिरामन साहू 2. कमलेश कुमार साहू** पिता/पति श्री/श्रीमती **स्व. कार्तिक राम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAHMATI PATRA, SHAPATH PATRA MRITU PRAMAN PATRA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

" सूचना जारी करे "

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार पाटन,
जिला दुर्ग छ.ग.
रा.प्र.के. 202609100900034 अ-6 वर्ष 2025-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एंव ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सुचनार्थ प्रकाषित किया जाता है कि आवेदिका रश्मि पंडया पति मनीष पंडया निवासी भिलाई- 03 द्वारा ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1373/1, 1373/2, 1380/1, 1380/2, 1380/4, 1381, 1381/1, 1381/2, 1397/1, 1397/2, 1398/1, 1400/1, 1404/2, 1407/1, 1408/1, 1408/2 कुल रकबा 3.90 हे. में से 124.81 वर्ग मीटर भूमि को परगुन छाबड़ा पिता मोनेन्द्र छाबड़ा से पंजीकृत बैनामा दिनांक 06.05.2019 से क्रय आधार पर अपने नाम नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदिका रश्मि पंडया पति मनीष पंडया निवासी भिलाई 03 द्वारा प्रस्तुत आवेदन उपरोक्तानुसार नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 12.10.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29.09.2026 को जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार पाटन**

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202609101000112
विषयः- ब-121 मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2025-2026
छावनी प.ह.न. 00047 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - धन्ना लाल साहू,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक - धन्ना लाल साहू पिता/पति/विभाग- स्व. कलीराम साहू पता-कैम्प 02 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपने पुत्र सोहेल साहू आ. धन्ना साहू का जन्म दिनांक 31/03/203 को स्थान कैम्प 02 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग में होने से जन्म प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन पत्र के समर्थन में अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया है। 02 प्रकरण दर्ज हो। 03 इश्तहार का प्रकाशन हो। 04 दो गवाह का कथन अंकित किया जावे!

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 12.10.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 23/09/2026 को जारी किया जाता है।

DIKESHWAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मानपुर
जिला-मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक /Q/ अ.वि.अ. / 2026
मानपुर दिनांक 08/10/2026

एतत् जाता है कि द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया आवेदक श्री घनश्याम सिंह रावटे पिता आनंद राम जाति हल्बा निवासी ग्राम कांडे जिला बालोद (छ.ग.) द्वारा अपने नाम पर ग्राम कहडबरी प. ह.न. 11 रा.नि.मं. भर्रीटोला तहसील मानपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 49/2 रकबा 0.110 हेक्टेयर भूमि को व्यावसायिक प्रयोजन के लिये भूमि मद परिवर्तित करने हेतु आवेदन पत्र के साथ नक्शा, खसरा, बी-1 एवं बयनामा की छायाप्रति की प्रति पेश किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति व उजर हो तो अपना दावा/आपत्ति दिनांक 15/10/2026 तक मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। समय बाद प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 08/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मोहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व) मानपुर
मुहर — जिला-मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मानपुर
जिला-मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक /Q/ अ.वि.अ. / 2026
मानपुर दिनांक 08/10/2026

एतत् जाता है कि द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया आवेदिका श्रीमती भगेश्वरी भुआर्य पति यवन कुमार भुआर्य जाति हल्बा निवासी ग्राम कहडबरी तहसील मानपुर, जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.) द्वारा अपने नाम पर ग्राम कहडबरी प. ह.न. 11 रा.नि.मं. भर्रीटोला तहसील मानपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 49/4 रकबा 0.040 हेक्टेयर भूमि को व्यावसायिक प्रयोजन के लिये भूमि मद परिवर्तित करने हेतु आवेदन पत्र के साथ नक्शा, खसरा, बी-1 एवं बयनामा की छायाप्रति की प्रति पेश किया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति व उजर हो तो अपना दावा/आपत्ति दिनांक 15/10/2026 तक मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। समय बाद प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 08/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मोहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी
(राजस्व) मानपुर
मुहर — जिला-मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग !!
उदघोषणा
रा.प्र.क्र./ /अ-06/वर्ष 2026/27

एतद द्वारा सर्व साधारण की सूचित किया जाता अनेदक/आवेदिका... रुखमणी पिता/पति दिनेश,निवासी ग्राम- घोटवानी तहसील व जिला बेमेतरा के द्वारा ग्राम करहीडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं.236/48, रकबा 0.0223 हे. भूमि जो कि आवेदक एवं अन्य सहखातेदार के नाम पर शामिलात रूप से वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि का सभी खातेदारों के मध्य रजिस्टर्ड बंटवारानामा दिनांक 07/07/96 को किया गया है। उक्त रजिस्टर्ड बंटवारानामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 20/10/.26 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया आवेगा ।

आज दिनांक 01/10/26 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया ।

जारी दिनांक - 01/10/26
सुनवाई दिनांक-20/-10-26

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग**

!! न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग !!
उदघोषणा
रा.प्र.क./202609100700089/1-27/वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमती दुर्गा बाई साहू पति गजाधर साहू एवं अन्य 01 सहखातेदार निवासी वार्ड नं. 04, गयानगर, उरला रोड दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 856/75 रकबा 0.0203 हे./2184 वर्गफीट भूमि जो कि आवेदिका एवं अन्य सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि को आपसी सहमती के आधार पर खाता विभाजन कर पृथक-पृथक ऋण पुस्तिका प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 12/10/2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 26/09/2026 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

जारी दिनांक 26/09/2026
सुनवाई दिनांक 12/10/2026

मुहर — **तहसीलदार दुर्ग**

कार्यालय नगर पंचायत गुरुर, जिला-बालोद छ.ग.
Phone No: 07749-299800, Email: nagarpanchayatgurur@gmail.com

क्र./899/लोक कर्म/न.पं. / 2026-27 — गुरुर दिनांक 08/10/2026

-:: मैन्युअल पद्धति निविदा आमंत्रण प्रथम सूचना ::-

नगर पंचायत गुरूर में पार्षद निधि मद तहत् निम्नानुसार कार्य एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों (डी एवं उच्च वर्ग) से कार्य संपादन हेतु छ.ग. लो.नि.वि. के भवन, रोड एस. ओ. आर. 2026, E&M एस.ओ.आर. 2026 (अद्यतन संशोधित अनुसार) पर मुहरबंद निविदा प्रपत्र 'अ' एवं 'ब' मे द्वि-लिफाफा पद्धति में निविदाएँ अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 30.10.2026 समय सायं 5:00 बजे तक विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से निविदा प्रपत्र डाउनलोड एवं भरकर, स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। प्राप्त लिफाफा दिनांक 02.11.2026 को समय 11:00 बजे उपस्थित फर्म अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि
1	कार्य की कुल संख्या 17 नग	46.75	30.10.2026

उपरोक्त कार्य का निर्धारित अमानत राशि, निविदा की सामान्य शर्तें, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में देखा जा सकता है। निकाय से किसी भी प्रकार का भौतिक निविदा प्रपत्र प्रदाय नही किया जायेगा। समय-समय पर कार्यालय द्वारा प्रसारित समस्त आदेशों व निर्देशो को अक्षरतः पालन करना अनिवार्य होगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत गुरूर
जिला-बालोद (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार कोमाखान
जिला महासमुन्द (छ.ग.)
// ईश्तहार प्रकाशन //

क्र. 3300/तह./वा./2026 कोमाखान,
दिनॉक 30/09/2006
रा.प्र.क्र.......... ब/121/व 2025-26
ग्राम :- बकमा प.ह.न. 10 रा.नि.मं. कोमाखान
तहसील :- कोमाखान जिला महासमुन्द

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक नरेश नायक पिता सेऊक जाति बंजारा उम्र 27 वर्ष निवासी बकमा तहसील कोमाखान जिला महासमुंद छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि उनके पिता जी सेऊक का मृत्यु दिनांक 22.07.2011 को ग्राम बकमा में हुआ है। किन्तु आवेदक एवं उनके परिजनों की आज्ञातना एवं कानून की सही जानकारी नहीं होने के कारण आवेदक के पिता सेऊक के मृत्यु की सूचना नियत समय में ग्राम कोटवार एवं रजिस्ट्रार (जन्म/मृत्यु) बकमा को नहीं दे पाये। जिसके कारण रजिस्ट्रार (जन्म/मृत्यु) बकमा के द्वारा आवेदक के पिता सेऊक का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनाया गया। अतः आवेदक अपने पिता सेऊक पिता कमल जाति बंजारा का मृत्यु दिनांक 22.07.2011 घटना पंजीकृत किए जाने हेतु माननीय न्यायालय तहसीलदार कोमाखान के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में पंजीकृत है, जिसमें आगामी पेशी दिनांक 16/10/2026 को नियत है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/उजर / दावा या आपत्ति हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 16/10/ 2026 को उपस्थित होकर पेशी कर सकते हैं। बाद में प्राप्त का आक्षेप / उजर / दावा / आपत्ति अथवा आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार कोमाखान**

न्यायालय तहसीलदार कोमाखान
जिला महासमुन्द (छ.ग.)
// ईश्तहार प्रकाशन //

क्र. 3302/तह./वा./2026 कोमाखान,
दिनॉक 30/09/2006
रा.प्र.क्र.......... ब/121/व 2025-26
ग्राम :- बकमा प.ह.न. 10 रा.नि.मं. कोमाखान
तहसील :- कोमाखान जिला महासमुन्द

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि, आवेदक नरेश नायक पिता सेऊक जाति बंजारा उम्र 27 वर्ष निवासी बकमा तहसील कोमाखान जिला महासमुंद छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया गया है कि उनकी माता सामोबाई पति सेऊक का मृत्यु दिनांक 24.08.2018 को ग्राम बकमा में हुआ है। किन्तु आवेदक एवं उनके परिजनों की आज्ञातना एवं कानून की सही जानकारी नहीं होने के कारण आवेदक की माता सामोबाई के मृत्यु की सूचना नियत समय में ग्राम कोटवार एवं रजिस्ट्रार (जन्म/मृत्यु) बकमा को नहीं दे पाये। जिसके कारण रजिस्ट्रार (जन्म/मृत्यु) बकमा के द्वारा आवेदक की माता सामोबाई का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनाया गया। अतः आवेदक अपनी माता सामोबाई पति सेऊक जाति बंजारा का मृत्यु दिनांक 24.08.2018 घटना पंजीकृत किए जाने हेतु माननीय न्यायालय तहसीलदार कोमाखान के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण इस न्यायालय में पंजीकृत है, जिसमें आगामी पेशी दिनांक 16/10/2026 को नियत है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/उजर / दावा या आपत्ति हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो स्वयं या अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 16/10/ 2026 को उपस्थित होकर पेशी कर सकते हैं। बाद में प्राप्त का आक्षेप / उजर / दावा / आपत्ति अथवा आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर — **तहसीलदार कोमाखान**

न्यायालय तहसीलदार पाटन,
जिला दुर्ग छ.ग.
रा.प्र.के. 202609100900035 अ-6 वर्ष 2025-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एंव ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सुचनार्थ प्रकाषित किया जाता है कि आवेदिका रश्मि पंडया पति मनीष पंडया निवासी भिलाई- 03 द्वारा ग्राम सांकरा प.ह.नं. 06 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1373/1, 1373/2, 1380/1, 1380/2, 1380/4, 1381, 1381/1, 1381/2, 1397/1, 1397/2, 1398/1, 1400/1, 1404/2, 1407/1, 1408/1, 1408/2 कुल रकबा 3.90 हे. में से 63.15 वर्ग मीटर भूमि को परगुन छाबड़ा पिता मोनेन्द्र छाबड़ा से पंजीकृत बैनामा दिनांक 06.05.2019 से क्रय आधार पर अपने नाम नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदिका रश्मि पंडया पति मनीष पंडया निवासी भिलाई 03 द्वारा प्रस्तुत आवेदन उपरोक्तानुसार नामांतरण की कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 12.10.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 29.09.2026 को जारी किया गया।

मुहर — **तहसीलदार पाटन**

कार्यालय अस्पताल अधीक्षक एवं एकेडेमिक इंचार्ज
दाऊ कल्याण सिंह स्नाकोत्तर संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र, रायपुर (छ.ग.)
(वेबसाईट-www.dkspgi.in ई-मेल dkspgi@gmail.com)

क्रमांक / 5288 / डी.के.एस. / रख-रखाव — रायपुर, दिनांक 05/10/2026

// निविदा सूचना //

दाऊ कल्याण सिंह स्नातकोत्तर संस्थान एवं अनुसंधान केन्द्र, रायपुर मे 'स्थापित 300 नग Syring Pump मशीनों के सर्विस / मरम्मत कार्य हेतु जेम पोर्टल के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा शुल्क राशि रूपये 1000/- (रूपये एक हजार मात्र) का '**अस्पताल अधीक्षक एवं एकेडेमिक इंचार्ज, डी.के.एस. पोस्ट ग्रेज्युएट इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेंटर**' के नाम से देय डिमांड ड्राफ्ट दिनांक 04/10/2026 से कार्यालयीन दिवस में आवेदन प्रस्तुत कर जमा किए जा सकते है, जो वापसी योग्य नहीं है।

निविदा प्रारंभ तिथि	दिनांक 03-10-2026 से प्रारंभ
जेम पोर्टल पर ऑनलाईन माध्यम से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 30-10-2026 समय शाम 5.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 31-10-2026 समय शाम 5.00 बजे

नोट- निविदा संबंधी शेष जानकारी जेम पोर्टल पर उपलब्ध है।

अस्पताल अधीक्षक एवं एकेडेमिक इंचार्ज
दाऊ कल्याण सिंह स्नाकोत्तर संस्थान एवं
अनुसंधान केन्द्र रायपुर (छ.ग.)

जी-262703862/3

कार्यालय प्राचार्य
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था विश्रामपुरी
जिला- कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)
Email: iti_vishrampuri@yahoo.in

क्रमॉक / औप्रसं/ विश्रा./ मे.प्र.भर्ती / 2026/340 — विश्रामपुरी, दिनांक- 06/10/2026

// विज्ञापन //

संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण, (प्रशिक्षण पक्ष) इन्द्रावती भवन, ब्लॉक नं0-4, प्रथमतल, अटल नगर, नवा रायपुर द्वारा मेहमान प्रवक्ताओं हेतु जारी विभिन्न आदेशों व निर्देशों तथा संयुक्त संचालक (प्रशिक्षण), औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाएँ, क्षेत्रीय कार्यालय बस्तर क्षेत्र जगदलपुर के आदेशानुसार औ. प्र. संस्था विश्रामपुरी, जिला-कोण्डागांव, नोडल अंतर्गत संचालित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में स्वीकृत प्रशिक्षण अधिकारी के रिक्त पदों के विरूद्ध व्यवसायों / विषयों के लिये प्रशिक्षण सत्र 2026-2027 के लिये मेहमान प्रवक्ता (Guest Lecturer) हेतु आवेदन आमंत्रित किया जाता है। आवेदन निर्धारित प्रारूप में स्पीड पोस्ट / रजिस्टर्ड डाक अथवा स्वयं उपस्थिति के माध्यम से कार्यालय नोडल अधिकारी / प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, विश्रामपुरी, जिला- कोण्डागांव (छ.ग.) 494347 में आवेदन जमा कर सकते है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 23/10/2026 को सायं 5:00 बजे तक है। पदों की जानकारी एवं शैक्षणिक / तकनीकी योग्यताएँ, निर्धारित मापदण्ड निम्नानुसार है :-

1. पदों की जानकारी :-

क्र.	व्यवसाय / विषय का नाम	औप्रसं धनोरा	कुल
01	स्टेनोग्राफर सेक्रेटेरियल असिस्टेंट (हिन्दी)	01	01
	महायोग	01	01

मेहमान प्रवक्ता के आवेदन हेतु नियम / शर्ते / योग्यता/आवेदन का प्रारूप एवं अन्य जानकारी संस्था के सूचना पटल पर देखी / प्राप्त की जा सकती है, एवं जिला- कोण्डागांव के वेबसाईट **http://kondagaon.gov.in** पर भी देखी / प्राप्त की जा सकती है।

नोडल अधिकारी
शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था विश्रामपुरी
जिला- कोण्डागांव छ.ग.)

जी-262703837/2

पीएम जनमन के सड़क निर्माण में गुणवत्ता पर सख्ती, कमियां मिलने पर नोटिस जारी करने के निर्देश

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री भीम सिंह ने गरियाबंद में सड़क.पुल निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

गरियाबंद/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान पीएम जनमनद्ध के अंतर्गत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह कमार जनजाति की बसाहटों को बेहतर सड़क संपर्क एवं बुनियादी सुविधाओं से जोड़ने के लिए जिले में सड़क और पुल निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव तथा छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के सह मुख्य कार्यपालन अधिकारी भीम सिंह ने शुक्रवार को गरियाबंद जिले में पीएम जनमन योजना के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ताए निर्धारित मापदंडों के पालन और प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कमार जनजाति की बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ने वाली तीन सड़कों का अवलोकन किया। इनमें रक्सा से कमारपारा मार्ग की लंबाई 1.57 किलोमीटरए गुंडरदेही मुख्य मार्ग से कमारपारा .बामनदेही मार्ग की लंबाई 1.55 किलोमीटर तथा खैरझिटी से कमारपारा वाया भेंड्री मार्ग की लंबाई 1.95 किलोमीटर है। इन तीनों सड़कों की कुल लंबाई 5.07 किलोमीटर है। सचिव भीम सिंह ने निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही सामग्रीए सड़क की मोटाईए गुणवत्ता और कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन सुनिश्चित करने तथा गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई में महिलाओं के कार्यों की सराहना .निरीक्षण के अगले चरण में विकासखंड फिंगेश्वर के ग्राम देवरी में प्रज्ञा स्व.सहायता समूह द्वारा संचालित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई का निरीक्षण किया गया।

30 मीटर लंबे वृहद पुल का किया निरीक्षण .

सड़क निरीक्षण के दौरान भेंड्री से खैरझिटी मार्ग पर आरडी 1350 मीटर पर निर्माणाधीन 30 मीटर लंबे वृहद पुल का भी जायजा लिया गया। अधिकारियों ने पुल की नींवए संरचना और निर्माण में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच की। इस पुल के निर्माण से बरसात के दौरान आवागमन में होने वाली कठिनाइयों को दूर करने में मदद मिलेगी। साथ ही आसपास के ग्रामीणों को वर्षभर सुगम सड़क संपर्क उपलब्ध हो सकेगा। श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को पुल निर्माण में तकनीकी मानकों का पालन करने तथा गुणवत्ता के साथ समयबद्ध कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

रक्सा.कमारपारा सड़क में मिली कमियांए नोटिस जारी करने के निर्देश .

निरीक्षण के दौरान रक्सा से कमारपारा मार्ग के निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुधार की आवश्यकता पाई गई। इसके अलावा सड़क के दोनों किनारों पर बनाए जाने वाले शोल्डर की चौड़ाई भी निर्धारित मापदंडों के अनुरूप नहीं मिली। इस पर श्री भीम सिंह ने संबंधित सहायक अभियंताए उप अभियंता एवं ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

मोटर यान अधिनियम का उल्लंघन करने वाले 24 वाहनों पर की गई कार्रवाई

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। सड़क सुरक्षा की दृष्टि से जिले में संचालित ऑटो व ई-रिक्शा का परिवहन उड़नदस्ता टीम द्वारा मोटर यान अधिनियम का पालन नही करते हुए उल्लंघन कर संचालित ऐसे 24 वाहनों पर मोटर यान अधिनियम के अनुसार कार्यवाही करते हुए कुल 36500 रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है। साथ ही ई-रिक्शा, आटो आदि वाहनो को नियमों का पालन करते हुए आवश्यक वैध दस्तावेज के साथ बैठक क्षमता के अनुसार सवारी लेकर संचालन करने की संबंध में समझाईश दी गई।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने किया तीन कार्टन दवा जब्त

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। गुरुवार को खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार ग्राम मल्दा में एक घर से जांच के दौरान विभिन्न प्रकार के 3 कार्टून दवाई जब्त किया।औषधि निरीक्षक ने बताया कि शिकायत के आधार पर तहसील कसडोल के ग्राम मल्दा के हरनारायण केवट के निवास स्थान से वृहद मात्रा में विभिन्न प्रकार के एलोपैथिक औषधियां लगभग 40 प्रकार की ब्रांडेड व एथिकल दवाईयों को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1940 व अधिनियम 1945 के तहत फॉर्म 16 जब्ती पत्रक में 3 बड़े कार्टून में जब्त किया गया। साथ ही 2 अलग प्रकार के औषियों का नमूना जांच व विश्लेषण हेतु लिया गया।जब्ती के पश्चात् न्यायालय द्वारा अभिरक्षा प्राप्त कर आगे की कार्यवाहिय की जाएगी। इस कार्यवाही में औषधि निरीक्षक नीलिमा, प्रियंका ध्रुव, प्रशिक्षु औषधि निरीक्षक गिरजाशंककर, नमूना सहायक अमृत लाल कोसले तथा आरक्षक आमिर कुमार राय मौजूद थे।

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में जांच के दौरान निरीक्षण टीम ने पाई कमी,नोटिस जारी

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। शुक्रवार को कारखाना अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड कुकुरदी का कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार संयुक्त दल द्वारा निरीक्षण किया गया। कारखाने में संग्रहित अपशिष्ट पदार्थों के रख-रखाव के संबंध में पायी गई कमियों को दूर करने हेतु कारखाना प्रबंधन को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। इस दौरान जांच दल द्वारा कारखाने में स्थापित शेड की जांच की गई एवं संग्रहित अपशिष्ट पदार्थो के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। अपशिष्ट पदार्थो के बेहतर रख- रखाव सहित अन्य सुरक्षा मानको के सम्बन्ध मे जरुरी निर्देश दिये गए। नोटिस के सम्बन्ध मे कमियों को दूर नहीं किए जाने पर कारखाने के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी । जाँच दल में उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रम अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी तथा खनिज विभाग के अधिकारी शामिल थे।

डोंगरगढ़ में अवैध शराब बिक्री करते एक आरोपी गिरफ्तार, 28 पौवा देशी शराब जब्त

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने के लिए डोंगरगढ़ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को प्रज्ञागिरी पहाड़ी मेन रोड के पास अवैध रूप से देशी शराब बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की गई। इस दौरान आरोपी किशन उइके (33 वर्ष), निवासी वार्ड नंबर 11, महावीर पारा, मेला ग्राउंड, डोंगरगढ़ के कब्जे से 28 पौवा शोले मसाला देशी शराब, कुल 5.040 बल्क लीटर, कीमत ?2,800 बरामद की गई। साथ ही शराब बिक्री की ?200 नकद राशि भी जब्त की गई। जब्त संपत्ति की कुल कीमत ?3,000 बताई गई है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया गया। इसके बाद न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के दिशा-निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस टीम का नेतृत्व थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक सुमन जायसवाल एवं रामेश्वर प्रसाद देशमुख ने किया। डोंगरगढ़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री और अन्य असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

50 लाख से संवरेगा ग्राम तुलसी-बाराडेरा का मुख्य तालाब, मंत्री खुशवंत और अनुज ने किया भूमिपूजन

धरसींवा/नवप्रदेश। धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के विकास की कड़ी में आज एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है। क्षेत्र के ग्राम तुलसी (बाराडेरा) स्थित मुख्य तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का भव्य भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण से स्वीकृत ?50 लाख की लागत से इस तालाब का कायाकल्प किया जाएगा। इस गरिमय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में धरसींवा विधायक अनुज शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और विधायक अनुज शर्मा ने मुख्य तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य के लिए विधिवत पूजा-अर्चन कर आधारशिला रखी। इस विकास कार्य की शुरुआत होने पर पूरे गांव में उत्सव का माहौल देखा गया। ग्रामीणों ने अतिथियों का फूल-मालाओं, ढोल-नगाड़ों और शानदार आतिशबाजी के साथ गर्मजोशी से ऐतिहासिक स्वागत किया।

चेतावनी: निराकरण नहीं हुआ तो फिर पहुंचेंगे मुख्यमंत्री के पास

धमधा के सैकड़ों किसान रायपुर पहुंचे, कबीर चौक के पास पुलिस ने रोका; ज्ञापन दीवार पर चस्पा कर 14 दिन का अल्टीमेटम

किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल बोले—किसानों की मांगों को लेकर लगातार मुख्यमंत्री से कर रहे हैं आग्रह

33 दिनों से कमिक भूख

किसानों का कहना है कि वे लंबे समय से अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शासन और मुख्यमंत्री से आग्रह कर रहे हैं। इसके बावजूद अपेक्षित समाधान नहीं मिलने के कारण उन्हें आंदोलन जारी रखना पड़ रहा है।

रास्ते में कई जगह रोका गया किसानों का काफिला

8 अक्टूबर को सैकड़ों किसान और महिलाएं अपनी मांगों को लेकर रायपुर की ओर रवाना हुए। किसानों के अनुसार, रास्ते में पुलिस प्रशासन ने पथरिया चौक और मुरमुंदा में उनके काफिले को रोका। इसके बाद रायपुर में कबीर चौक के पास भी किसानों को आगे बढ़ने से रोक दिया गया। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात थे और वाटर कैनन की व्यवस्था भी की गई थी। किसान मुख्यमंत्री निवास तक पहुंचकर ओएसडी को ज्ञापन सौंपना चाहते थे, ताकि उनकी मांगें शासन तक सीधे पहुंच सकें।

हड़ताल पर किसान

किसान बंधु संगठन, धमधा ब्लॉक के नेतृत्व में किसान पिछले 33 दिनों से क्रमिक भूख हड़ताल कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि पूर्व में मुख्यमंत्री निवास में प्रतिनिधिमंडल द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने के बाद भी उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण किसानों ने दोबारा रायपुर कूच कर शासन तक अपनी बात पहुंचाने का निर्णय लिया।

धमधा/नवप्रदेश। - किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर किसान बंधु संगठन, धमधा ब्लॉक के नेतृत्व में आंदोलन कर रहे सैकड़ों किसान और महिलाएं 8 अक्टूबर 2026 को रायपुर पहुंचे। मुख्यमंत्री निवास में अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपने निकले किसानों को रास्ते में पथरिया चौक, मुरमुंदा और रायपुर के कबीर चौक के पास पुलिस प्रशासन ने रोक दिया। इस दौरान मौके पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात रहे, वहीं वाटर कैनन भी मौके पर मौजूद रही। मुख्यमंत्री निवास तक पहुंचकर ओएसडी (विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी) को ज्ञापन सौंपने की मांग पर अड़े किसानों ने अंततः अपना आवेदन दीवार पर चस्पा कर दिया। इसके साथ ही किसानों ने ऐलान किया कि यदि उनकी मांगों का 14 दिवस के भीतर निराकरण नहीं किया गया, तो वे पुनः मुख्यमंत्री के पास पहुंचकर अपनी समस्याओं को रखेंगे।

तहसीलदार ज्ञापन लेने पहुंचे, ओएसडी को ही देने की मांग पर अड़े किसान: किसानों के बीच ज्ञापन लेने के लिए तहसीलदार पहुंचे। प्रशासन की ओर से ज्ञापन लेने की पहल की गई, लेकिन किसान मुख्यमंत्री निवास के ओएसडी को ही आवेदन सौंपने की मांग पर अड़े रहे। किसानों का कहना था कि वे पहले भी ज्ञापन सौंप चुके हैं और इस बार अपनी मांगों को सीधे मुख्यमंत्री निवास तक पहुंचाना चाहते हैं। ज्ञापन सौंपने को लेकर सहमति नहीं बनने पर किसानों ने अंततः अपना आवेदन दीवार पर चस्पा कर दिया।

बाबा टेक सिंह चंदेल बोले—लगातार मुख्यमंत्री से कर रहे हैं आग्रह: किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल ने कहा कि किसानों की मांगों को लेकर हम निरंतर मुख्यमंत्री से आग्रह कर रहे हैं, लेकिन अब तक समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। किसान पिछले 33 दिनों से क्रमिक भूख हड़ताल कर अपनी मांगों को शासन तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके बावजूद किसानों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी मांगें किसी एक किसान या एक गांव तक सीमित नहीं हैं। बैंक ऋण में राहत, पात्र किसानों को वन टाइम सेटलमेंट (ह्वञ्जस्) का लाभ और बैंक ऋण के कारण कुर्क एवं नीलाम की गई कृषि भूमि वापस दिलाने जैसी समस्याएं किसानों के भविष्य से जुड़ी हुई हैं।

थाना परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

पिथौरा/नवप्रदेश। आगामी त्यौहार नवरात्रि, दशहरा एवं प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पिथौरा नगर थाना परिसर में शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों के बीच आगामी पर्वो की व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

समय-सीमा और यातायात व्यवस्था पर विशेष जोर

एसडीओपी अजीत ओगरे ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नगर में गरबा उत्सव पारंपरिक रूप से धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने सभी आयोजकों से अपील की कि कार्यक्रमों के दौरान निर्धारित समय-सीमा और ध्वनि विस्तारक यंत्रों से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। इसके साथ ही, त्यौहारों और विसर्जन के दौरान नगर में यातायात व्यवस्था सुगम बनाए रखने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में यह रहे उपस्थित

बैठक में मुख्य रूप से एसडीएम शुभम देव, तहसीलदार मोहित अमिला , एसडीओपी अजीत ओगरे, थाना प्रभारी सिद्धार्थ मिश्रा, नगर पंचायत उपाध्यक्ष वीरेन तिवारी एवं शीतला समिति अध्यक्ष प्रेमलाल सिन्हा उपस्थित रहे।

इसके साथ ही सुरेश बंसल, राजिंदर खनूजा , नंद किशोर अग्रवाल,बलराज नायडू परमीत सिंह माटा, विजय गुप्ता, जतिन ठक्कर, रमेश श्रीवास्तव, लोचन चौहान, सुमित अग्रवाल, जितेंद्र सिंह, गोपाल शर्मा, विकास अग्रवाल, सतीश ध्रुव, विक्की सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और मीडिया प्रतिनिधि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जायसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा किशोरी छात्राओं के लिए स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन

धरसीवा/नवप्रदेश। जायसवाल नेको इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के अंतर्गत कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एस के स्वेन के मार्गदर्शन एवं मानव संसाधन विभाग के अध्यक्ष आलोक पांडे के निर्देशन में आज संयंत्र परिधीय क्षेत्र शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, परसतराई में किशोरी छात्राओं के लिए एक स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना, साथ ही उनके आत्मविश्वास और मनोबल को सशक्त बनाना था।

इस अवसर पर बोर्नियो मदर एंड चाइल्ड केयर हॉस्पिटल, रायपुर की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नवमिता माजी ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक बदलाव, व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी और छात्राओं के साथ संवादात्मक चर्चा की।

विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती सृष्टि सिवान एवं शिक्षकों ने जायसवाल नेको इंडस्ट्रीज लिमिटेड की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की और समुदाय कल्याण एवं युवा छात्राओं के हित के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया।

उपरोक्त कार्यक्रम में नेको कंपनी से राम स्नेही गौराहा एवं राजेंद्र राठौड़ की सहभागिता रही ।

बिहान से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं ग्रामीण महिलाएं आमसभा में शामिल हुई जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव

छुरिया/नवप्रदेश। खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत महाराजपुर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों एवं ग्राम संगठनों द्वारा आयोजित ग्राम संगठन सम्मेलन में जिला पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत राजनांदगांव सभापति श्रीमती अनीता मंडावी ने की साथ ही इस अवसर पर जनपद पंचायत छुरिया सभापति श्रीमती उत्तरा निषाद, जनपद पंचायत छुरिया सदस्य श्रीमती चुनिया बाई कंवर , श्रीमती क्षमा तिवारी संरपंच ग्राम पंचायत महाराजपुर, श्री टीकम दास साहू ग्राम पटेल,श्रीमती नीपा साहू अध्यक्ष ग्राम संगठन, श्रीमती चुन्नी कंवर कोषाध्यक्ष, श्रीमती मंजू बाई कंवर कोषाध्यक्ष, श्रीमती शारदा कंवर, श्रीमती मिथलेश कंवर, श्रीमती सकिला बाई कंवर, श्रीमती लता साहू समेत महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

ग्राम सभा बैठक में लिया गया ऐतिहासिक अनोखा निर्णय

मैनपुर राजापड़ाव क्षेत्र के चार गाँव में दारू बंद, बनाने वालों पर 10 हजार एवं पीकर हंगामा करने वालो को 20 हजार जुर्माना

मैनपुर/नवप्रदेश। - गरियाबंद जिला के विकासखंड मैनपुर अंतर्गत राजापड़ाव क्षेत्र के ग्राम पंचायत अड़गडी के सभा भवन में चार ग्राम जरहीडीह, कोसुममुडा, अड़गड़ी और पेंड्रा के ग्राम सभा सदस्यों की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता ग्राम सभा अध्यक्ष बरनूराम नेताम ने की एवं बैठक का शुभारंभ भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और माटी महतारी की पूजा अर्चना के साथ किया गया वहीं इस बैठक में सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष ग्राम सभा सदस्य उपस्थित रहे जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही। बैठक का मुख्य एजेंडा नशापान के कारण हो रहे लड़ाई झगड़ा और मारपीट पर रोक लगाकर शांतिमय एवं सभ्य समाज की स्थापना करना था। ग्राम सभा ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि हमारा क्षेत्र पांचवीं अनुसूची क्षेत्र है। यहां देवी देवताओं पर्व जातरा, छट्ठी, मृत्यु और शादी जैसे सामाजिक कार्यों में मात्र 5 लीटर दारू से ही कार्य होना है। नशाबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए ग्राम सभा ने दंड का प्रावधान रखा है गाँव में हाथ भट्ठी दारू बनाते पकड़े जाने पर 10 हजार रुपये जुर्माना पुख्ता सबूत के साथ सूचना देने वाले को 2500 रुपये का इनाम गाँव का व्यक्ति दारू पीकर लड़ाई झगड़ा, हुड़दंग और मारपीट करने पर 25 हजार रुपये जुर्माना।

40 सदस्यीय निगरानी समिति का गठन

निर्णय के क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक गाँव से 5 महिला और 5 पुरुष सहित कुल 40 सदस्यों की समिति का गठन किया गया है। समिति में सभी वर्गों को समाहित किया जाएगा। यह समिति हर माह गाँव वार बैठक कर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करेगी और ग्राम सभा के समक्ष फैसला रखेगी। इसके अलावा समिति शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कार्य करेगी जिसमें विद्यालय और आँगनबाड़ी केंद्रों में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति और पढ़ाई की गुणवत्ता पर भी निगरानी रखी जाएगी। इस कार्य में ग्राम पंचायत अड़गड़ी का पूर्ण सहयोग रहेगा। बैठक में थाना शोभा के पुलिस अधिकारियों ने भी उपस्थित होकर नशापान से होने वाले दुष्परिणामों और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जानकारी दी तथा ग्राम सभा के इस निर्णय का स्वागत करते हुए सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में प्रमुख रूप से ग्राम सभा अध्यक्ष बरनू राम नेताम, सरपंच फूलमती बाई नेताम, सरपंच प्रतिनिधि कृष्ण कुमार नेताम, सचिव अनिला नेताम, मंगलुराम नेताम, मोहिता गोटा, मोतीराम नेताम, बैशाख राम नेताम, बसीद राम मरकाम, अभिराम मरकाम सहित चारों ग्रामों के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

चौथना-अण्डी मार्ग पर सरकारी गोदाम के पीछे मुरुम का अवैध खनन नव प्रदेश में खबर चलने के बाद हरकत में आया खनिज विभाग

अधिकारी भारत बंजारे ने मौके पर पहुंचकर किया निरीक्षण, पंचनामा तैयार कराया; बोले—अवैध खनन तो हुआ ही है।

डोंगरगढ़/नवप्रदेश। चौथना से अण्डी जाने वाले मार्ग पर स्थित सरकारी गोदाम के पीछे बड़े भू-भाग में मुरुम की खुदाई का मामला नव प्रदेश में सामने आने के बाद खनिज विभाग तक पहुंचा। खबर की जानकारी मिलते ही खनिज विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया।खनिज विभाग के अधिकारी भारत बंजारे मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बड़े हिस्से में जमीन की खुदाई कर मुरुम निकाले जाने के निशान मिले। मौके पर जगह-जगह गहरे गड्ढे दिखाई दिए, जिससे बड़े पैमाने पर मुरुम उत्खनन किए जाने की स्थिति सामने आई।

मौके पर तैयार किया गया पंचनामा

निरीक्षण के दौरान खनिज विभाग की टीम ने मौके की स्थिति को दर्ज करते हुए पंचनामा भी तैयार कराया। स्थल पर मौजूद स्थिति, खुदाई और मुरुम निकाले जाने से जुड़े तथ्यों को पंचनामा में दर्ज किया गया।

निरीक्षण के बाद खनिज विभाग के अधिकारी भारत बंजारे ने स्पष्ट रूप से कहा कि मौके पर ÷अवैध खनन तो हुआ ही है।÷ अधिकारी के इस बयान के बाद अब मामले में विभागीय कार्रवाई की दिशा साफ होती नजर आ रही है।

अब सामने आएगा कितना हुआ खनन

मामले में अब यह जांच महत्वपूर्ण होगी कि मौके से कितनी मात्रा में मुरुम निकाली गई, किसके द्वारा खुदाई कराई गई और निकाली गई मुरुम को कहां ले जाया गया। साथ ही खनन के लिए किसी प्रकार की अनुमति ली गई थी या नहीं, इसकी भी जांच की जाएगी। ग्रामीणों की शिकायत और भारत नेशन न्यूज़ की खबर के बाद खनिज विभाग द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर निरीक्षण एवं पंचनामा तैयार किया जाना इस मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब विभागीय जांच के बाद संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है, इस पर सबकी नजर बनी।

रोशनी, संगीत और नृत्य से जीवंत हुई 'नमो सेवा गाथा'

प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन की अनकही कहानियों की भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को किया प्रेरित

सेवा संकल्प अभियान के तहत कला मंदिर भिलाई में लाइट एंड साउंड कार्यक्रम सम्पन्न

दुर्ग/नवप्रदेश। रोशनी, संगीत और नृत्य के समन्वय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की अनकही कहानियां आज भिलाई के सिविक सेंटर स्थित कला मंदिर में जीवंत हुईं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शाम 5 बजे आयोजित 'नमो सेवा गाथा' पर आधारित लाइट एंड साउंड कार्यक्रम में कलाकारों ने सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रसंगों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी। लगभग एक घंटे की इस प्रस्तुति को दर्शकों ने तन्मयता से देखा और प्रेरणास्पद बताते हुए सराहा।

संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से गुरतुर लोक सेवा संस्थान द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के सेवाकाल से जुड़े विभिन्न पड़ावों को कला और नृत्य के माध्यम से मंच पर उतारा गया। गुजरात भूकंप के दौरान सहायता, कोविड काल में राहत के प्रयास, आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई, नक्सल उन्मूलन, कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे प्रमुख विषयों को प्रस्तुति में शामिल किया गया। इसके साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को भी प्रभावी ढंग से दर्शाया गया।

मंच पर बदलते प्रकाश, संगीत और कलाकारों के भावपूर्ण अभिनय ने इन प्रसंगों को आकर्षक स्वरूप दिया। प्रस्तुति में आपदा के समय सहायता और संवेदनशीलता से लेकर राष्ट्र की सुरक्षा तथा विकसित भारत के निर्माण तक की यात्रा को पिरोया गया। सेवा की भावना को केंद्र में रखकर प्रस्तुत इस गाथा ने दर्शकों को जनसेवा और देश के विकास में सहभागिता का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं की झलक की भी आकर्षक प्रस्तुति दी गई। उपस्थित जनों ने कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए 'नमो सेवा गाथा' को प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, छ.ग. राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, विधायक वैशाली नगर रिकेश सेन, खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, वरिष्ठ नागरिक सुरेन्द्र कौशिक एवं पुरूषोत्तम देवांगन सहित अन्य गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

श्मशानघाट व शास्त्री नगर में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम संपन्न

उत्कृष्ट सेवा हेतु कार्यकर्ता, सहायिका व मितानिन बहनें सम्मानित

भिलाई/नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आज आंगनबाड़ी केंद्र मशानघाट, शास्त्री नगर 01 एवं शास्त्री नगर 02 में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पोषण जागरूकता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की सुदृढ़ता तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भिलाई महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक, वार्ड पार्षद लक्ष्मी साहू, पूर्व पार्षद (सेक्टर-4) निर्मला नायडू, परियोजना अधिकारी पद्मजा सिन्हा तथा पर्यवेक्षक किरण देवांगन उपस्थित रहीं।

अतिथियों ने क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहकर स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं जन-जन तक पहुँचाने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं तथा मितानिनों के समर्पण की सराहना की। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली कार्यकर्ता तब्बसुम, रंजना बड़गे, रूखमणी कश्यप एवं सहायिका प्रतिभा, कबूतरी देवी व दुर्गा कुटारे को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सतत सहयोग देने वाली मितानिन निर्मला देवांगन, खिलेश्वरी एवं अनीता का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थी महिलाओं–संगीता पटेल, प्रियंका, खुश्बू भगत, आरती साव, ज्ञानमती तथा निशा खोब्रागडे को योजना से मिलने वाले लाभ, पोषण आहार एवं बच्चों के नियमित टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी गई। अतिथियों एवं विभागीय अधिकारियों ने उपस्थित महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र समाज के स्वास्थ्य और पोषण की मजबूत नींव हैं, और जनभागीदारी से ही सुपोषित समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

सामान्य निर्वाचन को लेकर सुपरवाइजर और बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

भिलाईनगर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम भिलाई में आगामी स्थानीय निर्वाचन एवं सामान्य निर्वाचन की तैयारियों को लेकर सुपरवाइजर, प्राधिकृत अधिकारी एवं बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के लिए साइंस कालेज दुर्ग में दोपहर प्रथम पाली 12 बजे एवं द्वितीय पाली 2:30 बजे से प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में एसडीएम की उपस्थिति में निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं, कार्यों एवं जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन प्रक्रिया को व्यवस्थित, पारदर्शी एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक जानकारी प्रदान करना था। इस दौरान सुपरवाइजर एवं बीएलओ को मतदाता सूची से जुड़े कार्यों, मतदाताओं के विवरण के सत्यापन, नए मतदाताओं के पंजीयन तथा निर्वाचन संबंधी दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही निर्वाचन से संबंधित कार्यों में सतर्कता, जिम्मेदारी एवं आपसी समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा निर्वाचन संबंधी तैयारियों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से इस प्रकार का प्रशिक्षण आयोजित किया गया, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा निर्वाचन संबंधी सभी कार्य नियमानुसार संपन्न कराए जा सकें।

11 अक्टूबर को कलश स्थापना के साथ क्वांर नवरात्रि का शुभारंभ

नवरात्रि पर मां सतरूपा शीतला मंदिर में 1601 मनोकामना ज्योत होंगे प्रज्ज्वलित

दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का लगेगा मेला

दुर्ग/नवप्रदेश। सिविल लाइन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध मां सतरूपा शीतला मंदिर में क्वांर नवरात्रि पर्व पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। नवरात्रि के पहले दिन 11 अक्टूबर को शुभ मुहूर्त में सुबह 11:36 बजे कलश स्थापना के साथ मनोकामना ज्योत प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इस वर्ष मंदिर में कुल 1601 मनोकामना ज्योत प्रज्ज्वलित होंगे। इनमें देश-विदेश के श्रद्धालुओं द्वारा प्रज्ज्वलित किए जाने वाले ज्योत भी शामिल हैं। नवरात्रि पर्व को लेकर मंदिर में विशेष साज-सज्जा के साथ अन्य तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं।

सतरूपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू ने बताया कि 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक चलने वाले नवरात्रि पर्व के दौरान प्रतिदिन धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विभिन्न जस गायन मंडलियों द्वारा जसगीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। मां सतरूपा शीतला के दर्शन और मनोकामना ज्योत के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

नवरात्रि पर्व के अंतर्गत 15 अक्टूबर को पंचमी के अवसर पर कलश चढ़ावा एवं माता का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। इसी दिन शाम 4 बजे बाना परधनी का आयोजन होगा। 19 अक्टूबर को महाअष्टमी पर्व पर शाम 4 बजे हवन-पूजन किया जाएगा। इसके पश्चात शाम 6 बजे से कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन होगा।

वहीं 20 अक्टूबर को महानवमी के अवसर पर दोपहर 2 बजे से ज्योत-जंवारा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। नौ दिनों तक मंदिर में माता की आराधना, जसगीत और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों से भक्तिमय वातावरण बना रहेगा।

सात स्वरूपों में विराजमान हैं मां शीतला

समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू ने बताया कि मंदिर में मां शीतला सात स्वरूपों में विराजमान हैं। मंदिर परिसर के समीप स्थित स्वयंभू जलकुंड यहां की विशेष धार्मिक पहचान है, जिसका पानी कभी नहीं सूखता। धार्मिक मान्यता है कि इस जलकुंड के जल का सेवन एवं उपयोग करने से असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है और श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी आस्था के चलते क्वांर एवं चैत्र नवरात्रि के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है।

आकर्षक विद्युत सज्जा से जगमगाया मंदिर

नवरात्रि पर्व को लेकर मंदिर में विशेष साज-सज्जा की गई है। रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी और तोरण-पताकाएं मंदिर की सुंदरता बढ़ा रही हैं। सतरूपा शीतला सेवा समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य आयोजन को सफल बनाने के लिए जुटे हुए हैं।

तैयारियों में समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिव सागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र धर्माकर, संयुक्त सचिव चम्पा साहू, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य तामेश्वर यादव , पुष्पा श्रीवास , सदस्य भीखम साहू, कृष्णा देशमुख, गणेश निर्मलकर, धनेश सिंह राजपूत, राजेश साहू, राजेन्द्र शर्मा, दीनानाथ निर्मलकर, ईश्वर अग्रवाल, श्रीधर भजने, हेमसिंह ठाकुर, राजेन्द्र सिंह चंदेल, राजा सिंह राजपूत, अरुण साहू,भारतेंदु गौतम, नरेश कुटारे, बैगा श्यामलाल यादव, राखी ठवकर ईशा ठाकुर सहित अन्य सदस्य और श्रद्धालु सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

सत्यजीत रे फ़िल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट, कोलकाता
विशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत डीम्ड यूनिवर्सिटी
(सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत)
ई. एम. बाईपास रोड, पंचशायर, कोलकाता - 700094

विज्ञापन संख्या: SRFTI/RECTT/2026-27/006

रोज़गार सूचना

सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट, कोलकाता, भारत के नागरिकों से निम्नलिखित पदों के लिए सीधी भर्ती और प्रतिनियुक्ति के आधार पर आवेदन आमंत्रित करता है।

क्रम सं.	पद का नाम	पदों की संख्या	आरक्षण	पे लेवल	भर्ती का तरीका
1)	अकाउंट्स ऑफिसर	01 (एक)	अनारक्षित	लेवल - 7 (रु. 44900-142400/-)	सीधी भर्ती के आधार पर
2)	असिस्टेंट	01 (एक)	लागू नहीं	लेवल - 5 (रु. 29200-92300/-)	प्रतिनियुक्ति के आधार पर

अधिक जानकारी के लिए, www.srfti.ac.in पर लॉग ऑन करें
CBC 22107/11/0013/2627

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in
(2nd Call)

NIT NO: 974/RAIPUR **DATED- 09.10.2026**

Online bids are invited for the following works of works up to **26.10.2026 at 17:30** hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate (In Lacs)
1	201331	शहीद बिग्रेडियर उस्मान वार्ड 63 अंतर्गत साहू पारा टिकरापारा में आंगनबाड़ी केन्द्र निर्माण कार्य।	11.69 (Lakh)

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from **09.10.2026, 17:30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE:- 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email-ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**
3. For More Details please download NIT details.

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
(ZONE NO. 06)
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

प्रियदर्शनी परिसर में निगम की चालानी कार्रवाई

भिलाईनगर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में स्वच्छता बनाए रखने तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में निगम आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार 09 अक्टूबर 2026 को जोन क्रमांक-01 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-06, प्रियदर्शनी परिसर में विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं फल ठेलों की जांच कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों से कुल 3,150 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। जांच के दौरान फल ठेलों एवं प्रतिष्ठानों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, डस्टबिन की अनुपलब्धता तथा अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं होने जैसी अनियमितताएं पाई गईं। निगम की टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए संबंधितों से निर्धारित शुल्क वसूल किया। इन पर की गई चालानी कार्रवाई सोनू चौहान फल ठेला सिंगल यूज प्लास्टिक पर 50 रुपये, किशन फल ठेला सिंगल यूज प्लास्टिक पर 100 रुपये, रॉयल राजस्थानी भोजनालय डस्टबिन नहीं होने पर 200 रुपये, रॉयल राजस्थानी भोजनालय सिंगल यूज प्लास्टिक पर 800 रुपये, बुरहानपुर वाले खोवा जलेबी सिंगल यूज प्लास्टिक पर 500 रुपये, बुरहानपुर वाले खोवा जलेबी अनुज्ञप्ति लाइसेंस नहीं होने पर 1,500 रुपये, इस प्रकार कुल 3,150 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई।नगर निगम द्वारा सभी दुकानदारों, व्यापारियों एवं फल विक्रेताओं से अपील की गई है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखें, प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें तथा आवश्यक अनुज्ञप्ति लाइसेंस बनवाकर ही व्यवसाय संचालित करें।

नमो सेवा-अनकही कहानियाँ कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत कीं प्रेरक जीवन-कथाएं

दुर्ग/नवप्रदेश। शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी में 'नमो सेवा-अनकही कहानियाँ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने समाज के सामान्य नागरिकों के जीवन-संघर्ष, सेवा, समर्पण, आत्मनिर्भरता और सामाजिक परिवर्तन से जुड़ी प्रेरक कहानियों पर आधारित केस स्टडी प्रस्तुत कीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने सेवा-भावना, मानवीय संवेदना और राष्ट्रनिर्माण में नागरिकों की भूमिका को रेखांकित किया।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाएं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इण्डिया के ई-प्रोक्युमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

भिलाई स्टील प्लांट के एच आर - एल एंड डी विभाग में विभिन्न पदों पर भर्ती

भिलाई/नवप्रदेश। भिलाई स्टील प्लांट के एच आर - एल एंड डी विभाग के द्वारा अप्रेंटिसशिप एक्ट 1961 के तहत आईटीआई/ डिप्लोमा/ स्नातक के गत पांच वर्ष के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए विभिन्न पदों पे भर्ती की जा रही है जिसके लिए 20 अक्टूबर निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष से कम तथा 28 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। अधिक जानकारी के लिए 9407987793 पे संपर्क किया जा सकता है।

यूनियन बैंक Union Bank of India | **महाराजा चौक शाखा, दुर्ग (छ.ग.)**

परिशिष्ट-IV कब्जा नोटिस नियम 8 (1)

सेक्यूरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाइनेनशियल असेट्स एंड अनफोर्समेंट ऑफ सेक्युर्टी इंटरेस्ट एक्ट, 2002 के तहत नियम-3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त अधिकारों के प्रयोग के तहत शाखा के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में अधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित धारकर्ता/जमानतदार व ऋणियों को निम्नलिखित तिथियों में डिमांड नोटिस में दर्शायी गई राशि उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने जारी किया गया था. उधारकर्ता/जमानतदार व ऋणियों द्वारा राशि अदायगी में असफल रहने पर एतद् द्वारा उधारकर्ता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियम-8 के साथ पठित उक्त एक्ट की धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए यहाँ नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा कर लिया गया है।

विशेष रुप से उधारकर्ता/जमानतदार व ऋणियों और जनसामान्य को एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई लेन-देन न करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन-देन इस पर वर्णित बकाया राशि ब्याज, आकस्मिक खर्च एवं लागत और शुल्क के लिये **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया** कि संबंधित शाखा के निर्मित प्रभार के अधीन होगी।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये ध्यानाकर्षित किया गया है।

अ. उधारकर्ता का नाम ब. शाखा का नाम	संपत्तियों का विवरण	1. मांग सूचना की तिथि 2. मांग सूचना राशि रु 3. कब्जे की तिथि
स्व. दलजीत कौर सैनी मृतक दलजीत कौर सैनी की संपत्ति, प्रतिनिधित्व: श्रीमती प्रितपाल कौर सैनी, एमआईजी-78 हाउसिंग बोर्ड, भिलाई, भिलाई-490011 शाखा: महाराजा चौक, दुर्ग	ख नं. 1560/89, मौजा- कुरूद पीसी नं. 14, आरआईसी- दुर्ग क्षेत्रफल- 1200 वर्ग फीट, जिला- दुर्ग (छ.ग.) में स्थित प्लॉट नं. 11-बी.	30/07/2026 ₹ 33,14,235.24 + ब्याज + कानूनी व अन्य शुल्क 06/10/2026
1. नितेन्द्र कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार, 2. राजेंद्र कुमार भारद्वाज पुत्र स्व. फिरतू राम भारद्वाज। पता: 470, मस्जिद के सामने, तितुरडीह वार्ड नं. 19, दुर्ग (छ.ग.) पिन -490001 शाखा: महाराजा चौक, दुर्ग	ख नं. 68/2, मौजा- तितुरडीह, शहीद भगत सिंह वार्ड (दक्षिण) वार्ड नं. 19, पीसी. नं. 20, आरआईसी-दुर्ग-1, तहसील व जिला-दुर्ग, क्षेत्रफल 0.004 हेक्टेयर (570 वर्ग फुट)।	30/07/2026 ₹ 21,50,060.73 + ब्याज + कानूनी व अन्य शुल्क 03/10/2026

दिनांक: 09.10.2026 स्थान: दुर्ग (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी/यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

केनरा बैंक Canara Bank | वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना | **ई-नीलामी दिनांक 28/10/2026 & 13/11/2026**

स्थायी संपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **सांकेतिक/भौतिक कब्जा** ले लिया गया है। निम्न वर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **28/10/2026** एवं **13/11/2026** को 12.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक **केनरा बैंक सुरक्षित लेनदार** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु **"जैसा है जहां है, जो है जैसा है"** एवं **"जो कुछ भी है"** के आधार पर किया जा रहा है।

संपत्ति निरीक्षण की तिथि: 26/10/2026, ईएमडी जमा तिथि: 27/10/2026 एवं ई-नीलामी की तिथि: 28/10/2026

ऋणी/गारंटर का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक कब्जा सूचना दिनांक बकाया राशि	आरक्षित मूल्य धरोहर राशि बिड बढ़ाने की राशि	शाखा सम्पर्क नं./ संपत्ति QR
1) मेसर्स आरना पेपर प्रोडक्ट्स, भाटापारा मोहल्ला, पुड्डा कंपाउंड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)- 492001 2) श्री धर्मपाल सिंह 3) श्री गौरव सिंह पुत्र धर्मपाल सिंह 4) श्री सौरभ कुमार सिंह पुत्र धर्मपाल सिंह, सभी का पता: एफ-7, शिवाजी पार्क, विधानसभा रोड, सड्डू, रायपुर (छ.ग.) - 492001, 5) श्रीमती ज्योति सिंह, एल आई जी- 100/7, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अवंती विहार, रायपुर (छ.ग.)- 492006.	श्री सौरभ कुमार सिंह के नाम पर फ्लैट नं.- 183, चतुर्थ तल, ब्लॉक नं. 8, छ.ग. हाउसिंग बोर्ड खम्हारडीह, शंकर नगर, रायपुर तहसील एवं जिला- रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल: 50.41 वर्गमी. (542.41 वर्गफुट) में स्थित आवासीय भूमि एवं भवन के समस्त भाग तथा अंश। चौहद्दी: दक्षिण में- फ्लैट नं. एलआईजी-184, उत्तर में- ओटीएस, पश्चिम में- पैसेज, पूर्व में- ब्लॉक नं. 9.	20/09/2022 05/12/2022 ₹ 49,17,427.81 02/12/2025 पर + भविष्य का ब्याज और लागत,खर्च आदि	₹ 10,57,000/- ₹ 1,05,700/- ₹ 10,000/-	Property No. - 01 Raipur Main Branch (Mo. 7880150204)
श्री सूरज दास, बसंत मार्बल गली, शिव मंदिर, लक्ष्मी रायपुर, छत्तीसगढ़-492001.	खसरा नं. 1590/39, प.ह.नं. 81, मौजा- बोरियाकला, बोरियाकला शासकीय हाई स्कूल के पास, तहसील एवं जिला रायपुर, छत्तीसगढ़- 492001. क्षेत्रफल - 1400 वर्ग फीट में स्थित आवासीय प्लॉट के समस्त भाग तथा अंश। चौहद्दी: उत्तर- बोरियाकला शासकीय स्कूल की भूमि, दक्षिण- सड़क, पूर्व- कार्तिकेय चंदे की भूमि, पश्चिम- श्रीमती धनेश्वरी साहू की भूमि।	17/07/2025 09/10/2025 ₹ 19,34,389.96 02/12/2025 पर + भविष्य का ब्याज और लागत,खर्च आदि	₹ 15,88,000/- ₹ 1,58,800/- ₹ 10,000/-	Property No. - 03 Raipur GE Road (Mo. 8770592270)
1. मेसर्स महादेव की रसोई की मालिक श्रीमती कंचन देवांगन पति श्री ईश्वर देवांगन के माध्यम से। 2. श्री ईश्वर देवांगन पुत्र श्री झग्गर देवांगन (गारंटर एवं बंधककर्ता), दोनों का पता: मकान नं. 192, सरकारी स्कूल के पास, हटकेश्वर वार्ड, वार्ड नं. 01, तहसील व जिला- धमतरी, छत्तीसगढ़, पिनकोड- 493773.	शीर्षक धारक: श्री ईश्वर देवांगन पुत्र श्री झग्गर देवांगन, नया खसरा नं. 416/23 [पुराना खसरा नं. 416/9 (भाग)], प.ह.नं. 49/15, ग्राम- हटकेश्वर, बी.एन. नं.532/546, मंडल- भोथली, ब्लॉक एवं तहसील- कुरुद, जिला- धमतरी, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल- 1508.00 वर्ग फुट में स्थित परिवर्तित भूमि का साम्यिक बंधक। चौहद्दी: उत्तर- विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण- श्री संतोष की खुली भूमि, पूर्व- सड़क, पश्चिम- खसरा नं. 384/2, 384/3.	05/05/2026 13/07/2026 ₹ 19,49,289.32 05/05/2026 पर + भविष्य का ब्याज और लागत,खर्च आदि	₹ 23,40,000/- ₹ 2,34,000/- ₹ 10,000/-	Property No. - 03 Dhamtari Ghadi Chowk (Mo. 7880109250)

संपत्ति निरीक्षण की तिथि: 11/11/2026, ईएमडी जमा तिथि: 12/11/2026 एवं ई-नीलामी की तिथि: 13/11/2026

ऋणी/गारंटर का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक कब्जा सूचना दिनांक बकाया राशि	आरक्षित मूल्य धरोहर राशि बिड बढ़ाने की राशि	शाखा सम्पर्क नं./ संपत्ति QR
1. श्री दिलीप सोनी पिता अवध नारायण सोनी. 2. श्रीमती संध्या सोनी पत्नी श्री दिलीप सोनी. दोनों का पता: 153, गांधी चौक, वार्ड नं. 32, बालाजी नगर, जोन- 02, सेक्टर-11, खुर्सीपार, भिलाई, दुर्ग, छत्तीसगढ़- 490011 एवं नया खसरा नं. 3786/5 (पुराना खसरा 3786/1), मौजा ग्राम- कोहका, प.ह.नं. 14/19, आरएनएम-दुर्ग-01, नगर निगम भिलाई के अंतर्गत, फरीद नगर, कोहका वार्ड नं. 07, टाटालाइन अंदर भागा, तहसील व जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़-490023,	शीर्षक धारक का नाम: श्रीमती संध्या सोनी पत्नि श्री दिलीप सोनी एवं श्री दिलीप सोनी पुत्र श्री अवध नारायण सोनी, नया खसरा नंबर 3786/5 (पुराना खसरा 3786/1), प.ह.नं. 14/19, आरएनएम-दुर्ग-01, नगर निगम भिलाई के अंतर्गत मौजा ग्राम- कोहका, फरीद नगर, कोहका वार्ड नं. 07, टाटा लाईन अंदर भाग, तहसील व जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़। क्षेत्रफल- 1240 वर्गफीट/115.24 वर्ग मीटर में स्थित आवासीय भवन एवं भूमि के समस्त भाग व अंश। चौहद्दी: उत्तर- गुलाब का मकान, दक्षिण- दाता की शेष भूमि, पूर्व- सड़क, पश्चिम- दूसरे का मकान।	02/07/2026 09/09/2026 ₹ 12,83,029.39 as on 04/10/2026 + future interest & costs, expenses etc.	₹ 33,57,000/- ₹ 3,35,700/- ₹ 10,000/-	Property No. - 04 G.E. Road, Bhilai (Mo. 9755423600)

ईएमडी जमा विवरण: आरक्षित मूल्य के 10% की ईएमडी राशि मेसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड (बैंकनेट) पोर्टल के ई-वॉलेट में सीधे या चालान बनाकर आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करने के लिए उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में 27/10/2026 एवं12/11/2026 को या उससे पहले जमा की जानी है।

ई-नीलामी की शर्तें- (1) नीलामी बैंक द्वारा अधिकृत सेवा प्रदाता की वेबसाइट **www.baanknet.com** माध्यम से आन लाईन ई-नीलामी की जावेगी। (1) संपत्ति का निरीक्षण दिनांक **26/10/2026** एवं **11/11/2026** दोपहर **12.00** से सायं **3.00** बजे तक संबंधित **शाखा प्रबंधक** की पूर्व अनुमति से किया जा सकता है। (3) बिक्री की पुष्टि होने पर सफल खरीददार बिक्री मूल्य का 25 प्रतिशत जिसमें ईएमडी के लिए पहले भुगतान की गई रकम भी शामिल है तुरंत जमा करेंगे एवं शेष 75 प्रतिशत राशि का 15 दिन के अंदर भुगतान करेंगे। (4) अधिक जानकारी हेतु उपरोक्त संबंधित शाखा के प्राधिकृत अधिकारी से सम्पर्क करें अथवा सर्विस प्रदाता **M/s. PSB Alliance (baanknet), Helpline: Email ID- support.baanknet@psballiance.com** अथवा **Website: https://baanknet.com** पर संपर्क करें। (5) भविष्य में उत्पन्न होने वाले संपत्ति कर या सोसायटी रखरखाव से संबंधित सभी खर्च, जहां भी लागू हो, सफल बोलीदाता द्वारा वहन किए जाएंगे।

विवाद की किसी भी स्थिति में अंग्रेजी अखबार 'द हितवादा' दिनांक 10/10/2026 रायपुर में प्रकाशित विज्ञापन मान्य होगा।

दिनांक : 09.10.2026 स्थान: रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

7 किमी लंबी एक सड़क, जो किरंदुल तक की 11 घंटे की पैदल यात्रा को एक घंटे की यात्रा में बदल देगी

किरंदुल (छत्तीसगढ़)। बस्तर की घने जंगलों वाली पहाड़ियों में बसे दूर-दराज के गावं लोहागांव के निवासियों के लिएकिरंदुल तक पहुंचना हमेशा से ही खड़ी और ऊबड़-खाबड़ इलाके से होकर एक कठिन यात्रा रहा है, जिसमें पैदलजाने पर लगभग 11 घंटे लगते हैं।

अब विकसित की जा रही 7 किलोमीटर सड़क इस स्थिति को पूरी तरह बदल देगी, जिससे संभावित रूप से वाहन द्वारा किरंदुल की यात्रा लगभग एक घंटे तक हो जाएगी।

इस सड़क का निर्माण छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) की सहायता से किया जा रहा है। यह सीधे लोहागांव से किरंदुल तक नहीं जाति । इसके बजाय, यह सड़क लोहागांव को डिपॉजिट-11सी कार्यालय से जोड़ेगी और पुरंगल में मौजूदा सड़क नेटवर्क से जुड़ेगी, जहां से सड़कें राज्य राजमार्ग और किरंदुल की ओर जाती हैं।

इस कनेक्टिविटी से पारंपरिक रूप से एक मुश्किल ट्रेक को वाहनों के चलने लायक रास्ते में बदला जा सकता है। लोहागांव से सड़क नेटवर्क तक जाने वाला वर्तमान मार्ग वास्तव में ऊबड़-खाबड़, खड़ी चढ़ाई और घने जंगल से होकर गुजरने वाला एक ट्रेकिंग पथ था। मौजूदा सड़क तक पहुंचने के लिए पैदल यात्रा में ही लगभग तीन घंटे लग सकते हैं।

नई सड़क बन जाने के बाद, उम्मीद है कि यात्रा के उस हिस्से को

मोटरसाइकिल से तय करने में सिर्फ15 मिनट लगेंगे।

7 किलोमीटर सड़क पर काम पहले ही शुरू हो चुका है, जिसमें से लगभग 2.5 किलोमीटर काम पूरा हो चुका है और शेष 4.5 किलोमीटर पर काम अभी शेष है।

हालांकि, इसके लाभ लोहागांव से भी आगे तक पहुंचने की उम्मीद है। यह सड़क दंतेवाड़ा और उससे सटे बीजापुर जिले के क्षेत्रों में फैले अन्य दूरदराज के गांवों के लिए संपर्क में भी सुधार करेगी, जिनमें एंड्री, तमोदी, पुरंगल, गामपुर और बेंगपाल शामिल हैं।

इन बस्तियों के निवासियों के लिए, बेहतर कनेक्टिविटी का मतलब बाजारों, स्वास्थ्य देखभाल और अन्य आवश्यक सेवाओं तक आसान पहुंच हो सकता है। जिन ग्रामीणों को वर्तमान में मौजूदा सड़क नेटवर्क तक पहुंचने के लिए जंगल के मुश्किल रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है, वे अब अपने घरों के बहुत करीब मोटर चालित सड़कों तक पहुंच सकेंगे।

बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता विशेष रूप से मेडिकल इमरजेन्सी के समय स्पष्ट होती है। छत्तीसगढ़ सरकार के 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर' अभियान के तहत हाल ही में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी एक टीम ने बैलाडीला की पहाड़ियों और जंगल से होते हुए लोहागांव तक का सफर तय किया और वहाँ के निवासियों का इलाज किया । इस दौरान लोहागाँव के अलग-थलग होने की बात सामने आई ।

इसलिए, लोहागांव निवासियों के लिए इस सड़क का प्रभाव सिर्फयात्रा के समय तक ही सीमित नहीं होगा । किरंदुल की जो यात्रा वर्तमान में पैदल तय करने में लगभग 11 घंटे लगते हैं, नई कनेक्टिविटी पूरी होने के बाद वाहन द्वारा लगभग एक घंटे में पूरी की जा सकेगी ।

इस सड़क से ग्रामीणों के लिए वन-उत्पादों को बाजारों में ले जाने और घर की जरूरत का सामान लेकर लौटना आसान हो जाएगा, जिससे वर्तमान में एक कठिन यात्रा में लगने वाली शारीरिक मेहनत और समय की बचत होगी ।

इस परियोजना को राज्य वन विभाग द्वारा एनसीएल की सहायता से निष्पादित किया जा रहा है। चूंकि रास्ता वन भूमि से होकर गुजरता है, इसलिए परियोजना में वन विभाग की अपेक्षित अनुमतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं।

यह सड़क गांवों के एक समूह के लिए एक व्यापक परिवर्तन का प्रतीक भी है, जो इलाके की बनाबाट के कारण बाकी जगहों से कटे हुए थे । लोहागांव को डिपॉजिट-11सीइलाके और पुरंगल में पहले से मौजूद सड़क नेटवर्क से जोड़कर, यह परियोजना कई दूर-दराज की बस्तियों को बेहतर परिवहन नेटवर्क से जोड़ सकता है।

न्यूज गैलरी

महमरा एनीकेट में नहाते समय नदी में बहा 22 वर्षीय युवक, बरामद किया शव

तेज बहाव के बीच गोताखोरों ने चलाया सर्च ऑपरेशन, दुर्ग के पंचशील नगर का निवासी था मृतक

दुर्ग/नवप्रदेश। शिवनाथ नदी के महमरा एनीकेट के पास नहाने के दौरान तेज बहाव में बहे 22 वर्षीय युवक का शव शुक्रवार को एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम ने बरामद कर लिया। मृतक की पहचान पंचशील नगर, दुर्ग निवासी निशांत सेन (22 वर्ष), पिता होरी लाल सेन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, निशांत सेन महमरा एनीकेट के समीप शिवनाथ नदी में नहा रहा था। इसी दौरान वह पानी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला सेनानी के निर्देशन में दुर्ग एसडीआरएफकी टीम मोटर बोट और सुरक्षा उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची और तलाश अभियान शुरू किया। प्रशिक्षित गोताखोर राजकुमार यादव और चंद्रप्रताप जंघेल ने तेज बहाव के बीच डिप डाइविंग कर सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। काफी प्रयासों के बाद युवक का शव पानी से बाहर निकाला गया। एसडीआरएफ की टीम ने शव को मौके पर मौजूद दुर्ग थाना पुलिस और परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस द्वारा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस रेस्क्यू अभियान में एसडीआरएफ के प्रशिक्षित जवानों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तलाश अभियान चलाकर शव बरामद किया।

यूजीसी के नियमों पर सर्व समाज का शक्ति प्रदर्शन, सुधार की मांग

राजनांदगांव/नवप्रदेश। यूजीसी के नियमों और आरक्षण व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवाल अब सामाजिक एकजुटता का रूप लेने लगे हैं। राजनांदगांव में मठपारा स्थित परशुराम भवन में आयोजित बैठक में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे समाज प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद की। बैठक में नियमों की कमियों, उनके क्रियान्वयन और शिक्षा व्यवस्था में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के मुद्दे उठे। चर्चा केवल विरोध तक सीमित नहीं रही, बल्कि सर्व समाज ने अपनी मांगों को प्रशासन तक पहुंचाने के लिए ज्ञापन भी सौंपा। बैठक में उठी आवाज के केंद्र में सवाल था कि शिक्षा से जुड़े नियमों में पारदर्शिता, समान अवसर और सभी पक्षों के अधिकारों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन सौंपने पहुंचे समाज के प्रतिनिधि सर्व समाज की ओर से प्रशासन को ज्ञापन सौंपने के दौरान भारत तिवारी, संजय बहादुर सिंह, दशरथ शर्मा, महेश शर्मा, राज कुमार शर्मा, आलोक तिवारी, महेंद्र शुक्ला, रूपेश दुबे, विवेक शर्मा, गौरव पचौरी, विजय शर्मा, पीयूष शर्मा, विजय अग्निहोत्री और अरविंद मिश्रा सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। निष्पक्ष सुनवाई हो, सामानता बनी रहे बैठक में जिले के शिक्षाविद नीरज बाजपेयी ने कहा कि यूजीसी के नियमों को लेकर उठ रही आपत्तियों पर व्यापक चर्चा जरूरी है। शिकायतों की जांच की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और किसी भी व्यक्ति के अधिकारों की रक्षा के साथ निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। नियमों के दुरुपयोग की आशंका को दूर करने के लिए स्पष्ट प्रावधान होने चाहिए, ताकि किसी निर्दोष को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने आरक्षण व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर भी पुनर्विचार और सुधार की मांग को प्रमुखता से उठाया।

विस्फोटक नष्ट करते समय बम धमाका सीआरपीएफ के चार जवान घायल

जगदलपुर। नवप्रदेश। सुकमा जिले में पुराने विस्फोटकों को नष्ट करने के दौरान अचानक हुए बम धमाके से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के चार जवान घायल हो गए। हादसे में दो जवानों को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि दो अन्य को सामान्य चोटें लगी हैं। घायलों में एक जवान की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए भद्राचलम रेफर किया गया है। घटना के बाद सीआरपीएफके वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। घायलों में सहायक उपनिरीक्षक एमके तिवारी और अनीस खान को गंभीर चोटें आई हैं,जबकि निरीक्षक अमरनाथ मिश्रा और प्रधान आरक्षक कुलदीप राज को सामान्य चोटें पहुंची हैं। घटना के तत्काल बाद चारों जवानों को कोंटा के शासकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। इसके बाद बेहतर चिकित्सा के लिए उन्हें भद्राचलम भेज दिया गया। गंभीर रूप से घायल जवानों की स्थिति पर अधिकारी लगातार नजर बनाए हुए हैं।

जगदलपुर से भेजी गई थी तकनीकी टीम: प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 अक्टूबर को सीआरपीएफ की 50वीं वाहिनी की आयुध तकनीकी टीम जगदलपुर से सुकमा जिले के भेज्जी थाना क्षेत्र स्थित एलार्मडगु शिविर पहुंची थी। टीम को कोंटा क्षेत्र के पिड़मेल, डब्बाकोंटा, कोलाईगुड़ा और एलार्मडगु शिविरों का निरीक्षण करने के साथ वहां बचे विस्फोटकों को सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

प्रक्रिया के दौरान अचानक हुआ धमाका : एलार्मडगु शिविर से करीब 200 मीटर दूर बोदराजपदर नाले के पास सुरक्षा मानकों के तहत विस्फोटकों को नष्ट करने की कार्रवाई चल रही थी।

फसल की वास्तविक स्थिति का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और सर्वे का क्रॉस वेरिफिकेशन करने के निर्देश

शत-प्रतिशत गिरदावरी सुनिश्चित करें : मुख्य सचिव विकासशील

■ **नक्शों की त्रुटियों के निराकरण और भूमि अभिलेखों को अद्यतन करने के लिए तकनीकी समाधान विकसित करने पर जोर**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में डिजिटल क्रॉप सर्वे के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वे की प्रगति, भूमि अभिलेखों की पूर्णता और शत-प्रतिशत गिरदावरी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में फसलें बोई गई है, वहां उसकी वास्तविक स्थिति का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाए। फसल वाले क्षेत्रों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पॉलीगॉन बनाकर जानकारी दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से खेतों में बोई गई फसल का सटीक और विश्वसनीय विवरण तैयार किया जाना चाहिए। बैठक में मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव सुश्री रीना बाबा साहब कंगाले, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक उद्योग श्री प्रभात मलिक, संचालक भू-अभिलेख श्री विनीत नंदनवार, संचालक खाद्य फरिया आलम सिद्दीकी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे ।

डिजिटल क्रॉप सर्वे का क्रॉस वेरिफिकेशन करने के निर्देश

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सर्वे की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर पर टीम गठित कर विभिन्न जिलों में फील्ड वेरिफिकेशन करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सर्वे में दर्ज जानकारी का मौके पर सत्यापन किया जाए तथा कितने खसरों का सत्यापन हुआ है, कितने रिकॉर्ड सही पाए गए है, कहां त्रुटियां मिलीं है इसकी रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने डिजिटल क्रॉप सर्वे के आंकड़ों का धान की खेती, किसान पंजीयन और धान उपार्जन से संबंधित आंकड़ों के साथ तुलनात्मक परीक्षण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न अभिलेखों में उपलब्ध जानकारी का मिलान कर आवश्यक सुधार करने कहा है।

कलेक्टरों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा करें

मुख्य सचिव ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति और सत्यापन कार्यों की समीक्षा के लिए कलेक्टरों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिलों के संबंधित अधिकारी गांवों और खेतों के रिकॉर्ड का सत्यापन करें तथा कमियों को दूर करने के लिए समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें। सर्वे की नियमित निगरानी के साथ विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा किया जाए।

नक्शों की त्रुटियों के निराकरण के लिए तकनीकी समाधान तलाशें

बैठक में डिजिटल क्रॉप सर्वे के दौरान सामने आई प्रमुख बाधाओं की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि नक्शों की अनुपलब्धता और अन्य तकनीकी समस्याओं के कारण कार्य अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहना चाहिए।

राजस्व विभाग इन समस्याओं के निराकरण के लिए उपयुक्त तकनीकी समाधान तलाशे। मुख्य सचिव ने कहा कि आवश्यकतानुसार नक्शों को अद्यतन करने की कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन मामलों में भौतिक सत्यापन और पॉलीगॉन सत्यापन आवश्यक है, उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूरा कर लिया जाए।

कला और कल्पनाशीलता से युवाओं ने दिया वन्यजीव संरक्षण का संदेश

रायपुर/नवप्रदेश। वन्यजीव संरक्षण का संदेश देने वाली युवा प्रतिभाओं को गुरुवार को नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन के दंडकारण्य सभागार में पुरस्कृत किया गया। वन्यजीव सप्ताह के समापन अवसर पर आयोजित समारोह में कला और ज्ञान आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा रायपुर वनमंडल द्वारा कलिंगा विश्वविद्यालय के हरित समूह एवं प्राणीशास्त्र विभाग के सहयोग से 2 से 8 अक्टूबर तक वन्यजीव सप्ताह मनाया गया। 'जुड़ते प्राकृतिक आवास, फलते-फूलते वन्यजीव' की थीम पर आयोजित इस सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों के जरिए प्रकृति और जैव विविधता संरक्षण का महत्व समझा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री अरुण कुमार पाण्डेय व अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सप्ताहभर चले आयोजन में कागज की आकृतियां और घोंसलों के प्रतिरूप बनाने, बीजगोलक (सीड बॉल) निर्माण, वन्यजीव छायाचित्रण तथा प्रकृति भ्रमण जैसी गतिविधियों में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से उन्हें वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। शॉर्ट फिल्म मेकिंग प्रतियोगिता में कलिंगा विश्वविद्यालय के देवेश मिंज, सिद्धांत नागपुरे और वर्षा साहू क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। निबंध प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय की श्रेया साहू, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उपरवारा की शैल्या साहू और पीएम श्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय माना कैंप के आकाश दास ने क्रमशः प्रथम तीन स्थान प्राप्त किए।

कांग्रेस की हार का कारण आपसी बिखराव एकजुट होकर बनाएंगे सरकार : डॉ.महंत

जगदलपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के कारणों पर बेबाक टिप्पणी करते हुए स्वीकार किया कि पार्टी की पराजय की सबसे बड़ी वजह नेताओं के बीच एकजुटता का अभाव था।

उन्होंने कहा कि उस समय कांग्रेस के नेता अलग-अलग खेमों में बंटे हुए थे। सभी की दिशा अलग थी और आपसी समन्वय की कमी ने पार्टी को कमजोर किया। अब परिस्थितियां बदल रही हैं। कांग्रेस एकजुट होकर पूरी ताकत से आगामी चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल कर सरकार बनाएगी।

जगदलपुर पहुंचे महंत ने कहा कि कांग्रेस ने सभी वर्गों के हितों के लिए काम करने और आदिवासियों को उनका अधिकार दिलाने का प्रयास किया था। इसके बावजूद पार्टी के भीतर ऐसी कमजोरियां पैदा हुईं,जिनका नुकसान चुनाव में उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि नेताओं के बीच अलगाव और बड़े-बड़े सपनों ने सामूहिक लक्ष्य को पीछे छोड़ दिया था। यदि सभी एकजुट रहते तो परिणाम अलग हो सकते थे। अब पार्टी को पिछली गलतियों से सबक लेकर सतर्कता, एकता और पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ना होगा। प्रेसवार्ता में बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल,बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला, लशहर अध्यक्ष सुशील मौर्य,नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी,प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी शंकर राव, पूर्व निगम अध्यक्ष कविता साहू सहित अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

रायपुर में 16, 18 और 20 अक्टूबर को होंगे महिला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले, 12 से मिलेंगे टिकट

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर के क्रिकेट प्रेमियों को अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट का रोमांच देखने का मौका मिलेगा। नया रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 16, 18 और 20 अक्टूबर को भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीमों के बीच टी-20 मुकाबले खेले जाएंगे। तीनों मैच शाम 7 बजे से शुरू होंगे। मैचों के टिकटों की ऑनलाइन बिक्री 12 अक्टूबर को शाम 4 बजे से शुरू होगी।

इस बार टिकट पूरी तरह डिजिटल होंगे। दर्शकों को क्यूआर कोड के माध्यम से स्टेडियम में प्रवेश मिलेगा। एक व्यक्ति एक आईडी से अधिकतम छह टिकट खरीद सकेगा।

250 रुपये से शुरू होंगे टिकट: मैचों के लिए टिकट की अलग-अलग श्रेणियों में दरें तय की गई हैं। लोअर स्टैंड का टिकट 250 रुपये, तीनों मैचों के लिए सीरीज टिकट 499 रुपये और दो टिकटों का कॉम्बो 350 रुपये में उपलब्ध होगा। वहीं, पवेलियन प्लेटिनम टिकट की कीमत 3,500 रुपये, गोल्ड की 2,500 रुपये और सिल्वर टिकट की दर

सामानों की ओवररेटिंग न हो: कलेक्टर

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने 16, 18 एवं 20 अक्टूबर को राजधानी के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाले इंडिया- जिम्बाब्वे टी 20 मैच की तैयारियों को लेकर छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के साथ बैठक ली।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए महत्वपूर्ण आयोजन है। पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए तथा सामानों की ओवररेटिंग न हो। पुलिस प्रशासन से समन्वय कर सुरक्षा एवं ट्रैफिक के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।उन्होंने कहा कि मैदान में खिलाड़ियों के साथ दर्शकों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित रहें। प्रशासन की एसओपी का अनिवार्य रूप से पालन किया जाए।

रास्ते जाम होने से स्कूलों को करनी पड़ी छुट्टी, बाहर जाने के लिए 2 से 3 किलोमीटर पैदल चलने को मजबूर लोग

48 घंटे से शहर में चारों तरफचक्काजाम, आम आदमी परेशान

■ **दूसरे दिन भी जारी रहा किसानों का प्रदर्शन**

कवर्धा/नवप्रदेश। जिले में किसानों का आंदोलन आम जनजीवन पर भारी पड़ने लगा है। भारतीय किसान संघ के आह्वान पर बलराम किसान न्याय यात्रा के तहत शुरू हुआ चक्काजाम दूसरे दिन भी जारी रहा। करीब 48 घंटे से जारी प्रदर्शन के कारण शहर से बाहर निकलने वाले प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित है। वाहनों की लंबी कतारों के बीच यात्रियों, वाहन चालकों और आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए 2 से 3 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ रहा है। रास्ते बाधित होने से कुछ स्कूलों को मजबूरी में छुट्टी भी करनी पड़ी।

8 हजार से अधिक किसान, 1200 ट्रैक्टरों से पहुंचे

किसानों के अनुसार, जिलेभर से 8 हजार से अधिक किसान करीब 1200 ट्रैक्टरों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचे। बड़ी संख्या में ट्रैक्टरों की आवाजाही और सड़क पर प्रदर्शन के कारण रायपुर-कवर्धा सहित शहर से बाहर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ गया। यात्री बसें, चारपहिया वाहन और स्कूल बसें भी जाम में फंसी रहीं। पुलिस प्रशासन ने यातायात नियंत्रित करने के लिए कई प्रमुख स्थानों पर बैरिकेडिंग कर बल तैनात किया, लेकिन लोगों की परेशानी कम नहीं हो सकी।

तीन स्थानों पर रामधुनी, सड़क किनारे बैठे किसान

आंदोलन के दौरान लोहारा रोड-रायपुर बायपास, बिलासपुर रोड स्थित जोराताल चौक और रायपुर रोड पर सागर मोबाइल के पास रामधुनी और हरिकीर्तन का आयोजन किया गया। किसान सड़क किनारे बैठकर भजन करते हुए अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते रहे। आंदोलन में शामिल किसान अपने गांवों से पानी, राशन और अन्य जरूरी सामग्री लेकर पहुंचे हैं।

बाजार पर भी पड़ने लगा असर

लगातार यातायात बाधित रहने से आम लोगों की आवाजाही और दैनिक कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर सब्जियों, फलों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। हालांकि, कीमतों में वृद्धि का कारण

23 मांगों को लेकर किसानों का प्रदर्शन

किसान गन्ने पर 150 रुपए प्रति क्विंटल बोनस, गन्ना और बागवानी फसलों को कृषक उन्नति योजना से जोड़कर प्रति एकड़ सालाना 15 हजार रुपए की आदान सहायता तथा गन्ना फसल बीमा शुरू करने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा धान के भुगतान, लंबित चौथी किश्त और समितियों में निर्धारित मात्रा के अनुसार धान तौल सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई है। किसानों ने सुतियापाठ नहर विस्तार सहित विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी देने, प्रभावित किसानों को लंबित मुआवजा देने, नहर निर्माण पूरा कराने तथा क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की मरम्मत की मांग भी रखी है।

मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन बढ़ाने की चेतावनी

भारतीय किसान संघ ने मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने की स्थिति में अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। अब किसानों की मांगों और आम जनता की बढ़ती परेशानी के बीच प्रशासन के सामने यातायात सुचारु करने और आंदोलन का समाधान निकालने की चुनौती है। समाचार के लिखे जाने तक किसानों का प्रदर्शन जारी रहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि.शेड नं.74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806 फोन : 0771-3526755, 6262188999